



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]
No. 24]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 13, 1987/ ज्येष्ठ 23, 1909
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1987/JYAISTHA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विस्तार मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1987

आयकर

का. प्रा. 1452 - आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 2 के खंड 44 के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा
नीचे स्तम्भ 4 में उल्लिखित अधिसूचना (अधिसूचनाओं) का अधिलेखन
करते हुए नीचे स्तम्भ 3 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारियों के स्थान
पर नीचे स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को, जो केन्द्रीय सरकार के
राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर-वसूली अधि-
कारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है—

कम उन व्यक्तियों के नाम उन कर वसूली अधि पुरानी अधिसूचनाओं
में जिन्हें कर वसूली अधि- कारी (अधिकारियों) के की संख्या और
कारी (अधिकारियों) नाम त्रिनके स्थान पर तारीख त्रिनका अधि-
की शक्तियों का प्रयोग स्तम्भ 2 में उल्लि- लघन किया जाना
करने हेतु प्राधिकृत खिन व्यक्तियों को है
किया जाना है। प्राधिकृत किया जाना
है

1 श्री बी ए. बागले श्री एम जी पाठक 6229 (फा. सं.
398/11/85-आ.क.
(ब) दिनांक 21-5-85

2. श्री एम ए. लोघे श्री एम. एस. प्रधान —नदेव—

यह अधिसूचना तत्काल लागू होगी तथा जहाँ तक स्तम्भ (2) में
उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है, कर वसूली अधिकारियों के रूप में उनके
कार्यभार सम्भालने की तारीख (तारीखों) से लागू होगी।

[सं. 7234/फा. सं 398/10/87-आ. क. (ब)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th April, 1987

INCOME-TAX

S.O. 1452.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer(s) under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession of the Notification(s) mentioned below in column 4 :—

Sl. No.	Name of the persons to be authorised to exercise powers of Tax Recovery Officer(s)	Name of Tax Recovery Officer(s) in place of whom the persons mentioned in column 2 to be authorised	Old Notification No. and date to be partially modified.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	S/Shri V.A. Bengale	S/Shri S.G. Pathak	6229 (F.No. 398/11/85—IT (B) dated 21-5-1985.
2.	„ M.A. Lone	„ M.L. Pradhan	

2. This Notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the date(s) they take over charge(s) as Tax Recovery Officers.

[No. 7234/F. No. 398/10/87-IT (B)]

का. भा. 1453.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राज-पत्रित अधिकारी होने के नाते श्री ए.बी. भट्ट द्वारा कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री ए.बी. भट्ट द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 7230/का. सं. 398/10/87-मा. क. (ब.)]

S.O. 1453.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri A. B. Bhat being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri A. B. Bhat takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7230/F. No. 398/10/87-IT(B)]

का. भा. 1454.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राज-पत्रित अधिकारी श्री पी.एस. अय्यर को कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री पी.एस. अय्यर द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 7236/का. सं. 398/10/87-मा. क. (ब.)]

बी. ई. अलेक्जेंडर, प्रवर सचिव

S.O. 1454.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause 44 of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri P. S. Iyer being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri P. S. Iyer takes over charge as Tax Recovery Officer

[No. 7236/F. No. 398/10/87-IT(B)]

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1987

आयकर

का. भा. 1455.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में दिनांक 19-12-1984 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं. 6074 (का. सं. 261/1/84-मा. क. ला.) का अधिसूचना करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट रेंज के आयकर आयकर प्रायुक्त आयकर के लिए निर्धारित उन सभी शक्तियों और श्राव को छोड़कर जिन पर क्षेत्राधिकार आयकर आयुक्त अपील में निहित है, अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमण्डलों, बाडों और जिलों में आयकर से निर्धारित सभी शक्तियों और श्राव के संबंध में अपना कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेंज	आयकर परिमण्डल/बाड और जिलें
अपीलीय महायुक्त, आयुक्त, रेंज-I कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-I 2. कम्पनी जिला-II 3. कम्पनी जिला-III 4. कम्पनी जिला-IV 5. कम्पनी जिला-V 6. विदेश अनुभाग 7. विदेश कम्पनी परिमण्डल-I 8. विदेश कम्पनी परिमण्डल-II 9. सहकारी आवास परिमण्डल 10. सहकारी समिति परिमण्डल 11. जूट परिमण्डल 12. विशेष परिमण्डल VIII (क. शि.- V) 13. विशेष परिमण्डल-I 14. विशेष जांच परिमण्डल 15. विशेष जांच परिमण्डल-II 16. कम्पनी जिला-VI 17. प्रतिवासी परिमण्डल

जहां-कहीं कोई आयकर परिमण्डल, वार्ड, जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अन्तरित कर दिया गया वहां उस आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली अपीलें और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें जिसके अधिकारी क्षेत्र से उक्त आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएं जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो।

यह अधिसूचना दिनांक 1-3-1987 से लागू होगी।

[सं. 7162 (फा. सं. 261/5/87-आ. का. न्या.)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 9th March, 1987

INCOME-TAX.

S.O. 1455.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and supersession of the previous notification No. 6074 (F.No. 261/1/84—ITJ) dated 19-12-1984 in this regard the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range specified in column 1 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts Specified in the corresponding entry in Column 2 thereof excluding all persons and incomes assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests in Commissioner Income-tax (Appeal)

SCHEDULE

Range	Income tax Circles/Wards & District
Appellate Assistant Commissioner, Range-I, Calcutta.	(1) Comp. Dist. I. (2) Comp. Dist. II. (3) Comp. Dist. III. (4) Comp. Dist. IV. (5) Comp. Dist. V. (6) Foreign Section. (7) Foreign Companies Circle-I. (8) Foreign Companies Circle-II. (9) Co-operative Housing Circle. (10) Co-operative Societies Circle. (11) Jute Circle. (12) Special Circle-VIII (Comp. Dist. V) (13) Special Circle-I. (14) Special Investigation Circle-I. (15) Special Investigation Circle-II. (16) Companies Dist.-VI. (17) Non-resident Circle.

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-3-1987.

[No. 7162 (F.No. 261/5/87—ITJ)]

का. आ. 1456.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) तथा समय-समय पर यथा-संशोधित अधिसूचना सं. 6400 (फा. सं. 261/12/85-आ. क. न्या.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि आयकर आयुक्त (अपील-IV), कलकत्ता स्तम्भ (2) और स्तम्भ (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमण्डलों, जिलों और रेंजों में आयकर अथवा अतिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में ऐसे कार्य निर्वहण करेंगे, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज), कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा II की उपधारा (1) तथा ब्याज कर अधिनियम 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से व्यक्ति हुए हैं और ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों की श्रेणियों की बाबत भी कार्य निर्वहण करेंगे जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया हो या भविष्य में निदेश दें।

अधिकार क्षेत्र तथा प्रधान आयकर वार्ड तथा नि. स. आ. को रेंज कार्यालय परिमण्डल

1	2	3
1. आयकर आयुक्त, (अपील-IV) कलकत्ता।	1. कम्पनी जिला-IV, (क से छ वार्ड) 2. सहकारी गृह परिमण्डल 3. विशेष परिमण्डल-II 4. जिला-II (1) 5. ट्रस्ट परिमण्डल 6. सर्वेक्षण परिमण्डल-I 7. अतिवासी परिमण्डल	1. नि. स. आ., रेंज-II 2. नि. स. आ., रेंज-XII 3. नि. स. आ. विशेष रेंज-II 4. नि. स. आ., रेंज-XX 5. नि. स. आ., रेंज-XXVI 6. नि. स. आ., क. नि. रेंज-IV 7. नि. स. आ. क. नि. रेंज-XIV 8. नि. स. आ. सर्वेक्षण रेंज-I 9. नि. स. आ., क. नि. रेंज-V 10. नि. स. आ. क. नि. रेंज-XV 11. नि. स. आ. रेंज-I

जहां कोई आयकर परिमण्डल वार्ड अथवा जिला अथवा रेंज या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार क्षेत्र में अन्तरित कर दिया गया हो, वहां उस आयकर वार्ड, परिमण्डल अथवा जिला अथवा रेंज या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व, अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें जिसके अधिकार क्षेत्र में वह आयकर परिमण्डल, जिला वार्ड अथवा रेंज या उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो, इस अधिसूचना से लागू होने की तारीख से अधिकार क्षेत्र में उस आयकर

आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत की जाएगी और उसके द्वारा निपटई जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त वार्ड, परिमण्डल अथवा जिला अथवा रेंज या उसका कोई भाग अन्तर्गत किया गया है।

यह अधिसूचना 1-3-1987 से लागू होगी।

[सं. 7163 (फा. सं. 261/5/87-आ. का. न्या.)]

सुरेन्द्र पाल, अवर सचिव,

S.O. 1456.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 121 A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and notification No. 6400 (F.No. 261/12/85—ITJ dt. 30-8-85) as amended from time to time, the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Commissioner of Income-tax (Appeal)—IV Calcutta shall perform such functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or interest Tax in the Income-tax Wards, Circles Districts and Ranges specified in the corresponding entries in Column 2 and Column 3 thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in Clauses (a) to (h) of Sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, in sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax, Act, 1964 (7 of 1964) and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with provisions of clause (1) of Sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

Charge with Income-tax Wards Range of IAC
Headquarters and Circles

1	2	3
1. Commi- ssioner of Income-tax (Appeals) IV, Calcu- tta.	1. Comp. Dist.—IV (A to G Wards) 2. Co-operative Hou- sing Circles 3. Special Circle-II 4. Dist.—II(I) 5. Trust Circle. 6. Survey Circle I 7. Non Resident Cir- cle.	1. IAC Range—II 2. IAC Range—XII 3. IAC, Special R—II. 4. IAC Range—XX 5. IAC, Range-XXVI. 6. IAC, Asstt. Range- IV 7. IAC, Asstt. Range XIV 8. IAC, Survey Range I. 9 IAC, Asstt. Range V. 10. IAC, Asstt. Range-XV 11. IAC, Range I.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another charge, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Ward, Circle or District or Range or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from which that Income-tax Circle, District, Ward or Range or Part thereof is transferred shall, from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge to whom the said Ward, Circle, or District or Range or Part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-3-1987.

[No. 7163 (F. No. 261/5/87-ITJ)]

SURENDER PAUL, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का.आ. 1457.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स यूनिवर्सल इलेक्ट्रिक लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय 9/1, आर. एन. मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700001 में है, के उक्त अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 1691/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है :

[सं. 16/12/86-एम-3]

एल.सी. गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1457.—In pursuance of Sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Universal Electrics Limited having its registered Office at 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001 under the said Act (Certificate of Registration No.1691/84).

[No. 16/12/86-M.III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

राष्ट्र और नागरिक शक्ति मंत्रालय

(नागरिक शक्ति विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

का.आ. 1458.—भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के. आर. परमेश्वर को 3000 रु. प्रतिमाह (नियत) के पंजीवन पूर्व व्रतनमान में इसी समय से अगले आदेश होने तक भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक के पद पर नियुक्त करती है :

[निसिल सं. 6(4)/87-बी. आई. एस.]

डॉ. पी. खेत्रपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 1st June, 1987

S.O. 1458.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Central Government hereby appoints Shri K. R. Paramesvar as Director-General of the Bureau of Indian Standards with immediate effect in the pre-revised scale of pay of Rs. 3,000 p.m. (fixed) until further orders.

[File No. 6(4)/87-BIS]

O. P. KHETRAPAL, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का. आ. 1459.—दिनांक 23 जुलाई, 1986 के भारत के राजपत्र, असाधारण भाग III—खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 23 जुलाई, 1986 के का. आ.-435 (ड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सचिव, भारत सरकार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के ग्रुप महा-प्रबन्धक (तकनीकी) श्री ए. के. गुप्ता को दिनांक 18 जुलाई, 1986 के भारत के राजपत्र के भाग II—खण्ड 3-उपखण्ड (ii) में यथा प्रकाशित दिनांक 18 जुलाई 1986 के का. आ. 429 (ड.) में अधिसूचित निर्दिष्ट क्षेत्रों के अन्दर जहाजों के प्रवेश करने के लिए प्राधिकृत करने हेतु सक्षम अधिकारी के रूप में काम करने के लिए अधिसूचित करते हैं।

निर्दिष्ट क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति मांगने वाले जहाजों को वह कार्य निर्दिष्ट करता होगा जो उनके द्वारा किया जाता है।

[सं. ओ.-11026/3/81-ओ.एन.जी/डी ओ-1]

प्रकाश पारख, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1459.—In exercise of the powers conferred by S.O. 435(E) dated 23rd July, 1986 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated 23rd July, 1986, the Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas hereby notifies Shri A. K. Gupta, Group General Manager (Technical) of the Oil and Natural Gas Commission to act as the competent authority to authorise entry of ships within the designated areas notified in S.O. 429(E) dated 18th July, 1986, as published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 18th July, 1986.

The ships seeking permission to enter the designated areas will have to specify the task to be performed by them.

[No. O-11026/3/81-ONG/DO-1]

P. C. PARAKH, Director

का. आ. 1460.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंबई से पूना तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नक्चे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशय सक्षम प्राधिकारी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बंबई पूणे पाइप लाइन प्रोजेक्ट एच. पी. सी. डिपो आर. टी. ओ. आफिस के सामने आर. बी. एम. रोड, पूना-411001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति निर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी निधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पाइप लाइन वाघोली से तालुका हवेली, जिल्हा पुणे-महाराष्ट्र

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाघोली	2061, 2231	--	00-16-20
"	2073	--	00-05-40
"	2090	--	00-08-82
"	2217	--	00-12-24
"	2219, 2074	--	00-11-70
"	2231	--	00-05-40
"	2324	--	00-09-00

[सं. ओ-12016/35/87-ओ.एन.जी-डी 4]

S.O. 1460.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipe-line and that said Pipe-line is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended to herewith in schedule.

Now therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project H.P.C. Depot Opposite to R.T.O. Office, R.B.M. Road, Pune-411001.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipe Line at Village : WAGHOLI

Tahsil : Haveli, District : Pune. Maharashtra

Village	G.No.	Hissa No.	Area H. Arc.
Wagholi	2061, 2231	--	00-16-20
"	2073	--	00-05-40
"	2090	--	00-08-82
"	2217	--	00-12-24
"	2219, 2074	--	00-11-70
"	2231	--	00-05-40
"	2324	--	00-09-00

[No. O-12016/35/87-ONG-D4]

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

शुद्धि पत्र

का. आ. 1461.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 21-1-1984 पृष्ठ क्रमांक 177, 178 का. आ. संख्या 214 के अंतर्गत भारत सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या. O-12016/15/83 आई दिनांक 21-1-1984 के अंतर्गत पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन)—अधिनियम, 1962 कि धारा उपधारा के अधीन वर्णित गांव वाघोली तहसील हवेली जिला पूना महाराष्ट्र के अंतर्गत अधिसूचना में वर्णित भूमि में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 1 के बदले अनुसूची में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 2 में दी गई अनुसूची को पढ़ें।

निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि में पाईप लाइन बिछाने का प्रयोजन अलाइनमेंट बदलने से अब न रहा है। अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि धारा 6 के उपधारा (i) के अधिसूचना को अनुसूची से कम कर दी गई है।

अनुसूची

भाग-I

कॉलम 2 पढ़ें

कॉलम 1 के लिये

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल	गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाघोली	225/2065	—	00-10-80	वाघोली	225	का भाग	00-09-00
—”—	265—	2301 का और ग	00-51-18	—”—	265	”	00-73-00
—”—	266—			—”—	266		00-56-00
—”—	268/2327	—	00-53-82	—”—	268	”	00-61-00

भाग-II

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाघोली	224	का भाग	00-25-00
—”—	226	”	00-09-00
—”—	228	”	00-28-00
—”—	243	”	00-55-00
—”—	244	”	00-02-00
—”—	262	”	00-70-00
—”—	279	”	00-01-00
—”—	281	”	00-11-00
—”—	264	”	00-44-00

[सं. O-12016/15/83-प्रोड-I]

New Delhi, the 1st June, 1987

CORRIGENDUM

S.O. 1461.—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum & Natural Gas No. O-12016/15/83-prod. dated 21-1-1984 published under S.O. 214 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) at pages 177 and 178 and issued under Section 6 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of User in

Land) Act, 1962 in respect of village :—Wagholi, Tahsil:—Haveli, District:—Pune, Maharashtra, for the S. Nos./ G. Nos. and areas shown in column No. 1 of the Schedule appended to this Corrigendum, Please read the S. Nos. and areas shown in Column No. 2 of the said Schedule.

Lands mentioned in Part II of the appended Schedule however, do not come under the Pipeline Project and therefore, they are deleted from the Schedule appended to the Notification under section 6 Sub-Section (i) referred to above.

SCHEDULE

Read (Col-2)		PART-I		For (Col-1)	
Village	S. No. & Corresponding Gat No.	H.No.	Area	Village	S.No. H.No. Area H.A.C.
Wagholi	225/2065	—	00—10—80	Wagholi	226 Part 00—09—00
"	265/2301	—	00—51—18	"	265 " 00—73—00
"	266 A and C	—	—	"	266 " 00—56—00
"	268/2327	—	00—53—82	"	268 " 00—61—00

PART-II

Village	S. No.	Hissa No.	Area
Wagholi	224	Part	00—25—00
"	226	"	00—09—00
"	228	"	00—28—00
"	243	"	00—55—00
"	244	"	00—02—00
"	262	"	00—70—00
"	279	"	00—01—00
"	281	"	00—11—00
"	264	"	00—44—00

[No. O-12016/15/83-Prod. I]

शुद्धि पत्र

का.प्र. 1462.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 16-4-1983 पृष्ठ क्रमांक 1827, 1828 का.प्र. सख्या 12016/15/83 प्रोड के अंतर्गत भारत सरकार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 1858 दिनांक 16-4-1983 के अंतर्गत पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रजन) अधिनियम, 1962 की धारा 3 की उपधारा (i) के अधीन बंणित गांव वाघोली तहसील हवेली जिला पूना महाराष्ट्र के अंतर्गत अधिसूचना में बंणित भूमि में खसरा नम्बर, हिस्सा नंबर, क्षेत्रफल कॉलम के 1 के बढने अनुसूचना में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 2 में दी गई अनुसूची को पढ़ें।

निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में बंणित भूमि में पाईप लाइन बिछाने का प्रयोजन अलाईमेंट बदलने से भ्रम न रहा है। अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में बंणित भूमि, धारा 3 के उपधारा (i) के अधिसूचना को अनुसूची से कम कर दी गई है।

अनुसूची

भाग I

कॉलम 2 पढ़ें

कॉलम 1 के लिये

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल	गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाघोली	225/2065	—	00-10-80	वाघोली	225	का भाग	00-09-00
"	265/2301	—	—	"	265	"	00-73-00
"	266 A और C	—	00-51-18	"	266	"	00-56-00
"	268/2327	—	00-53-82	"	268	"	00-61-00

भाग-II

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाघोली	224	का भाग	00-25-00
"	226	"	00-09-00
"	228	"	00-28-00
"	243	"	00-55-00
"	244	"	00-02-00
"	262	"	00-70-00
"	279	"	00-01-00
"	281	"	00-11-00
"	264	"	00-44-00

[सं. O-12016/15/83-प्रोड]

पी. के. राजगोपालन, डीस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

S.O. 1462—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum & Natural Gas No. 12016/15/83/prod. dated, 16-4-1983 published under S.O. No. 1858 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 1827 and 1828 and issued under Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 in respect village :—Wagholi.

Tehsil :—Taveli, District:—Pune, Maharashtra, for the S. Nos./ G. Nos. and areas shown in Column No. 1 of the schedule appended to this Corrigendum, please read the S. Nos., G. Nos. and areas shown in Column No. 2 of the said Schedule.

Lands mentioned in Part II of the appended Schedule, however, do not come under the pipeline Project and therefore they are deleted from the schedule appended to the Notification under section 3 Sub-Section (i) referred to above.

SCHEDULE

Read (Col. No. 2)				PART-I				For (Col. No. 1)			
Village	S. No. & corresponding Gat. No.	H.No.	Area H.A.C.	Village	S.No.	H.No.	Area H.A.C.	Village	S.No.	H.No.	Area H.A.C.
Wagholi	225/2065	—	00—10—80	Wagholi	225	Part	00—09—00	Wagholi	225	Part	00—09—00
"	265 J 2301	—	00—51—18	"	265	"	00—73—00	"	265	"	00—73—00
"	266 J A and C	—	00—53—82	"	266	"	00—56—00	"	266	"	00—56—00
"	268/2327	—	00—53—82	"	268	"	00—61—00	"	268	"	00—61—00

PART-II

Village	S.No.	Hissa No.	Area
Wagholi	224	Part	00—25—00
"	226	"	00—09—00
"	228	"	00—28—00
"	243	"	00—55—00
"	244	"	00—02—00
"	262	"	00—70—00
"	279	"	00—01—00
"	281	"	00—11—00
"	264	"	00—44—00

[No. O-12016/15/83-Prod.]

P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 मई, 1987

का.आ. 1463 :—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 के 61) के खंड 4 के उपखंड (3) की धारा (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एस. मुनीराजू को 3 वर्ष की अवधि के लिए (अर्थात् 27 मई 1990 तक) केन्द्रीय रेशम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है और एतद्वारा भारत सरकार के आपूर्ति एवं वस्त्र मंत्रालय (वस्त्र विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 517(ड) दिनांक 9 जुलाई 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

कथित अधिसूचना में "सदस्यों" की सूची से पूर्व निम्नलिखित पंक्ति जोड़ी जाए :—

अध्यक्ष

श्री एस. मुनीराजू,

[काइल संख्या 25012/9/85-रेशम]

रेचल चटर्जी, संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

MINISTRY OF TEXTILE

New Delhi, the 28th May, 1987

S.O. 1463.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri S. Muniraju as Chairman of the Central Silk Board for a period of 3 years i.e. upto 27th May, 1990 and hereby makes the following further amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Supply and Textiles (Department of Textiles) No. S.O. 517(E) dated 9-7-85, namely :—

In the said Notification before the entry "Members", the following entry shall be inserted, namely :—

"Chairman"

Shri S. Muniraju

[F. No. 25012/9/85-Silk]

RACHEL CHATTERJEE, Jt. Development Commissioner (Handlooms)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का.प्रा. 1464 :—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अश्रुविहीन अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 23 सितम्बर, 1978 में प्रकाशित भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (इस्पात विभाग) की अधिसूचना सं. का.प्रा. 2758 तारीख 20 सितम्बर, 1978 को उन बातों के विषय अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या लोप किया जाना है, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार के राजपत्रित अधिकारियों की पंक्ति के समानुव्य अधिकारी होने के कारण, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे निर्देश देती है कि उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रयोगों की बाबत, अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारियों के पदनाम सरकारी स्थानों प्रयोग और अधिधिकार की स्थानीय सीमाएं

1	2
महायुक्त कामिक प्रबन्धक मेटालर्जिकल एण्ड इंजी- नियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड, रांची	रांची (बिहार) जिले के रांची नगर निगम की अधिकारिता के भीतर डोरान्डा स्थित मेटालर्जिकल एण्ड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड के और उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन परिसर और रांची नगर निगम भिला रांची (बिहार) की अधिकारिता के भीतर डोरान्डा स्थित राज्य सरकार के वे परिसर जो मेटालर्जिकल एण्ड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन रखे गये हैं।

[फा.सं. 32 (31)/85-एच.एस.एम]

राज प्रकाश पुरी, प्रमुख सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(Department of Steel)

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O. 1464.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel) No. SO 2758, dated the 20th September 1978, published in the Gazette of India Part II, Section 3 Sub section (ii), dated the 23rd September, 1978 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer equivalent to the rank of gazetted officers of the Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on Estate Officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction, in respect of the categories of public premises specified in column (2) of the said Table.

353 61/87—2

THE TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdictions
(1)	(2)
Assistant Personnel Manager, Metallurgical and Engineering Consultants (India) Limited, Ranchi.	Premises belonging to and under the administrative control of Metallurgical and Engineering Consultants (India) Ltd., situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and the premises belonging to the State Government situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and placed under the administrative control of Metallurgical and Engineering Consultants (India) Limited.

[File No. 32(31)/85-HSM]

R. P. PURI, Under Secy.

नगर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

का.प्रा. 1465 :—अन्तराष्ट्रीय विमान पवन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 की धारा 3 की उपधारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को तत्काल से ही, भारत अन्तराष्ट्रीय विमान पवन प्राधिकरण के बोर्ड के प्रशासनिक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है :—

- (1) कैप्टन डी. बोग के स्थान पर श्री राजन जेतवी, प्रबंध निदेशक, एयर इंडिया।
- (2) कैप्टन के. चड्ढा के स्थान पर श्री जी.टी. पैस, प्रबंध निदेशक, इंडियन एयरलाइन्स।

उपरोक्त अधिकारियों के कार्यकाल की अवधि 3 वर्ष प्रथम वर्तमान पद त्याग दिए जाने की तारीख तक, जो भी पहले हो, होगी।

[सं. एबी-24012/1/87-एए (वित्त-II)]

श्रीमती अरुणा माखन, वित्त नियंत्रक

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st May, 1987

S.O. 1465.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3 of Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971, the Central Government hereby appoint the following officers as part-time Member of the Board of International Airports Authority of India with immediate effect—

- (i) Shri Rajan Jatley, Managing Director, Air India vice Capt D. Bose.
- (ii) Shri G. T. Pais, Managing Director, Indian Airlines vice Capt. K. Chadha.

The tenure of the above officers will be for a period of 3 years or till the date of demitting the present office whichever is earlier.

[No. AV. 24012/1/87-AA.(F. II)]

Mrs ARUNA MAKHAN, Financial Controller

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 मई, 1987

का.प्रा. 1466:—केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के साथ परामर्श करने के बाद एतद्वारा निदेश देती है कि श्री लंका विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त "आयुर्विज्ञान स्नातक और शल्य चिकित्सा स्नातक" चिकित्सीय ग्रहता उक्त अधिनियम, के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी होने की तारीख से मान्यता प्राप्त ग्रहता होगी।

[संख्या बी. 11016/9/84-एम.ई. (पी)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 25th May, 1987

S.O. 1466.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India hereby directs that the medical qualification 'Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery' granted by the University of Sri Lanka, shall be a recognised medical qualification from the date of issue of this notification in the Official Gazette, for the purposes of the said Act.

[No. V. 11016/9/84-ME(P)]

का.प्रा. 1467:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्धा के अनुसरण में आचार्य मेहरी हसन, प्रधानाचार्य जे.एन. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कोर्ट द्वारा इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 138 (संख्या 5-13/59-एम 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 42 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"42 आचार्य मेहरी हसन

प्रधानाचार्य जे.एन. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय,

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

[संख्या बी. 11013/5/87-एम.ई. (पी)]

S.O. 1467.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Prof. Mahdi Hasan, Principal, (J.N. Medical College Aligarh) has been elected by the Court of Aligarh Muslim University to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of the Notification,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 42 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

42. Professor Mahdi Hasan,
Principal, J.N. Medical College,
Aligarh Muslim University,
Aligarh.

[No. V. 11013/5/87-ME(P)]

का.प्रा. 1468:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में डा० जे.एस. आनन्द संकायाध्यक्ष एम.पी. शाह आयुर्विज्ञान महाविद्यालय जामनगर को, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 138 (संख्या 5-13/59 एम 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड ख के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 37 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"37 डा. जे.एस. आनन्द,

संकायाध्यक्ष एम.पी. शाह आयुर्विज्ञान महाविद्यालय,
जामनगर।"

[संख्या बी.-11013/6/87-एम.ई. (पी)]

S.O. 1468.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. J. S. Anand, Dean, M. P. Shah Medical College, Jamnagar has been elected by the Senate of University of Saurashtra to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59 MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said Notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 37 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"37. Dr. J. S. Anand, Dean
M.P. Shah Medical College,
Jamnagar."

[No. V. 11013/6/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.प्रा. 1469:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में, डा. वेद प्रकाश मिश्र को रायपुर विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा, इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 138 (संख्या 5-13/59-एम-1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 18 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"16 डा. वेद प्रकाश मिश्र,
17-पोस्टल ऑडिट कॉलोनी,
पारुपनगर, नागपुर।"

[संख्या बी. 11013/7/87-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1469.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Ved Prakash Mishra has been elected by the Senate of University of Nagpur University to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 16 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"16. Dr. Ved Prakash Mishra,
17-Postal Audit Colony,
Parupnagar, Nagpur."

[No. V. 11013/7/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का.प्रा. 1470:—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श करने के पश्चात् निदेश देती है कि आफता विषयविशालय, श्रीलंका द्वारा प्रदत्त "आयुर्विज्ञान स्नातक और शल्य-चिकित्सा स्नातक" चिकित्सीय अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए मान्यता प्राप्त चिकित्सीय अर्हता होगी।

[संख्या बी. 11016/17/85-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O. 1470.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the Medical qualification "M.B.B.S." granted by University of Jaffna, Sri Lanka shall be recognised medical qualification for the purposes of that Act.

[No. V. 11016/17/85-ME(P)]

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का.प्रा. 1471:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसरण में और मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से डा. टी.पी. शर्मा, निदेशक लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को, इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 138 (संख्या 5-13/59-एम 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 8 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात्:—

"8 डा. टी.पी. शर्मा,
निदेशक, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग,
मध्य प्रदेश।"

[संख्या बी. 11013/9/87-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1471.—Whereas in pursuance of the provision of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Madhya Pradesh have nominated Dr. T. P. Sharma, Director, Public Health and F. W. to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of the Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (a) of sub-section (1) of section 3" for serial number 8 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"8. Dr. T. P. Sharma,
Director, Public Health & F.W.
Madhya Pradesh

[No. V. 11013/9/87-ME(P)]

का.प्रा. 1472:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसरण में, और मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से डा. सी.एस. भास्करन, निदेशक, आयुर्विज्ञान शिक्षा और मध्य प्रदेश का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट "शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 7 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"डा. सी.एस. भास्करन,
निदेशक, आयुर्विज्ञान शिक्षा, मध्य प्रदेश,
हैदराबाद।"

[संख्या बी. 11013/2/87-एम.ई. (पी.)]

शिव बाल, उपाय सचिव

S.O. 1472.—Whereas in pursuance of the provision of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and with the consultation with the Government of Andhra Pradesh have nominated Dr. C. S. Bhaskaran, Director of Medical Education, Andhra Pradesh to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960 :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3" for serial number 7 and that entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"7. Dr. C. S. Bhaskaran,
Director of Medical Education,
Andhra Pradesh, Hyderabad."

[No. V. 11013/2/87-ME(P)]

SHIV DAYAL, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

भाष्य

का. आ. 1473.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. बी. 11016/7/83—एम. ई. (पो.), तारीख 9 जुलाई, 1984 द्वारा निदेश दिया है कि वेम्स विश्वविद्यालय (यूनाइटेड किंगडम) द्वारा प्रदत्त एम. बी. बी. एस. चिकित्सा ग्रहता भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 के प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त चिकित्सा ग्रहता होगी।

और डा. कुमारी सिन्धिया रथ बटलिन, जो उक्त ग्रहता रखती हैं, तत्समय पूर्व कार्य के प्रयोजनार्थ रिचर्डसन कुष्ठ अस्पताल, मिराज महाराष्ट्र से संबद्ध हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परंतुक के खंड (ग) के अनुसरण में :—

(1) दो वर्ष की अवधि, या

(2) बड़ अवधि, जिसके दौरान डा. कुमारी सिन्धिया रथ बटलिन उक्त रिचर्डसन कुष्ठ अस्पताल, मिराज, महाराष्ट्र से संबद्ध रहती हैं।

इसमें से जो भी लघुतर हो, उस अवधि के रूप में, जिस तक पूर्वोक्त वाक्य द्वारा चिकित्सा ध्येय समित होगा, विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. बी. 11016/2/87—एम. ई. (पो)]

प्रार. श्रीनिवासन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1987

ORDER

S.O. 1473.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health bearing number V. 11016/7/83-ME(P) dated the 9th July, 1984, the Central Government has directed that the medical qualification M.B.B.Ch. granted by the University of Wales (United Kingdom) shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956.

And, whereas, Dr. Miss Gynthia Ruth Butlin who possesses the said qualification is for the time being attached to the Richardson Leprosy Hospital, Miraj, Maharashtra for the purpose of charitable work:—

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies:—

(i) A period of two years or

(ii) the period during which Dr. Miss Gynthia Ruth Butlin is attached to the said Richardson Leprosy Hospital, Miraj, Maharashtra whichever is shorter as the period to which the medical practice by the aforesaid Dr. shall be limited.

[No. V. 11016/2/87-ME(P)]

R. SRINIVASAN, Under Secy.

अर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

का. आ. 1474.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला विभाग की अधिसूचना सं. का. आ. 1482, तारीख 31-3-86 जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 12 अप्रैल, 1986 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 604.04 एकड़ (लगभग) या 244.446 हेक्टेयर (लगभग) भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दे दी थी।

और पूर्वोक्त परिक्षेत्र में भूमि के अर्जन के बारे में कोई आशय नहीं किया गया।

और केन्द्रीय सरकार का, बिहार सरकार में परामर्श करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 604.04 एकड़ (लगभग) या 244.446 हेक्टेयर (लगभग) भूमि का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 604.04 एकड़ (लगभग) 244.446 हेक्टेयर (लगभग) भूमि का अर्जन किया जाना है। इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के चेक्का का निरीक्षण उपायुक्त, गोड्डा (बिहार) के कार्यालय में या कोयला निर्यतक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, फलकला के कार्यालय में या ईस्टन कोलफील्ड्स लि., सेंटोरिया हा. घर बिस्नेस, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची
राजमहल कोयला क्षेत्र
रेखांक सं० एम० डी०/1952
तारीख 19-6-1985
(अर्जित की गई भूमि को वसित करने वाला)

सभी अधिकार

ब्लॉक सं० 1

क्र० सं.	मौजा नाम का नाम	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	तेलगामा	39	बी डब्ल्यू मिमरा-1	गोड्डा	36.87	भाग
2.	चित्रा कोठी	38	यथोक्त	यथोक्त	16.10	भाग
3.	घाट नीमा	37	यथोक्त	यथोक्त	14.83	भाग
4.	नीमकला	41	यथोक्त	यथोक्त	30.37	भाग

कुल 98.17 एकड़ (लगभग)

या 39.75 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा तेलगामा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

590, 592, 593, 595, 606, 615, 616, 625, 626, 630 से
632, 641, 783 से 800, 802, 804 से 918.

2. मौजा चित्राकोठी में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

288 से 314, 316 से 327, 329 (भाग) और 330, 333

3. मौजा घाट नीमा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 7, 23 से 84, 86 से 93, और 129 (भाग)

4. मौजा नीमकला में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 12, 14 से 76 और 119 से 124

सीमा वर्णन रेखा, मौजा तेलगामा के प्लॉट संख्यांक 635, 633, 629, 627, 624, 617, 614, 607, 605, 596, 594, 591, 589 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ चलकर प्लॉट सं. 918 से होकर प्लॉट सं. 910 की उत्तरी सीमा के साथ जाती है और प्लॉट सं. 920 की दक्षिणी सीमा के एक भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क2" पर मिलती है।

क2-क3-क4. रेखा, मौजा तेलगामा के प्लॉट सं. 918 से होकर प्लॉट सं. 917, 914, 896, 895, 894, 892 की पूर्वी सीमा के साथ साथ चलकर मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 124, 123, 121, 120, 119, 8, 9 की पूर्वी सीमा के साथ साथ, प्लॉट सं. 9, 10, 11, 12 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 16 की पूर्वी सीमा के साथ के साथ प्लॉट सं. 14, 33, और 34 की पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क4" पर मिलती है।

क4-क5-क6: रेखा मौजा घाट नीमा के प्लॉट सं. 7, 6 की पूर्वी सीमाओं के साथ साथ प्लॉट सं. 37 की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं के साथ साथ प्लॉट सं. 33 के उत्तरी और पूर्वी सीमा के भाग के साथ साथ प्लॉट सं. 20 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ

प्लॉट सं. 21 के भाग पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ साथ फिर प्लॉट सं. 85 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क6" पर मिलती है।

क6-क7-क8: रेखा, मौजा घाटनीमा के प्लॉट सं. 86, 87, 129, 88, 89, 90, 92 और 93 की दक्षिणी सीमाओं के साथ साथ फिर मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 76, 70, 63, 56, और 55 की दक्षिणी सीमाओं के साथ साथ, मौजा चित्राकोठी के प्लॉट सं. 327 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 329 से होकर प्लॉट सं. 334 के दक्षिणी भाग और पश्चिमी सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 333 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क-8" पर मिलती है।

क8-क9-क1: रेखा, मौजा चित्राकोठी के प्लॉट सं. 333, 332, 321, 318, 317, 316, 313, 314, 290, 289 और 288 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ चलकर प्लॉट सं. 288, 292 की उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लॉट सं. 294, 296 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है फिर मौजा तेलगामा के प्लॉट सं. 792, 791, 790 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ होकर प्लॉट सं. 788 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लॉट सं. 781 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ साथ, चलती हुई प्लॉट सं. 784 की भाग पश्चिमी सीमा के साथ साथ होकर प्लॉट सं. 783 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 800, 802, 804 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ और फिर प्लॉट सं. 918 की भाग उत्तरी सीमा के साथ साथ और उसमें से होकर प्लॉट सं. 641 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क-1" पर मिलती है।

सभी अधिकार

ब्लॉक सं० 12

क्र सं०	मौजा का नाम	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1	नीमकला	41	बी डब्ल्यू मिमरा-1	गोड्डा	13.05	भाग
2	सुमारसारी	36	यथोक्त	यथोक्त	1.98	भाग

कुल 15.03 एकड़ (लगभग)

या 6.09 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा नीमकला में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

359, 261, 267 से 270, 272, 273, 276 से 278, 282, 264, 293 से 298, 316, 324, 325, 327 से 338, 359 से 363, 364 (भाग), 365 से 397, 398 (भाग), 390, 400, 405 से 408, 421 से 425, 463, 464, 466, 467, 475 से 477, 484, 358, 754, 90 (भाग), और 378/761।

2. मौजा सुभारमारी में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

1 (भाग), 35, 37 से 52, 123, 124 और 125

सीमा वर्णन :

ख 1-ख 2 रेखा, मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 258 के दक्षिणी पश्चिम कोने से प्रारम्भ होती है और प्लॉट सं. 258, 260, 262, 263, 265, 266, 271, 274, 275, 279, 280, 281, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 402, 403, 404, 410, 409, 417, 418, 419, 420, 426, 461, 462, 465, 468, 469, 470, 473, 478, 483 और 486 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख 2" पर मिलती है।

ख 2-ख 3-ख 4 रेखा, मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 487 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर मौजा सुभारमारी के प्लॉट सं. 1 से होकर और प्लॉट सं. 34 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं. 36 की

उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 63 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 62 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 61, 59, 53 की उत्तरी पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 121, 122 की पश्चिमी सीमा फिर प्लॉट सं. 126 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख 4" पर मिलती है।

ख 4-ख 5-ख 6 : रेखा मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 364 से होकर, प्लॉट सं. 364 की पश्चिमी सीमा के साथ फिर प्लॉट सं. 353, 354 के साथ-साथ प्लॉट सं. 358 की पूर्वी और उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ आरंभ है, फिर प्लॉट सं. 340, 339, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लॉट सं. 334 से होकर, प्लॉट सं. 323 और 320 की उत्तरी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ख 6" पर मिलती है।

ख 6-ख 1 : रेखा प्लॉट सं. 326 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं. 317 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 315 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लॉट सं. 90 से होकर, प्लॉट सं. 256 की पूर्वी सीमा और प्लॉट सं. 257 की भाग पश्चिमी-पूर्वी सीमा से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "ख 1" पर मिलती है।

घनसूची

ब्लॉक सं. 3

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (भाग)	धाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	नीमकला	41	बी० डब्ल्यू सिमरा-1	गोड्डा	2.40	भाग
2.	सुभारमारी	36	यथोक्त	गोड्डा	26.23	भाग
3.	हिजुकीला	43	यथोक्त	गोड्डा	50.27	भाग
कुल 78.90 एकड़ (लगभग)						
या 31.84 हैक्टर (लगभग)						

1. मौजा नीमकला में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

751 और 686/759

2. मौजा सुभारमारी में अर्जित किए गए प्लॉट सं. :

1 (भाग), 2 से 11, 13, 14, 80 से 116, 131 से 134, 157 से 172 और 181 से 184।

3. मौजा हिजुकीला में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

1 से 151, 222 से 226, 235, 269 से 308, 418 से 423, 425, 430, 431, 439 से 449, 505, 506, 514, 515 से 517 और 514/609।

सीमा वर्णन :

ग 1-ग 2 : रेखा मौजा नीमकला के प्लॉट सं. 197, 500, 501, 502, 656, 657, 658, 661, 662, 663, 665, 666, 667, 671, 673, 674, 755, 674, 676, 677, 686, 693, 687, 749 और 750 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 2" पर मिलती है।

ग 2-ग 3 : रेखा, मौजा हिजुकीला में, गोड्डा, पीरपैती मार्ग के भाग पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 3" पर मिलती है।

ग 3-ग 4 :

रेखा, मौजा हिजुकीला के प्लॉट सं. 313 के गोड्डा पीरपैती मार्ग और दक्षिणी सीमा से होकर जाती है फिर मौजा हिजुकीला के प्लॉट सं. 312, 311, 310, 326, 327, 417, 418, 415 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं. 424, 426 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं. 429, 432, 433, 436, 461, 460, 450, 451, 452, 504, 503 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ और प्लॉट सं. 490 की दक्षिणी पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 4" पर मिलती है।

ग 4-ग 5-ग 6 : रेखा, मौजा हिजुकीला के प्लॉट सं. 606, 507, 508, 512, की पश्चिमी सीमा से होकर प्लॉट सं. 549, 518, 268, 263, 262, 236, 228 219, 221 की उत्तरी सीमा से होकर प्लॉट सं. 159 के निकट की सड़क को पार करती है, प्लॉट सं. 158, 157, 153, 151 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 6" पर मिलती है।

उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लेट सं. 119, 118 की पूर्वी सीमा सं. 117 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा प्लेट सं. 67, 68 की पूर्वी सीमा, प्लेट सं. 70 की दक्षिणी सीमा, प्लेट सं. 71, 78, 79, 92 की पूर्वी सीमा, प्लेट सं. 21 की दक्षिणी सीमा, प्लेट सं. 15 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लेट सं. 10 की पूर्वी सीमा, प्लेट सं. 12 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और तब प्लेट सं. 1 से होकर जाती है और झारखंड बिन्दु "ग 1" पर मिलती है।

व्याक सं० ४

क्र० सं०	सीता का नाम (प्राप्त)	शान्ता सं०	पुलिस स्टेशन (बाता)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	बड़ा भिमरा	33	बी बल्क्यू सिमरा-1	गोड्डा	123.90	भाग
					कुल 123.90 एकड़ (लगभग)	
					या 50.16 हेक्टर (लगभग)	

घ- 5-य 6-य 1: रेखा, मौजा बड़ा सिमरा के प्लाट सं. 683, 679 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 678, 499 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 498, 602, 493 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 489 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 488, 486 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 462, 453, 437, 439 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 434 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 443 की पूर्वी-सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लाट सं. 425 से होकर, प्लाट सं. 424 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 423 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 422 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 417 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 416 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 411, 415, 412, 347, 349, 350, 351 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक दिष्ट "घ 1" पर मिलती है।

अध्याय सं० ५

क्र० सं०	मीठा का नाम (ग्राम)	धाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	दिप्पनियां
1.	छोटा गिबरा	34	श्री बन्धू गिबरा-1	गोड्डा	4.27	भाग
					कुल 4.27 एकड़ (लगभग)	
					या 1.73 हैक्टर (लगभग)	

1. मौजा छोटा सिमरा में अंजित किए गए प्लॉट सं.

101, 102, 112, 113, 118 से 122, 128 से 132, 133 (भाग), 134 (भाग), 140 (भाग), 141 (भाग), 142 से 144 और 161.

सीमा वर्णन:

क-1-क-2-क-3: रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं. 124, 127 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं. 125 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है, प्लॉट सं. 143, 147 से होकर, प्लॉट सं. 160 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, फिर प्लॉट सं. 165

की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क 3" पर मिलती है।

क-3-क-4-क-1: रेखा, प्लॉट सं. 162 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं. 140, 141, 134, 133 से होकर प्लॉट सं. 117, 115, 114, 111 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं. 103, 98 की पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 99, 100 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 123 की पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क 1" पर मिलती है।

धनुसुची

प्लॉट सं. 6

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (भाग)	प्लॉट सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	छोटा सिमरा	34	बी० इरुगुम० सिमरा-1	गोड्डा	96.12	भाग
कुल 96 12 एकड़ (लगभग)						
या 38 91 हेक्टर (लगभग)						

1. मौजा छोटा सिमरा में अंजित किए गए प्लॉट सं०

223 से 231, 236 से 242, 246 से 258, 270 से 274, 284, 296 से 312, 321, 468 से 471, 476 से 482, 494 से 504, 505 (भाग) 517 (भाग), 547 (भाग), 548 से 551, 554 से 583, 586 से 591, 593 से 645, 646 (भाग), 647 (भाग), 556/694 (भाग), 555/696 (भाग), 648 (भाग), 656 (भाग), 657 (भाग), 658 (भाग), 659, 662 और 663 से 692।

सीमा वर्णन:

क-1-क-2 रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं० 321, 295, 294, 293, 285, 283, 275, 269, 259, 245, 243, 235, 232, 222, 221 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क 2" पर मिलती है।

क-2-क-3-क-4 रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं० 218, 217, 216, 210, 214 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 648, 647, 646, 651, से होकर, प्लॉट सं० 695 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 656, 657 से होकर, प्लॉट सं० 657 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 694 की पश्चिमी सीमा के भाग के साथ-साथ, फिर प्लॉट सं० 681 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा छोटा सिमरा और बड़ा सिमरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ और मौजा बड़ा सिमरा/छोटा सिमरा और पहाड़पुर के त्रिसंगम पर बिन्दु "क 4" पर मिलती है।

क-4-क-5

रेखा, पहाड़पुर और छोटा सिमरा की सम्मिलित सीमा के साथ जाती है और पहाड़पुर, छोटा सिमरा और सेतरिया के बीच के त्रिसंगम स्थान पर बिन्दु "क 5" पर मिलती है।

क-5-क-6

रेखा सेतरिया और छोटा सिमरा के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाकर गोड्डा गोरक्षी मार्ग (प्लॉट सं० 684) को पार करती है और मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं० 553 की पूर्वी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चक्की है और प्लॉट सं० 552 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क 6" पर मिलती है।

क-6-क-1

रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं० 547 से होकर प्लॉट सं० 546 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 584 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं० 585, 528 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 518 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और तब प्लॉट सं० 517 से होकर प्लॉट सं० 518 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 592 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 508 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 505 से होकर, प्लॉट सं० 493 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 492, 485, 483 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं० 475, 474, 472, 467 की दक्षिणी सीमा से होकर चक्की (प्लॉट सं० 656) पार करती है, प्लॉट सं० 313, 315, 318, 320 की दक्षिणी सीमा से जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क 1" पर मिलती है।

अनुसूची
ब्लॉक सं० VII

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	तेतरिया	709	महागामा	गोड्डा	7.16	भाग
2.	भकासनी	705	यथोक्त	यथोक्त	19.20	भाग
3.	छोटा सिमरा	34	बी० डब्ल्यू० सिमरा-I	यथोक्त	16.62	भाग
4.	केंबुघा	30	यथोक्त	यथोक्त	62.74	भाग
5.	तेतरिया	31	यथोक्त	यथोक्त	13.75	भाग
6.	कुशमाहा	708	महागामा	यथोक्त	15.52	भाग
7.	घाट सिमराछित	35	बी० डब्ल्यू० सिमरा-I	यथोक्त	3.77	सम्पूर्ण
8.	केंबुघाकित्ता	707	महागामा	यथोक्त	1.98	भाग
कुल 140.74 एकड़ (लगभग)						या 56.98 हैक्टर (लगभग)

1. मौजा तेतरिया में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	सीमा वर्णन :
1 से 16, 18, 27(भाग), 42, 43, 44(भाग), 45 और 41 से 52।	छ1-छ2-छ3 रेखा; मौजा केंबुघा के प्लॉट सं० 33, 53, 79, 81 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं० 80 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ3" पर मिलती है।
2. मौजा भकासनी में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	छ3-छ4 रेखा, मौजा छोटा सिमरा और केंबुघा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा केंबुघा के प्लॉट सं० 211 की उत्तरी सीमा पर बिन्दु "छ4" पर मिलती है।
38 (भाग), 39 से 61, 95 से 101 (भाग), 88(भाग) 90(भाग), 91 (भाग), 94 (भाग), 102 (भाग), 104 (भाग), 105 (भाग), 108 (भाग), और 109 (भाग)।	छ4-छ5-छ6 रेखा मौजा छोटा सिमरा के प्लॉट सं० 53 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 65, 64 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं० 61 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा प्लॉट सं० 330 की उत्तरी सीमा प्लॉट सं० 332, 456 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लॉट सं० 455 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं० 454 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं० 365 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं० 363 की उत्तरी सीमा से होकर और प्लॉट सं० 362 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 370, 373 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ6" पर मिलती है।
3. मौजा छोटा सिमरा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
54 से 60, 333 से 361, 371 और 372.	
4. मौजा केंबुघा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
41 से 52, 82 से 216, 153/217, 122/218 और 182/219.	
5. मौजा तेतरिया में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
1 से 45.	
6. मौजा कुशमाहा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
2 (भाग), 3 4, 5 (भाग), 12 (भाग), 13 (भाग), 14, 15, 16, 17, 18 (भाग), 21, 23 से 55, 56 (भाग), 57 (भाग) और 58 (भाग)।	
7. मौजा घाट सिमरा छित में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
143 से 147, 144/149, 144/150, 146/151 और 145/153.	छ6-छ7 रेखा, मौजा तेतरिया, (थाना सं० 31) के प्लॉट सं० 55, 56, 53, 48, 47, 46 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 54, 53, 41 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 44 से होकर मौजा तेतरिया (थाना सं० 709) के प्लॉट सं० 17 की
8. मौजा केंबुघाकित्ता में अर्जित किए गए प्लॉट सं०	
9 से 14.	

उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं० 19, 25 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं० 21 से होकर जाती है और बिन्दु "छ 7" पर मिलती है।

छ7-छ8-छ9 : रेखा, मौजा कुशमाहा के प्लॉट सं० 58, 57, 56 से होकर जाती है और मौजा कुशमाहा और अकासनी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ 9" पर मिलती है।

छ9-छ10 : रेखा, मौजा कुशमाहा के प्लॉट सं० 22, 60 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 18, 12, 13, 5 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं० 2, 1 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ 10" पर मिलती है।

छ10-छ11-छ12-छ13 : रेखा, मौजा अकासनी के प्लॉट सं० 94, 102, 90, 104, 105, 108, 109 से होकर, फिर महागामा

और अकासनी मौजों के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा महागामा, बलाधिकृतिता और अकासनी के बीच के त्रिसंगम बिन्दु "छ 12" पर मिलती है और फिर मौजा अकासनी के प्लॉट सं० 109, 88, 104, 90, 91, 94 से होकर प्लॉट सं० 94 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लॉट सं० 62 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लॉट सं० 38 से होकर जाती है और बिन्दु "छ 13" पर मिलती है।

छ13-छ1 : रेखा मौजा केन्दुमाकिस्ता और अकासनी के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा केन्दुमा के प्लॉट सं० 40, 49 की पूर्वी सीमा और प्लॉट सं० 38 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "छ 1" पर मिलती है।

धनुसूची
ब्लॉक सं० 8

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	महागामा	700	महागामा	गोड्डा	4.18	भाग
						कुल 4.18 एकड़ (लगभग) या 1.69 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा महागामा में अर्जित किए गए प्लॉट सं०

253, 254, 255 (भाग), 1077 (भाग), 1080 (भाग), 1081 (भाग), 1082 (भाग), 1019 (भाग), 1083 (भाग), 1084 (भाग), 1095 (भाग), 1098 (भाग), 1099 (भाग), 1100 और 1101 (भाग)।

सीमा वर्णन :

अ1-अ2-अ3 : रेखा, मौजा महागामा के प्लॉट सं० 252 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ और प्लॉट सं० 92 की

पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और फिर प्लॉट सं० 254, 1101, 1098, 1080, 1095, 1082, 1084, 1083 से होकर जाती है और बिन्दु "अ 3" पर मिलती है।

अ3-अ4-अ1 : रेखा, मौजा महागामा के प्लॉट सं० 1018 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और तब प्लॉट सं० 1019, 1083, 1081, 1082, 1080, 1077, 1099, 253 से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "अ 1" पर मिलती है।

धनुसूची
ब्लॉक सं० 11

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	लटरिया	690	महागामा	गोड्डा	42.73	भाग
						कुल 42.73 एकड़ (लगभग) या 13.30 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा लटरिया में अर्जित किए गए प्लॉट सं०

1 से 13, 33 से 56 और 59.

सीमा वर्णन :

अ1-अ2 : रेखा मौजा लटरिया और मुखेश्वर की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है, फिर मौजा लटरिया के प्लॉट सं० 16, 15, 14, 23, 24, 32, 31, 94 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "अ 2" पर मिलती है।

अ2-अ3 : रेखा, मौजा लटरिया के प्लॉट सं० 86, 85, 57, 58, 60, 65, 66, 68, 69 की पश्चिमी सीमा

के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "अ 3" पर मिलती है।

अ3-अ4 : रेखा, लटरिया और मोथिन्दपुर के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "अ 4" पर मिलती है।

अ4-अ1 : रेखा, मौजा गुडिया की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "अ 1" पर मिलती है।

[सं० 43015/20/85-सी०ए०]

MINISTRY OF ENERGY
(Department of Coal)

New Delhi, the 12th May, 1987

S.O. 1474—Whereas by the notification of the Government of India in the (Department of Coal) No. S.O. 1482 dated 31-3-86 under section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India under Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 12th April, 1986 the Central Government gave notice of the intention to acquire the lands measuring 604.04 acres (Approximately) or 244.446 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas no objection was made to the acquisition of the lands in the locality aforesaid:

And whereas the Central Government after consulting the Government of Bihar is satisfied that the lands measuring 604.04 acres (approximately) or 244.446 hectares (Approximately) described in the schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 604.94 (approximately) or 244.446 hectares (Approximately) described in the schedule appended hereto are hereby acquire. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Godda (Bihar) or in the office of the Coal Controller, I, Council House Street, Calcutta or in the office of the Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O.Disheregarh, District Burdwan (West Bengal).

SCHEDULE

RAJMAHAL COALFIELDS

Drawing No. SD/1952

Dated : 10-6-85,

All Rights

BLOCK NO. 1.— (Showing lands.acquired)

Sl. No.	Name of mouza	Thana No.	Police Station	District	Area in acres	Remarks
1.	Telgama	39	BW Simra-I	Godda	36.87	Part
2.	Chitarkothi	38	-do-	-do-	16.10	-do-
3.	Chat Nima	37	-do-	-do-	14.83	-do-
4.	Nimakala	41	-do-	-do-	30.37	-do-
Total					98.17 (approximately) or 3975 hectares (approximately)	acres

1. Plot numbers acquired in mouza Telgama :
590, 592, 593, 595, 606, 615, 616, 625, 626, 630 to 632, 641, 783 to 800, 802, 804 to 918
2. Plot numbers acquired in mouza Chitarkothi :
288 to 314, 315 to 327, 329 (part) and 330 to 333.
3. Plot numbers acquired in mouza Ghat Nima:
1 to 7, 23 to 84, 86 to 93 & 129 (P),
4. Plot numbers acquired in mouza Nimakala:
1 to 12, 14 to 76 and 119 to 124.

BOUNDARY DESCRIPTION:

A1 - A2:— Line passes alongwith Southern boundaries of plots 635, 633, 629, 627, 624, 617, 614, 607, 605, 596, 594, 591 589, through 918 along Northern boundary of plot 919 and part Southern boundary of plot 920 of mouza Telgama and meets at point 'A2'

A2—A3—A4:— Lines pass through plot 918 along Eastern boundary of 917, 914, 896, 895, 894, 892 of mouza Telgama along Eastern boundaries of plot 124, 123, 121, 120, 119, 8, 9 along Southern boundaries of plot 9, 10, 11, 12, part Eastern boundary of plot 16, Eastern boundary of plot 14, 33 and 34 of mouza Nimakala and meets at point 'A4'.

A4—A5—A6:— Lines pass along Eastern boundaries of plot 7, 6 Northern and Eastern boundaries of plot 37, Nor-

theren and part Eastern boundaries of plot 33, Southern boundary of plot 20, part Western and Southern boundary of plot 21, Western boundary of plot 85 of mouza Ghat Nima and meet at point 'A6'.

A6—A7—A8:— Lines pass along southern boundaries of plot 86, 87, 129, 88, 89, 90, 92 and 93 of mouza Ghat Nima, along Southern boundaries of plot 76, 70, 63, 56 and 55 of mouza Nimakala, along Southern boundary of plot 327, through plot 329, along part Southern and Western boundary of plot 334, Southern boundary of plot 333 of mouza Chitarkothi and meet at point 'A8'.

A8—A9—A1:— Lines pass along Eastern boundary of plot 333, 332, 321, 318, 317, 316, 313, 314, 290, 289 and 288 along Northern boundary of plot 288, 292 along Western boundary of plot 294, 296 of mouza Chitarkothi along Western boundary of plot 792, 791, 790, Southern and Western boundary of plot 788, Western and Northern boundary of plot 781, part Western boundary of 784, Western and Northern boundary of 783, Western boundary of 800, 802, 804, through and along part Northern boundary of plot 918, along Western boundary of plot 641 of mouza Telgama and meet at the starting point 'A1'.

SCHEDULE
Block No.—II

All Lights

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Nimakala	41	BW Simra-I	Godda	13.05	Part
2.	Suarmari	36	-do-	-do-	1.98	-do-
Total =					15.03 acres (approximately) or 6.09 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Nimakala: 259, 261, 267, to 270, 272, 273, 276 to 278, 282, 264, 293 to 298, 316, 324, 325, 327, to 338, 359, to 363, 364 (part), 365, to 397, 398 (part), 399, 400, 405 to 408, 421 to 425, 463, 464, 466, 467, 475, to 477, 484, 358/754, 90 (part) and 378/761.

2. Plot numbers acquired in mouza Suarmari:

1(Part), 35, 37 to 52, 123, 124 and 125.

BOUNDARY DESCRIPTION :

B1—B2 Line starts from South West corner of plot 258 and passes along Southern boundary of plot 258, 260, 262, 263, 265, 266, 271, 274, 275, 279, 280, 281, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 402, 403, 404, 410, 409, 417, 418, 419, 420, 426, 461, 462, 465, 468, 469, 470, 473, 478, 483 and 486 of mouza Nimakala and meets at a point 'B2'.

B2—B3—B4: Lines pass along Western boundary of plot 487 of mouza Nimakala through plot 1 and along Western boundary of plot 34, Northern and Western boundary of plot 36, Western boundary of 63, Northern boundary of 62, North Western boundary of 61, 59, 53 Western boundary of 121, 122, Northern boundary of 126 of mouza Suarmari and meet at a point 'B4'.

B4—B5—B6:—Lines pass through plot no. 364 along Western boundary of 364, Northern boundary of 353, 354, Eastern and Northern and Western boundary of 358, Northern boundary of 340, 339, through 334, Northern boundary of 323 and 320 of mouza Nimakala and meet at a point 'B6'.

B6—B1: Line passes along Northern and Western boundary of plot 326, Northern boundary of 317, Eastern boundary 315, through plot 90, Eastern boundary of 256 and part Western Eastern boundary of 257 and meets at starting point 'B1'.

SCHEDULE
Block No.—III

All Rights :

Sl. No.	Name of Mouza (Village)	Thana	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Nimakala	41	BW Simra-I	Godda	2.40	Part
2.	Suarmari	36	-do-	-do-	26.23	-do-
3.	Hijukitta	42	-do-	-do-	50.27	-do-
Total =					78.90 acres (approximately) or 31.94 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Nimakala: 751 & 686/759.

2. Plot numbers acquired in mouza Suarmari :

1 (Part), 2 to 11, 13, 14, 80 to 116, 131 to 134, 157 to 172 and 181 to 184.

3. Plot numbers acquired in mouza Hijukitta :

1 to 151, 222 to 226, 235, 269 to 309, 418, to 423, 425, 430, 431, 439, to 449, 505, 506, 514, 515 to 517 and 514/609.

BOUNDARY DESCRIPTION :

C1—C2: Line passes along Southern boundary of plot 497, 500, 501, 502, 656, 657, 658, 661, 662, 663, 665, 666, 667, 671, 673, 674/755, 674, 676, 677, 686, 693, 687, 794 and 750 of mouza Nimakala and meets at point 'C2'.

C2—C3: Line passes along part Western boundary of Godda-Pirpainti Road in mouza Hijukitta and meets at point 'C3'.

C3—C4: Line passes through Godda Pirpainti Road and Southern boundary of plot 313 of Hijukitta mouza and along Southern boundary 312, 311, 310, 326, 327, 417, 416, 415 Southern and Western boundary of 424, 426, Southern boundary of 429, 432, 433, 436, 461, 460, 450, 451, 452, 504 503 and South West boundary of 490 of mouza Hijukitta and meets at point 'C4'.

C4—C5—C6: Lines pass through Western boundary of 606, 507, 508, 512, Northern boundary of 549, 518, 268, 263, 262, 236, 228, 219, 221, crosses the road near plot 159 pass

along Northern boundary of 158, 157, 153, 151 of mouza Hijukitta and meet at a point 'C6'.

C6—C7 : Line passes along the boundary line of mouza Suarmari and Hijudikitta and North East boundary of plot 185 of mouza Suarmari, and meets at point 'C7'.

C7—C8—C1 : Lines pass along Northern and Eastern boundary of 185, Northern boundary of 175, 174, 173, East-

ern boundary of 154, 155, 156, 144 142, 135, 136, 137 Southern and Eastern and Northern boundary of 130, Eastern boundary of 119, 118, Southern and Eastern boundary of 117, Eastern boundary of 67, 68 Southern boundary of 70, Eastern boundary of 71, 78, 79, 22 southern boundary of 21, Southern and Eastern boundary of 15, Eastern boundary of 16, Southern and Eastern Boundary of 12 through plot 1 of mouza Suarmari and meet at starting point 'C1'.

SCHEDULE

Block No. IV

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Bara Simra	33	BW Simra-I	Godda	123.90	Part
					Total = 123.90 acres (approximately) or 50.16 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Bara Simra :

352 to 400, 401, to 411, 425 (part), 426 to 433, 435, 436, 500, 503 to 610, 612 to 677, 680, 681, 682, 685 and 686.

BOUNDARY DESCRIPTION:

D1—D2 : Line passes along the common boundary line of mouza Hijukitta and Bara Simra, starting from point D1 on the Eastern boundary of plot 351 of mouza Bara Simra and meets at point D2 on the Trijunction point of mouza Bara Simra, Hijukitta and Rangamatia.

D2—D3—D4 : Line passes along the common boundary line of mouza Bara Simra and Rangamatia and meet at point D4.

D4—D5 : Line passes along North side boundary of Godda Boarijore Road and meet in mouza Bara Simra and meet at point 'D5'.

D5—D6—D1 : Line pass along Eastern boundary of plot 683, 679, Northern and Eastern boundary of plot 678 499, Northern boundary of 498, 502, 493 Northern and Eastern boundary of 489, Northern boundary of 488, 486, Eastern boundary of 462, 453, 437, 439, Eastern and Northern boundary of 434, Eastern boundary of 443, through 425, along Eastern boundary of 424, Northern boundary of 423, Eastern and Northern boundary of 422, Eastern boundary of 417, Southern and Eastern, boundary of 416, Eastern boundary of 414, 415, 412, 347, 349, 350, 351 of mouza Bara Simra and meet at the starting point 'D1'.

SCHEDULE

Block No. V

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	Godda	4.27	Part
					Total = 4.27 acres (approximately) or 1.73 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :

101, 102, 112, 113, 118 to 122, 128 to 132, 133 (Part), 134, (Part), 140 (Part), 141 (Part), 142 to 144 and 161.

BOUNDARY DESCRIPTION :

E1—E2—E3 : Lines pass along Southern boundary of plot 124, 127 Western and Southern boundary of 125, passes through 143, 147, along Western and Southern Boundary of

160, Eastern boundary of 165 of mouza Chhota Simra and meet at point 'E3'.

E3—E4—E1 : Lines pass along Northern boundary of plot 162, through 140, 141, 134, and 133 along Northern boundary of 117, 115, 114, 111, Eastern boundary of 103, 98, Southern boundary of 99, 100, Western Southern and Eastern boundary of 123 of mouza Chhota Simra and meet at the starting point 'E1'.

SCHEDULE

Block No. VI

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	Godda	96.12	(Part)
					Total = 96.12 acres (approximately) or 38.91 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :

223 to 231, 236 to 242, 246 to 258, 270 to 274, 284, 296 to 312, 321, 468 to 471, 476 to 482, 494 to 504, 505 (part), 517 (Part) 547 (Part), 548 to 551, 554 to 583, 586 to 591, 593 to 645, 646, (Part), 647 (Part) 556/694 (Part), 455 / ((((Part), 648 (Part) 656 (Part), 657 (Part), 658 (Part) 659, 662 and 663 to 692.

BOUNDARY DESCRIPTION :

F1—F2 : Line passes along Southern boundary of plot 321, 295, 294, 293, 285, 283, 275, 269 259, 245, 243, 235, 222, 221 of mouza Chhota Simra and meets at point 'F2'.

F2—F3—F4 : Lines pass along the Western boundary of plot 218, 217, 216, 210, 214, through 648, 647, 646, 651 along Western boundary of 695 through 656, 657, along Southern boundary of 657, Western part boundary of 694, Southern boundary of 661 of mouza Chhota Simra and common boundary of mousas Chhota Simra and Bara Simra and meet the Trijunction point of Bara Simra/Chhota Simra and Paharpur at point 'F4'.

F4—F5 : Line passes along common boundary between Paharpur and Chhota Simra and meet the Trijunction pillar between Paharpur, Chhota Simra and Tetaria at point 'F5'.

F5—F6 : Line passes along the common boundary between Tetaria and Chhota Simra across Godda Pirpainti Road (plot 684) and passes along Eastern and Northern boundary of plot no. 553, Northern boundary of 552, of mouza Chhota Simra and meets at point 'F6'.

F6—F1 : Line passes through plot 547 and along Eastern and Northern boundary of 545, Eastern boundary of 584 Eastern and Northern boundary of 585, 528, Eastern boundary of 518, through 517, Northern boundary of 516, Eastern and Northern boundary of 592, Northern boundary of 508, through 505, Northern boundary of 493, Eastern boundary of 492, 485, 483, Southern boundary of 475, 474, 472, 467 across Road (Plot 656), Southern boundary of 313, 315, 318, 320 of mouza Chhota Simra and meets at the starting point 'F1'.

SCHEDULE

Block No. VII

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Tetaria	709	Mahagama	Godda	7.16	Part
2.	Akasni	705	-do-	-do-	19.20	-do-
3.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	-do-	16.62	-do-
4.	Kendua	30	-do-	-do-	62.74	-do-
5.	Tetaria	31	-do-	-do-	13.75	-do-
6.	Kusmaha	708	Mahagama	-do-	15.52	-do-
7.	Ghat Simra Chhit	35	BW Simra-I	-do-	3.77	Full
8.	Kendukiitta	707	Mahagama	-do-	1.98	Part
					Total = 140.74 acres (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Tetaria :

1 to 16, 18, 27 (Part), 42, 43, 44(Part), 45 and 46 to 52.

2. Plot numbers acquired in mouza Akasni :

38(Part), 39 to 61, 95 to 101, 88 (Part), 90 (Part), 91 (Part), 94(Part), 102(Part), 104(Part), 105(Part), 108(Part) and 109 (Part).

3. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :

54 to 60, 333 to 361, 371 and 372.

4. Plot numbers acquired in mouza Kendua :

41 to 52, 82 to 216, 153/217, 122/218 and 182/219.

5. Plot numbers acquired in mouza Tetaria :

1 to 45.

6. Plot numbers acquired in mouza Kusmaha :

2(Part), 3, 4, 5(Part), 12(Part), 13(Part), 14, 15, 16, 17, 18(Part), 21, 23 to 55, 56(Part), 57(Part) and 58(Part)

7. Plot Numbers acquired in mouza Ghat Simra Chhit :

143 to 147, 144/149, 144/150, 146/151 and 145/153.

8. Plot numbers acquired in mouza Kendukiitta:

9 to 14.

BOUNDARY DESCRIPTION :

G1- G2- G3: Lines pass along Southern boundary of plot 33, 53, 79, 81 Western and Southern boundary of plot 80 of mouza Kendua and meet at point 'G3'.

G3-G4 : Line passes along the Common boundary of mouzas Chhota Simra and Kendua and meets at point 'G4' on the Northern boundary of plot 211 of Kendua mouza.

G4-G5- G6 : Lines pass along Southern boundary of plot 53, Western boundary of 65, 64, Northern and Western boundary of 61, Northern boundary of 330, Northern and Eastern boundary of 332, 456, Northern and Western boundary of 455, Southern and Western boundary of 454, Northern and Western boundary of 365, Northern boundary of 363, through and along Western boundary of 362, Northern boundary of 370, 373 of mouza Chhota Simra and meet at point 'G6'.

G6-G7 : Line passes along Northern boundary of plot 55, 56, 53, 48, 47, 46 of mouza Tetaria (Thana No. 31), Northern boundary of plot 54, 53, 41, through 44, Northern and Western boundary of 17, Northern boundary of 19, 25,

through 21 of mouza Tetaria (Thana No. 709) and meet at point 'G7'.

G7-G8-G9 : Lines pass through plot 58, 57, 56, of mouza Kusmaha passes along the common boundary between Kusmaha and Akasni mouzas, and meet at point 'G9'.

G9- G10 : Line passes along Eastern and Northern boundary of plot 22, 60, Eastern boundary of 18, 12, 13, 5, Eastern and Northern boundary of 2, 1, of mouza Kusmaha and meets at point 'G10'.

G10-G11-G12-G13 : Lines pass through plot 94, 102, 90, 104, 105, 108, 109, of Akasni mouza then along common boundary between Mahagama and Akasni mouzas and meet 'G12' at Trijunction point between Mahagama, Balachini kitta and Akasni mouzas and then passes through plot 109, 88, 104, 90, 91 94, all along Northern and Eastern boundary of 91, Eastern boundary of 62 and through 38 of Akasni mouza and meet at point 'G13'.

G13-G1 : Line passes along the common boundary between Kenduakitta and Akasni mouzas and Eastern boundary of plot 40, 49 and Southern boundary of plot 38 of mouza Kendua and meets at the starting point 'G1'.

SCHEDULE**Block No. VIII****A/ Rights :**

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Mahagama	700	Mahagama	Godda	4.18	Part
					Total = 4.18 acres (approximately) or 1.69 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Mahagama :
253, 254, 255 (Part), 1077(Part), 1080(Part), 1081(Part), 1082(Part), 1019(Part), 1083(Part), 1084(Part), 1095(Part), 1098(Part), 1099(Part), 1100 and 1101(Part).

252, Western boundary of 92, through 254, 1101, 1098, 1090, 1095, 1082, 1034, 1083, of mouza Mahagama and meet at point 'H3'.

H3-H4-H1 : Lines pass along Northern boundary of plot 1018, through 1019, 1083, 1081, 1082, 1080, 1077, 1099, 253 of mouza Mahagama and meet at the starting point 'H1'.

BOUNDARY DESCRIPTION :

H1-H2-H3 : Lines pass along Southern boundary of plo

SCHEDULE**Block No. IX****A II Rights :**

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Latariya	690	Mahagama	Godda	42.73	Part
					Total = 42.73 acres (approximately) or 13.30 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Latariya :
1 to 13, 33 to 56 and 59.

BOUNDARY DESCRIPTION :

J1-J2 : Line passes along part common boundary of Latariya and Murlihak mouzas, Southern boundary of plot 16, 15, 14, 23, 24, 32, 31, 94, of mouza Latariya and meets at point 'J2'.

J2-J3 : Line passes along Western boundary of plot 86 85, 57, 58, 60, 65, 66, 68, 69 of mouza Latariya and meets at point 'J3'.

J3-J4 : Line passes along the common boundary between Latariya and Gobind pur and meets at point 'J4'.

J4-J1 : Line passes along the Western Boundary of mouza Gud'a and meets at the starting point 'J1'.

[No. 43015/20/85-CA]

का० धा० 1475.—जबकि कोयलाधार क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 4 अक्टूबर, 1986 की पृष्ठ संख्या 4012 से 4013 पर प्रकाशित भारत के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना का० धा० सं० 3447, दिनांक 22-9-1986 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अधिग्रहण करने की अपने आशय की सूचना दी थी।

और जबकि केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह जाया गया है कि राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में छपाई की कुछ त्रुटियाँ रह गई हैं।

इसलिए अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है।
पृष्ठ 4012 पर : अनुसूची में

- (i) टिप्पण 2 स्पष्टीकरण के पैरा 2 के तीसरी पंक्ति में "चुने" के स्थान पर "सुने" पढ़ें। और "देना" के स्थान पर "देगा" पढ़ें।
- (ii) अनुसूची में "नीलजय" के स्थान पर "नीलजय" पढ़ें।
- (iii) नीलजय ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक के
 - (क) पांचवीं पंक्ति में "135/1 भाग" को एक ही बार पढ़ें।
 - (ख) ग्यारहवीं पंक्ति में "190/2" को एक ही बार पढ़ें।
 - (ग) बारहवीं पंक्ति में "254/1" को एक ही बार पढ़ें।
- (i) तरोडा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक के पहली पंक्ति में प्लॉट संख्यांक "7/2, 1" के स्थान पर "7/1, 7/2, 17" पढ़ें।
- (ii) उकनी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक की :
 - (क) दूसरी पंक्ति में "283/4 भाग" के स्थान पर "281/4 भाग" पढ़ें।
 - (ख) चौथी पंक्ति में "340/2, 341/1" को न पढ़ें।
 - (ग) आठवीं पंक्ति में "541 और सड़क भाग" के स्थान पर "538, 541 और सड़क भाग" पढ़ें।

पृष्ठ 4013 :

- (1) सीमा वर्णन की पहली पंक्ति में "उनकी ग्राम" के स्थान पर "उकनी ग्राम" पढ़ें।
- (2) (क) सीमा वर्णन के छ अ रेखा भाग के पहली पंक्ति में "तरोडा" के स्थान पर "तरोडा" पढ़ें।
- (ख) दूसरी पंक्ति में "133/1" के स्थान पर "113/1" पढ़ें।
- (ग) पांचवीं पंक्ति में "7/11" के स्थान पर "7/1" पढ़ें।
- (घ) छठवीं पंक्ति में "8/2" के स्थान पर "7/2" पढ़ें।

उपर्युक्त संशोधन में से संबंधित किसी भी भूमि से हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के जारी होने के 30 दिनों के अन्दर उक्त पूरी भूमि के, अथवा उसके किसी भाग के अधिग्रहण पर, अथवा उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (I) की व्यवस्था के अनुसार ऐसे किसी भूमि पर किसी प्रकार के अधिकार अधिग्रहण पर आपत्ति कर सकता है।

[सं० 43019/21/84-सी ए०]

S.O. 1475.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) number S.O. 3447 dated the 22nd September, 1986, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 4th October, 1986 at pages 4013 to 4014 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957).

at page 4013 :

- (i) in Note-1, for "The plain bearing Number 1(3)/III/JR 340-486" read "The Plan bearing number C-1 (E)/III/JR/340-486".
- (ii) under the heading Plot numbers to be acquired in village Niljai for "142/2 Part" read "143/2 Part".

at page 4014 :

- (i) under the heading "Boundary description", in line B-C, for "135" read "136" and for D "read Point 'C'".

[F. No. 43019/21/84-CA]

का० धा० 1476.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 25 जनवरी, 1986 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० धा० 219, तारीख 7 जनवरी, 1986 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिसर में 188.653 हेक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) के मापमान की भूमि में खनिजों के खनन खदान वेधन खुदाई करने और खोलने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट की है;

और पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करते और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 188.653 हेक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) मापमान की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, वेधन, खुदाई करने और खोलने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अर्जित 188.653 हेक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) मापमान की भूमि में खाने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए, किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अस्तंगत आने वाले क्षेत्र का रेखांक सं० सी-1 (ई) III/एफ०एफ०आर०/337-386 का निरीक्षण कलक्टर, बेतुन (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोलफील्ड लि० (राजस्थान अनुभाग) कोयला स्टैंड, विभिन्न लोडिंग, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची
पथखेड़ा पश्चिमी ब्लॉक सं० 1
पथखेड़ा कोयला क्षेत्र
जिला बेतूल (मध्य प्रदेश)

खान अधिकार

अर्जित की गई भूमि

क्र० सं०	ग्राम	पट्टा-सं०	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टरों में	टिप्पणियाँ
1.	शोभापुर	23	बेतूल	बेतूल	30.746	भाग
2.	छत्तरपुर	23	बेतूल	बेतूल	116.606	भाग
3.	बगडोना	23	बेतूल	बेतूल	41.301	भाग
कुल 188.653 हेक्टर (लगभग)						या
466.16 एकड़ (लगभग)						

शोभापुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक:

138 भाग, 139, 140 भाग और 164 भाग।

छत्तरपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक:

432/1 भाग, 432/2 भाग, 433, 434, 435 भाग, 436 से 444, 445 भाग, 446, 447, 448, 449 भाग और 450 भाग।

बगडोना ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक:

54 भाग, 85 भाग, 92 भाग, 93, 94 भाग, 96 भाग, 97 भाग, 98, 99 भाग, 100 से 104, 105 भाग, 106 भाग, 111 भाग, 112 भाग, 113 से 115, 116 भाग, 119 भाग, 133 भाग, 134, 135 भाग, 148 भाग और 149 भाग।

सीमा वर्णन:

क-ख: रेखा, बिन्दु "क" प्रारम्भ होती है और का. भा. सं. 2116, तारीख 22 अप्रैल, 1983 द्वारा, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित शोभापुर ब्लॉक की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग: रेखा, का. भा. सं. 2617 तारीख 21 अगस्त, 1978 द्वारा, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित पथखेड़ा ब्लॉक III की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ: रेखा, शोभापुर ग्राम में प्लॉट संख्यांक 138, 164 में से होकर जाती है, फिर छत्तरपुर ग्राम के प्लॉट संख्यांक 432/1, 432/2, 449, 450, 446, 445 में से होकर जाती है और प्लॉट संख्यांक 432/2 में बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ङ: रेखा, छत्तरपुर ग्राम के प्लॉट संख्यांक 432/2, 443, 432/1 और 435 में से होकर जाती है, फिर बगडोना ग्राम के प्लॉट संख्यांक 112, 111, 105 और 106 में से होकर जाती है और प्लॉट संख्यांक 106 और 54 की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ-क: रेखा, बगडोना ग्राम के प्लॉट संख्यांक 54, 85, 96, 94, 92 और 149 में से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[का. सं. 43015/3/96-सी.ए.]

S.O. 1476.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 219 dated the 7th January, 1986 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India dated 25th January, 1986, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1(E)II/FFR/337-386 dated 27th March, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Betul (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coal-fields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE
PATHAKHERA WESTERN BLOCK NO. 1
PATHAKHERA COALFIELD
District Betul (Madhya Pradesh)

Mining Rights					(Sowing lands acquired)	
Serial Number	Village	Patwari Circle Number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Shobapur	23	Betul	Betul	30.746	Part
2.	Chhattarpur	23	Betul	Betul	116.606	Part
3.	Bagdona	23	Betul	Betul	41.301	Part
Total Area:					188.653 hectares (approximately)	OR 466.16 acres (approximately)

Plot numbers acquired in village Sobhapur :
138 Part, 139, 140 Part and 164 Part.

Plot Numbers acquired in village Chhattarpur :
432/1 Part, 432/2 Part, 433, 434, 435 Part, 436 to 444, 445 Part, 446 Part, 447, 448, 449 Part and 450 Part.

Plot numbers acquired in village Bagdona :

54 Part, 85 Part, 92 Part, 93, 94 Part, 96 Part, 97 Part, 98, 99 Part, 100 to 104, 105 Part, 106 Part, 111 Part, 112 Part, 113 to 115, 116 Part, 119 Part, 133 Part, 134, 135 Part, 148 Part and 149 Part.

through village Bagdona in plot numbers 112, 111 105 and 106 and meets at common boundary of plot number, 106 and 54 at point 'E'.

E-A Line passes through village Bagdona in plot numbers 54, 85, 96, 94, 92 and 149 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/9/86-CA]

का. भा. 1477.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उससे जपान में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक ईस्टर्न कोयल-फील्ड्स का निरीक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत मार्ग, बिलासपुर-495001 के कार्यालय में या कलकत्ता गृहमंत्रालय (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे नि के भीतर सहायक संपदा प्रबंधक साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सीपत मार्ग बिलासपुर को भेजेगा।

अनुसूची

कुंदरी खण्ड

सोहागपुर कोयला क्षेत्र

जिला राहडोल (मध्य प्रदेश)

रेखांक नं. एसईनोएल . बीएसडी : बीएम (परि) : 2

तारीख : 12 नवम्बर, 1986

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाने वाला)

राजस्व क्षेत्र

क्र. सं.	ग्राम	तहसील	साधारण	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	बहिरैन	बन्धगढ़	475	राहडोल	52.013	भाग
2.	खोडरावाग	बन्धगढ़	156	राहडोल	61.128	भाग
3.	पिपथियां	बन्धगढ़	414	राहडोल	203.191	भाग
4.	पिनौरा	बन्धगढ़	413	राहडोल	73.706	भाग
5.	कुंदरी	बन्धगढ़	104	राहडोल	413.196	भाग

योग 803.234 हेक्टर

क्र० सं०	कम्पाटमेंट सं०	रेंज	खण्ड	क्षेत्र हॅक्टर में	टिप्पणियां
1.	पी 173 III	कारकेली	उमरिया	91.580	भाग
				योग 91.580	
				कुल योग 894.814 हॅक्टर (लगभग) या	
				2211.13 एकड़ (लगभग)	

सीमा वर्णन

क—ख रेखा बिन्दु 'क' से प्रारम्भ होती है और कुवरी ग्राम से होकर जाती है तथा उसी ग्राम में 'ख' बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग रेखा कुवरी ग्राम से गुजरती है, फिर कम्पाटमेंट सं. पी. 137 III कारकेली रेंज, उमरिया खण्ड से होकर जाती है और सब पिनोरा ग्राम से गुजरती हुई उसी ग्राम में 'ग' बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ रेखा पिनोरा, पिपरी ग्रामों से होकर जाती है फिर पिनोरा और बहिरदन होकर जाती है और उसी ग्राम में 'घ' बिन्दु पर मिलती है।

घ—ङ रेखा बहिरदन, पिपरी और खोडरगवान ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु 'ङ' पर मिलती है।

ङ—च-1-ङ-2 रेखा खोडरगवान ग्राम से होकर जाती है, चागत: च-3—क: खोडरगवान और कुवरी ग्रामों में सम्मिलित सीमा के साथ चलती है, फिर कुवरी ग्राम होकर गुजरती है और कुवरी ग्राम में प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/22/86-मी.ए.]

S.O. 1477.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the Lands mentioned in the Schedule hereto annexed.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 or office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh), or at office of the Coal Controller, 1. Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Assistant Estate Manager, South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur within ninety days from the date of publication this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE
KUDRI BLOCK
SOHAGPUR COALFIELD
DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

Plan No. SECL. : BSP : GM (Proj) : 2
Dated : 12th November, 1986
(Showing land notified for prospecting)

REVENUE LAND

Sl. No.	Village	Tahsil	General	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Bahirden	Bandhogarh	475	Shahdol	52.013	Part
2.	Khodargawan	Bandhogarh	156	Shahdol	61.128	Part
3.	Piprari	Bandhogarh	414	Shahdol	203.191	Part
4.	Pinoura	Bandhogarh	413	Shahdol	73.706	Part
5.	Kudri	Bandhogarh	104	Shahdol	413.196	Part

Total : — 803.234 hectares

FOREST LAND

Sl. No.	Compartment No.	Range	Division	Area in hectares	Remarks
1.	P 173 III	Karkeli	Umaria	91.580	Part

Total : — 91.580

Grand Total : — 894.814 hectares (approximately)

OR
2211.13 acres (approximately)

Boundary Description :

A—B : Line starts from point 'A' and passes through village Kudri and meets in the same village at point 'B'.

B—C : Line passes through village Kudri and then proceeds through compartment No. P-137-III, Karkeli Range, Umaria Division and then through village Pinoura and meets in the same village at point 'C'.

C—D : Line passes through villages Pinoura, Pipari then again through Pinoura and Bahirden and meets in the same village at point 'D'.

D—E Line passes through village Bahirden, Pipari and Khodargawan and meet at point 'E'.

E—E1—E2—E3—A : Line passes through village Khodargawan, passes partly along the common boundary of villages Khodargawan and Kudri, then proceeds through village Kudri and meets in village Kudri at the starting point 'A'.

[No. 43015/22/86-CA]

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

क्र. प्र. 1478.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं. क्र. प्र. 3321 तारीख 7 मितम्बर, 1986 द्वारा, उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिसर में 7400.00 एकड़ (लगभग) या 2994.63 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने अग्रय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उस भूमि में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 7400.00 एकड़ (लगभग) या 2994.63 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि की अर्जन करने के अपने अग्रय की सूचना देती है।

टिप्पण 1—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राज/20/86, तारीख 6 मई, 1986 का निरीक्षण

अनुसूची
अशोक म्ताक
(उत्तरी कर्णपुरा—कोयला क्षेत्र)

सभी अधिकार :

अर्जित की जाने वाली भूमि

क्र० सं०	ग्राम	धाना	धाना सं०	जिला	क्षेत्र (एकड़ में)	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
1.	बाली	ढंडवा	69/226	हजारीबाग	119.38	भाग
2.	धिजेव	"	83/240	"	370.00	भाग
3.	सिवाल्	"	84/241	"	155.00	भाग
4.	बयांगी	"	86/243	"	250.00	भाग
5.	सराय	"	87/244	"	502.09	पूर्ण
6.	बिरसोंगा	"	88/245	"	217.00	भाग
7.	कोइला रा	"	89/246	"	810.00	भाग

उपायुक्त, हजारी बाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला निर्यन्त्रक, 1, काउन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता या सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाऊस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 : कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है :—

"8(1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितवद्ध कोई व्यक्ति अधिसूचना जारी की जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग का ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों के अर्जन के प्रति आक्षेप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अन्तर्गत यह आक्षेप नहीं माना जाएगा कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आक्षेप यथान प्राधिकारी को लिखित रूप में किया जाएगा और सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा, और ऐसे सभी आक्षेपों को सुनने के पश्चात् और ऐसी प्रतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आक्षेपों पर अपनी भिन्नानियों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितवद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार के कोयला निर्यन्त्रक, 1, काउन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।"

1	2	3	3	5	6	7
8.	देम्बुआ	टंडवा	90/247	हजारीबाग	397.55	पूर्ण
9.	झुलुआ	"	91/248	"	390.82	पूर्ण
10.	लुकुईया	"	92/249	"	550.23	पूर्ण
11.	तोरहाद	"	93/250	"	458.47	पूर्ण
12.	हेंजवा	"	94/251	"	988.83	पूर्ण
13.	कुटकी	"	95/252	"	1227.26	भाग
14.	कुटकी खुर्द उर्फ बनी	"	96/253	"	448.00	पूर्ण
15.	बेन्ती	"	97/254	"	515.39	भाग
				कुल क्षेत्र : 7400.00 एकड़ (लगभग)		
				या 2994.63 हेक्टर (लगभग)		

वाली ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

415 (भाग), 429 (भाग), 430 (भाग), 432, (भाग), 434 (भाग), 435 से 438, 439 (भाग), और 440 से 445 विजय ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 264, 265 (भाग), 295 से 339

सिवाणु ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

2 (भाग), 4 (भाग), 5 (भाग), 7 (भाग), 8 (भाग), 9 से 12, 13 (भाग), 14 (भाग), 15 से 126, 127, (भाग), 128 से 141, 142 (भाग), 143, 144 (भाग), 145 से 156, 157 (भाग), 158 (भाग), 159, 160 (भाग), 163 (भाग), 174 (भाग), 175 (भाग), 185 (भाग), 188 (भाग), और 189,

बयारीग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

3 (भाग), 4 (भाग), और 5 से 62

सराय ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 133

बिरलौंगा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

186 (भाग), 187 से 190, 191, (भाग), 192 (भाग), 193, 194 और 195 ।

कैलारा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

213 (भाग), 214 (भाग), 217, 218 (भाग), 221 (भाग), 222, 223, (भाग), 224, 225, 226, (भाग), 237 (भाग), 245 (भाग), 246 (भाग), 253, 254, (भाग), 257 (भाग), 258 (भाग), 282 (भाग), 284 (भाग), 286 (भाग), 287 (भाग), 289 (भाग), 290 से 316, 317, (भाग), 318 से 359, 360 (भाग), 361 (भाग), 362 (भाग), 363 (भाग), 364 (भाग), 365, 366 (भाग), 367, 368 (भाग), 369, 370 (भाग), 371 से 432, 433 (भाग), 434 (भाग), 458 (भाग), 459, 460, 461 और 464 ।

देम्बुआ ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 285 ।

झुलुआ ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 106 ।

लुकुईया ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 114 ।

तोरहाद ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 180 ।

हेजवा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 553 ।

कुटकी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 252, 253 (भाग), 254 (भाग), 255 से 263, 264 (भाग), 265, 266 (भाग), 267 (भाग), 268 (भाग), 269 से 441, 442 (भाग), 443 (भाग), 444 से 727 ।

कुटकी खुर्द उर्फ बनी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

1 से 214 ।

बेन्ती ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं :

72 (भाग), 138 (भाग), 154 (भाग), 155, 156, 157 (भाग), 158 (भाग), 159 से 169, 170 (भाग), 174 (भाग), 175 (भाग), 176, 177 (भाग), 178 (भाग), 194 (भाग), 195 (भाग), 196 (भाग), 206 (भाग), 1209 (भाग), 1210, 1211 (भाग), 1212 से 1218, 1219 (भाग), 1220 (भाग), 1221 (भाग), 1480 से 1592, 1593 (भाग), 1596 (भाग), 1597 से 1609, 1610 (भाग), 1611 (भाग), और 1612 । सीमा वर्णन :

क-ख रेखा वाली ग्राम में प्लॉट सं 415 से होकर जाती है फिर बिरलौंगा ग्राम में प्लॉट सं 192, 191, 186 से होकर प्लॉट सं 317, 282, 284, 286, 287, 286, 289, 360, 362, 363, 364, 366, 368, 370, 361, 258, 257, 254, से होकर प्लॉट सं 253 की पूर्वी सीमा से होकर प्लॉट सं 246, 245, 237, 226, 223, 221, 218, 214, 213, 434, 433 और 458 से होकर जाती है फिर कैलारा ग्राम में प्लॉट सं 461 (नदी) की पूर्वी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है ।

ख-ग रेखा देघोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा है) और बिन्दु "ग" पर मिलती है ।

ग-घ रेखा देघोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "घ" पर मिलती है ।

- घ-ब रेखा देओनद या दामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "ब" पर मिलती है।
- घ-ब रेखा देओनद या दामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "ब" पर मिलती है।
- घ-क रेखा ग्राम बेन्ती में प्लॉट सं. 1219 (नदी) 1220, 1221, 1211 और 1209 से होकर कुटकी ग्राम के प्लॉट सं. 443, 442, 268, 267, 266, 264, 254 और 253 से होकर जाती है [जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन विपरवार ब्लॉक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "क" पर मिलती है।
- घ-ज रेखा कुटकी और बेन्ती ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा साथ साथ ग्राम बेन्ती में प्लॉट सं. 1608, 1610, 1611, 206, 1596, 1993, 196, 195, 194, 170, 174, 175, 177, 178, 158, 157, 154, 139 और 72 से होकर (जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन विपरवार ब्लॉक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
- घ-अ रेखा बेन्तीग्राम में प्लॉट सं. 72 से होकर जाती है फिर ग्राम कुटकी खर्ब उर्फ यता और बेन्ती, बिन्धु और बेन्ती की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 265 (नाला) और ग्राम सिदालु की भागतः पश्चिमी सीमा से और सिदालु ग्राम में प्लॉट सं. 185, 127, 185, 142, 144, 175, 174, 157, 158, 160, 163, 188 और से होकर जाती है [जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन विपरवार ब्लॉक विस्तार की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है और बिन्दु "अ" पर मिलती है।
- घ-क रेखा सिदालु ग्राम में प्लॉट सं. 4, 5, 7, 13, 8, 5, 14, और 2 से होकर जाती है और यथांगी ग्राम में प्लॉट सं. 3 तर 4 से होकर जाती है और फिर सराया और यथांगी, सराया और खांघर विरालुंग और खडार ग्राम में बाली ग्राम के प्लॉट सं. 434, 432, 439, 430, 429 और 415 से होकर जाती है।

[सं. 19/97/82-सी.एल/सी.ए

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1478.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 3321 dated the 8th September, 1986 issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing

Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 7400.00 acres (approximately), or 2994.63 hectares (approximately) of the land in the locality specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 7400.00 acres (approximately), or 2994.63 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto.

Note 1 :—The plan No. Rev/20/86 dated the 6th May, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House Ranchi (Bihar).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provision of section 8 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows :—

"8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land. Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE
ASHOK BLOCK
NORTH KARANPURA COALFIELD

						Land to be acquired
ALL RIGHTS						
Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area (in acres)	Remarks
1. Bali		Tandwa	69/226	Hazaribagh	119.36	Part
2. Bijain		"	83/240	"	370.00	"
3. Sidalu		"	84/241	"	155.00	"
4. Thathangi		"	86/243	"	250.00	"
5. Saraiya		"	87/244	"	502.09	Full
6. Chirlaunga		"	88/245	"	217.00	Part
7. Koilara		"	89/246	"	810.00	"
8. Dembua		"	90/247	"	397.55	Full
9. Jhulunga		"	91/248	"	390.82	"
10. Lukuia		"	92/249	"	550.23	"
11. Torhad		"	93/250	"	458.47	"
12. Henjda		"	94/251	"	988.83	"
13. Kutki		"	95/252	"	1227.26	Part
14. Kutki khurd alias thena		"	96/253	"	448.00	Full
15. Benti		"	97/254	"	515.39	Part
Total area : 7400.00 Acres (approximately).						
or 2994.63 hectares approximately)						

Plot numbers to be acquired in village Bali : 415 (Part) 429 (Part), 430 (Part), 432 (Part), 434 (Part), 435 to 438, 439 (Part), and 440 to 445.

Plot numbers to be acquired in village Bijain 1 to 264, 256 (Part), 295 to 339. i

Plot number to be acquired in village Sidalu :—2 (Part), 4 (Part), 5 (Part), 7 (Part), 8 (Part), 9 to 12, 13 (Part), 14 (Part), 15 to 126, 127 (Part), 128 to 141, 142 (Part), 143, 144 (Part), 145 to 156, 157 (Part), 158 (Part), 159, 160 (Part), 163 (Part), 174 (Part), 175 (Part), 185 (Part), 188 (Part), and 189.

Plot numbers to be acquired in village Thathangi 3 (Part), 4 (Part), and 5 to 62.

Plot numbers to be acquired in village Saraiya : 1 to 133

Plot numbers to be acquired in village Chirlaunga :—186 (Part), 187 to 190, 191 (Part), 192 (Part), 193, 194 and 195.

Plot number to be acquired in village Kailara :—213 (Part) 214 (Part), 217, 218 (Part), 221 (Part), 222, 223 (Part), 224, 225, 226 (Part), 237 (Part), 245 (Part), 246 (Part), 253, 254 (Part), 257 (Part), 258 (Part), 282 (Part), 284 (Part), 286 (Part), 287 (Part), 289 (Part), 290 to 316, 317 (Part), 318 to 359, 260 (Part), 361 (Part), 362 (Part), 363 (Part), 364 (Part), 365, 366 (Part), 367, 368 (Part), 369, 370 (Part), 371 to 432, 433 (Part), 434 (Part), 458 (Part), 459, 460, 461 and 464.

Plot number to be acquired in village Dembia :—1 to 285,

Plot numbers to be acquired in village Jhulunda :—1 to 106.

Plot numbers to be acquired in village Lukuia :—1 to 114.

Plot numbers to be acquired in village Torhad :—1 to 160.

Plot numbers to be acquired in village Henjda :—1 to 553

Plot numbers to be acquired in village Kutki :—1 to 252, 253 (Part), 254 (Part), 255 to 263, 264 (Part), 265, 266 (Part), 267 (Part), 268 (Part), 269 to 441, 442 (Part), 443 (Part), 444 to 727

Plot numbers to be acquired in village Kutki Khurd or

Thena :—1 to 214.

Plot number to be acquired in village Benti :—72 (Part), 138 (Part), 154 (Part), 155, 156, 157 (Part), 158 (Part), 159 to 169, 170 (Part), 174 (Part), 175 (Part), 176, 177 (Part), 178 (Part), 194 (Part), 195 (Part), 196 (Part), 206 (Part), 1209 (Part), 1210, 1211 (Part), 1212 to 1218, 1219 (Part), 1220 (Part), 1221 (Part), 1480 to 1592, 1593 (Part), 1596 (Part), 1597 to 1609, 1610 (Part), 1611 (Part), and 1612.

BOUNDARY DESCRIPTION :—

A—B line passes through plot number 415 in village Bali then through plot numbers 192, 191, 186 in village, Ghirlunga, through plot numbers 317, 282, 284, 286, 287, 286, 289, 360, 362, 363, 364, 366, 368, 370., 361 258, 257, 254, eastern boundary of plot number 253, through plot numbers 246, 245, 237, 226, 223, 221, 218, 214, 213, 434, 433 and 458 then eastern boundary of plot number 461 (River) in village Koil lara and meets at point 'B'.

B—C line passes along the part central line of River Deonad of Damodar (which is the part District Boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'C'.

C—D line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'D'.

D—E line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'E'.

E—F line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meet at point 'F'.

F—G line passes through plot numbers 1219 (River), 1220, 1221, 1211 and 1209 in village Benti through plot numbers 443, 442, 268, 267, 266, 264, 254 and 253 in village Kutki (which forms part common boundary of Piparwar block U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'G'. 3

G—H line passes along part common boundary of villages Kutki and Benti, through plot numbers 1608, 1610, 1611, 206, 1596, 1593, 196, 195, 194, 170, 174, 175, 177, 178, 158, 157, 154, 138 and 72 in village Benti (which forms part common boundary of Piparwar block U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meet at point 'H'.

H—I line passes through plot number 72 in village Benti then passes along part common boundary of villages Kutki Khurd alias Thana and Benti, Bijain and Benti through plot number 263(Nalla) and part western boundary of village Sidalu through plot numbers 185, 127, 185, 142, 144, 175, 174, 157, 158, 160, 163, 188 and 4 in village Sidalu (which forms part common boundary of Piparwar block Extn. U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'I'.

J—A line passes through plot numbers 4, 5, 7, 13, 8, 5, 14 and 2 in village Sidalu through plot number 3 and 4 in village Thathangi and part common boundary of

villages Sarya and Thathangi, Sarya and Khandhar, Chirlunga and Khandhar, through plot numbers 434, 432, 439, 430, 429 and 415 in village Bali and meets at Starting point 'A'.

[No. 19/97/82-CL(CA)]

का. भा. 1479—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाय्य अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने को संभावना है—

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला श्रारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी.-1(ई) III/अध्याप/376-1286 का निरीक्षण वेस्टन कोलफील्ड्स लि. (राजस्थान विभाग), कोल एस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलकत्ता, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी मन्त्रों, जाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वेस्टन कोलफील्ड्स लि., कोल एस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 को भेजेंगे।

अनुसूची

बबर ब्लॉक

चन्द्रपुर कोयला क्षेत्र

जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

क्र० सं० ग्राम का नाम	पट्टाकारी सखिल सं०	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1. मोनाजरी	4	चिमूर	चन्द्रपुर	170.99	पूर्ण
2. भाजगांव रोड़	4	चिमूर	चन्द्रपुर	153.56	पूर्ण
3. केठ बोधली	4	चिमूर	चन्द्रपुर	49.32	पूर्ण
4. मुरपाररिथ	4	चिमूर	चन्द्रपुर	162.34	पूर्ण
5. मुरपारतकूम	4	चिमूर	चन्द्रपुर	304.77	पूर्ण
6. सलोरी रोड़	4	चिमूर	चन्द्रपुर	107.38	पूर्ण
7. शेडेगांव	4	चिमूर	चन्द्रपुर	1054.07	पूर्ण
8. पेठ मासुली	3	चिमूर	चन्द्रपुर	236.68	पूर्ण
9. अमरपुरी	3	चिमूर	चन्द्रपुर	334.64	पूर्ण
10. मजरा बेगाडे	3	चिमूर	चन्द्रपुर	225.65	पूर्ण
11. बंवर	2	चिमूर	चन्द्रपुर	310.92	पूर्ण
12. शिवापुर	2	चिमूर	चन्द्रपुर	188.41	पूर्ण
13. पोटीबुवा	5	चिमूर	चन्द्रपुर	683.56	पूर्ण
14. चिमूर रेंज	चन्द्रपुरी डिवीजन	चिमूर	चन्द्रपुर	3741.72	भाग

कुल क्षेत्र—7724.01 हैक्टर (लगभग)

या 19086.80 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख-ग रेखा बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और कंपार्टमेंट सं. 34 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है, तब कंपार्टमेंट सं. 23-ख, 23-क, 24, 25 की बाह्य सीमा के साथ-साथ ग्राम आजगांव रोड और मीनजरी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ-ङ रेखा कंपार्टमेंट सं. 25, 26-क की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है तब ग्राम पीटीचुवा और शेडेगांव की पूर्वी सीमा के साथ-साथ कंपार्टमेंट सं. 44 की बाह्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ड-च-क रेखा कंपार्टमेंट सं. 44, बंदर, कंपार्टमेंट सं. 28-ख मजरा-बेगडे, अमरपुर, पेठ भांसुली, कंपार्टमेंट सं. 33 की बाह्य सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/2/87-सी.ए.]

S.O. 1479.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan bearing No. C-1(E)III/JR/376/1286, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate Civil Lines Nagpur-440001 or at the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All person interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001, within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE
BANDAR BLOCK
CHANDRAPUR COALFIELDS
DISTRICT-CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

Serial Number	Name of Village	Patwari Circle Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Minzari	4	Chimur	Chandrapur	170.99	Full
2.	Ajgaon Ritch	4	Chimur	Chandrapur	153.56	Full
3.	Kate Bothli	4	Chimur	Chandrapur	49.32	Full
4.	Murpar Ritch	4	Chimur	Chandrapur	162.34	Full
5.	Murpar Tukum	4	Chimur	Chandrapur	304.77	Full
6.	Salori Ritch	4	Chimur	Chandrapur	107.38	Full
7.	Shedegaon	4	Chimur	Chandrapur	1054.07	Full
8.	Peth Bhansuli	3	Chimur	Chandrapur	236.68	Full
9.	Amarpuri	3	Chimur	Chandrapur	334.64	Full
10.	Majra Begde	3	Chimur	Chandrapur	225.65	Full
11.	Bandar	2	Chimur	Chandrapur	310.92	Full
12.	Shivapur	2	Chimur	Chandrapur	188.41	Full
13.	Pitichuwa	5	Chimur	Chandrapur	683.56	Full
14.	Chimur Range	Brahmapuri Division	Chimur	Chandrapur	3741.72	Part

TOTAL AREA— 7724.01 Hectares
(approximately)
OR
19086.80 Acre
(approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B-C Line starts from point 'A' and passes along the outer boundary of compartment No. 34 then proceeds along the northern boundary of village, Ajgaons Ritch, and Minzari, along the outer boundary of compartment Nos. 23 B, 23- A, 24, 25 and meets at point 'C'.

C-D-E Line passes along the outer boundary of compartment No. 25, 26 A, then along the eastern boundary of villages Pitichuwa and Shedegaon, proceeds along

the outer boundary of compartment No. 44 and meets at point 'E'.

E-F-A- Line passes along the outer boundaries of compartment No. 44, Bandar, Compartment No. 28B, Mairabegde, Amarpuri, Peth-Bhansuli, compartment No. 33 and meets at point 'A'.

[No. 43015/2/87- CA]

का.भा.1480.—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः केंद्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वविक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है :

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. बी. सी. सी. एल./ड. डी./43/82 तारीख 17 जनवरी, 1982 का निरीक्षण डा. युक्त. धनबाद (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक 1.

कार्मिल हाउस स्ट्रीट, नयफला के कार्यालय में या निदेशक (तकनीकी) परियोजना, 1 भारत कोकिंग कोल लि., कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, जिला धनबाद (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवत्त सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी तथ्यों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तब्बे दिन के भीतर, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) नियम, 1957 के नियम 3 की अपेक्षानुसार निदेशक (तकनीकी) परियोजना भारत कोकिंग कोल लि., कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, जिला धनबाद (बिहार) को भेजेंगे।

अनुसूची
रेखांक बी. सी. सी. एल./ड. डी./43-82
तारीख 17 जनवरी, 1982
पर्वतपुर थाना
(सरिया कोयला क्षेत्र)
पूर्वविक्षण के लिए अधिसूचित भूमि

क्र. सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
1.	भावरडीह	355	सोरसांची	धनबाद	41.30	भाग
2.	ढेंढगावाड़	90	सरिया	धनबाद	112.35	भाग
3.	सासिलारी	91	सरिया	धनबाद	18.50	भाग
4.	वाटुडीह	92	सरिया	धनबाद	41.45	भाग
5.	जड़ुडीह	104	सरिया	धनबाद	35.50	भाग
6.	गनसाडीह	105	सरिया	धनबाद	10.10	भाग
7.	झरना	106	सरिया	धनबाद	28.12	भाग
8.	पेटिया	107	सरिया	धनबाद	38.60	भाग
9.	हूंगरी	111	सरिया	धनबाद	99.26	भाग
10.	गोपीडीह	75	चाम	धनबाद	73.79	भाग
11.	तुधारी	76	चाम	धनबाद	83.00	भाग
12.	करागिया	203	चाम	धनबाद	35.20	भाग
13.	परबलपुर	204	चाम	धनबाद	748.60	भाग
14.	बखीतर	205	चाम	धनबाद	514.00	भाग
15.	महगनर	207	चाम	धनबाद	247.00	भाग
16.	हिबाराडा	208	चाम	धनबाद	435.00	सम्पूर्ण
17.	नवाबान या पर्वतपुर	209	चाम	धनबाद	494.82	सम्पूर्ण
18.	नालगोरिया	210	चाम	धनबाद	416.17	सम्पूर्ण
19.	मिलफारे	211	चाम	धनबाद	969.16	सम्पूर्ण
20.	फतेहपुर	212	चाम	धनबाद	297.40	भाग
21.	दिगाडीह	217	चाम	धनबाद	27.00	भाग
22.	नवाडीह	218	चाम	धनबाद	21.50	भाग
23.	दक्षिण	220	चाम	धनबाद	76.90	भाग
24.	उपारखंडा	221	चाम	धनबाद	11.00	भाग

4880.66 एकड़ (लगभग)

या

1992210 हैक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख,ख-ग,	रेखा भावरडह, टेटंगाबाद, माम्मोलडीह बारडुभी
ग-घ और घ-ङ	जडूडीह, गनसाडीह, जरला पेटिआ और डुंगरी ग्रामों से होकर (दामोदर नदी के बायें किनारे के भाग के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।
ङ-च और च-छ	रेखा डुंगरी फतेहपुर, गिरजाडीह, नवाईह, देवग्राम, परबतपुर और उपरबंधा ग्रामों में दामोदर नदी से होकर जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।
छ-ज	रेखा उपरबंधा, करारिया, बटबीनेर, और तुधारी ग्रामों से होकर जाती है तथा बिन्दु 'ज' पर मिलती है।
ज-झ	रेखा तुधारी ग्राम होकर जाती है और बिन्दु 'झ' पर मिलती है।
झ-ञ	रेखा मौजा गोपीडीह और बटबीनेर तथा अलौरा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'झ' पर मिलती है।
ज-ट	रेखा मौजा बटबीनेर और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ट' पर मिलती है।
ट-ड	रेखा मौजा बटबीनेर, डिबारडा और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'ठ' पर मिलती है।
ट-ड	रेखा मौजा मछातानर और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'ड' पर मिलती है।

ड-क

रेखा मछातानर और भावरडोह ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/15/86-सं. ए.]

S.O.1480.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule here to annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1954 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. BCCL/ED/43-82 dated the 17th January, 1982 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar), or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Post Office Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar).

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited Koyla Bhawan, Post Office Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification in the Gazette of India, as required by rule 5 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Rules, 1957.

SCHEDULE

Plan Number BCCL/ED/43-82

dated the 17th January, 1982

Parbatpur Block
(Jharia Coalfield)Showing land notified for
prospecting.

S. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Bhawardana	355	Topchanchi	Dhanbad	41.30	Part
2.	Tetangabad	90	Jharia	Dhanbad	112.35	Part
3.	Majhildih	91	Jharia	Dhanbad	18.50	Part
4.	Bardubhi	92	Jharia	Dhanbad	41.45	Part
5.	Jattudih	104	Jharia	Dhanbad	35.50	Part
6.	Gansadih	105	Jharia	Dhanbad	10.10	Part
7.	Jharma	106	Jharia	Dhanbad	28.12	Part
8.	Peta	107	Jharia	Dhanbad	38.60	Part
9.	Dungri	111	Jharia	Dhanbad	89.20	Part
10.	Gopidih	75	Chas	Dhanbad	72.79	Part
11.	Tughari	76	Chas	Dhanbad	88.00	Part
12.	Kararia	203	Chas	Dhanbad	35.20	Part
13.	Parbatpur	204	Chas	Dhanbad	748.60	Part
14.	Batbiner	205	Chas	Dhanbad	514.00	Part
15.	Mahatanar	207	Chas	Dhanbad	247.00	Part
16.	Dibarda	208	Chas	Dhanbad	435.00	Full
17.	Nayaban or Parbatanr	209	Chas	Dhanbad	494.82	Full
18.	Talgoria	210	Chas	Dhanbad	416.17	Full
19.	Silphore	211	Chas	Dhanbad	969.16	Full
20.	Fatchpur	212	Chas	Dhanbad	297.40	Part
21.	Birajdi	217	Chas	Dhanbad	27.00	Part
22.	Nawadih	218	Chas	Dhanbad	21.50	Part
23.	Debgram	220	Chas	Dhanbad	76.90	Part
24.	Uparbandha	221	Chas	Dhanbad	11.00	Part

4880.66 acres (approximately),
or 1992.10 hectares (approximately)

[No. 43015/15, 86-CA]

का.प्रा. 1481--केन्द्रीय सरकार का प्रस्ताव होता है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में कायदा अधिभारित किए जाने की संभावना है।

अतः अब कर्तव्य सरकार कोयला धारक (खेख (प्रजन और विकास) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने भाष्य का सूचना देना है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र का रेखांक सं. सी-1 (अ)/III/जे.जे.आर./381-187 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., (राजस्व विभाग), कोयला एस्टेट, सिविल साइट्स, नागपुर-440001 के कार्यालय में अध्यक्ष कलक्टर यशसमान (महाराष्ट्र) के कार्यालय में प्रो. कलक्टर चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कार्डमिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है। इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में विनिर्दिष्ट सभी नक्शे, चार्ट, प्रो. अन्य दस्तावेजों का परिचाय इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., कोयला एस्टेट, सिविल साइट्स, नागपुर-440001 को कर देंगे।

धनुर्पूर्वा

सनगाँव व्यापक

बानी क्षेत्र

जिला सबतमाल और चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

कुल क्षेत्र : 3863.42 हेक्टर, (लगभग)

या

9542.65 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

- क-ख रेखा "क" बिन्दु से आरंभ होती है और नानदेपेरा सेलु (खुर्द) ग्रामों से होकर गुजरती हुई बर्बा नदी पार करती है, फिर ग्राम करंजी, टुलाना से गुजरती हुई बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग रेखा, टुलाना, शेम्बल कुसना ग्रामों से गुजरती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
- ग-घ रेखा, नागलोन, पटाला ग्रामों से गुजरती है, बर्बा नदी पार करती है, फिर जौला, वाडगांव (टी.आई.पी.) से गुजरती हुई बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
- ङ-क रेखा बाय गांव (टी.आई.पी.) रंगाने, नानदेपेरा ग्रामों से गुजरती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. नं. 43015/5/87-सीए]

THE SCHEDULE
MANGAON BLOCK
WANI AREA
DISTRICT-YAVATMAL AND
CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

Serial Number	Name of village	Patwari Circle Number	Village Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Selu (Khurd)	39	365	Wani	Yavatmal	243.20	Part
2.	Nandepera	16	175	Wani	Yavatmal	181.00	Part
3.	Bhurki	27	259	Wani	Yavatmal	551.63	Full
4.	Rangane	22	300	Wani	Yavatmal	528.00	Part
5.	Wadgaon (Tip)	34	332	Wani	Yavatmal	85.00	Part
6.	Jhola	23	129	Wani	Yavatmal	20.00	Part
7.	Karanji	13	44	Warora	Chandrapur	365.00	Part
8.	Shembal	13	533	Warora	Chandrapur	445.00	Part
9.	Mangaon	3	384	Bhadrawati	Chandrapur	490.20	Full
10.	Kusna	2	82	Bhadrawati	Chandrapur	34.40	Part
11.	Naglon	2	281	Bhadrawati	Chandrapur	40.50	Part
12.	Ralegaon	3	443	Bhadrawati	Chandrapur	263.35	Full
13.	Patala	3	304	Bhadrawati	Chandrapur	196.00	Part
14.	Thorana	3	251	Bhadrawati	Chandrapur	357.14	Full
15.	Tulana	14	247	Warora	Chandrapur	63.00	Part

TO TOTAL AREA :—3863.42 Hectares
(Approximately)
OR
9542.65 Acres
(Approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION.

- A-B Line starts from point 'A' and passes through villages Nandepera, Selu(Khurd), crosses Wardha River, then proceeds through villages Karanji, Tulana and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through villages Tulana, Shembal, Kusna, and meets at point 'C'.
- C-D-E Line passes through villages Naglon, Patala, crosses Wardha River, then proceeds through

villages Ghola, Wadgaon (Tip) and meets at point 'E'.

- E-A Line passes through villages Wadgaon (Tip), Rangane, Nandepera and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/5/87-CA]

S.O. 1481. —Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C-1(E)/III/JJR/31-187, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 or at the office of the Collector, Yavatmal (Maharashtra) and at the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 within ninety days from the date of publication of this notification.

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

और उक्त भूमि की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा

(1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

का. आ. 1482 :- केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 6 अप्रैल, 1985 में प्रकाशित भारत सरकार के इस्पत, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1411, तारीख 18 मार्च, 1985 द्वारा, उक्त अधिसूचना से संगत अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 1215.00 एकड़ (लगभग) या 491.68 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 6 अप्रैल, 1987 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और अवधि की ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके दौरान केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि या ऐसी भूमि में या पर किन्हीं अधिकारों की अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

सुगिया ब्लॉक

(पश्चिमी बोकारो कोयला क्षेत्र)

(पूर्वक्षण के लिए अधिसूचित भूमि)

क्र. सं.	ग्राम	थाना	थाना सं.	जिला	क्षेत्र (एकड़ में)	टिप्पणियाँ
1.	सुगिया	मांडू	177	हजारीबाग	1215.00	भाग
कुल क्षेत्र					1215.00 एकड़ (लगभग) या 491.68 हेक्टर (लगभग)	3

सीमा वर्णन :-

क--ख

रेखा, नाले की भागत. मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो कर्मा और सुगिया ग्रामों की भागत. सम्मिलित सीमा और बुराखप और सुगिया ग्रामों की सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख--ग

रेखा, दामोदर नदी के मध्य रेखा के साथ जाती है (जो सुगिया और केया, सुगिया और गोवरदाहा, सुगिया और हाहुमा ग्रामों की सम्मिलित सीमा तथा सुगिया और लोषना ग्रामों की भागत. सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग--घ--ङ--च

रेखा, दामोदर नदी से होती हुई सुगिया ग्राम से होकर जाती है (जो सुगिया कॉलियरी की पटवृत्त सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

च--छ

रेखा, दामोदर नदी की भागत. मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो चोधमा और सुगिया ग्रामों की भागत. सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ--ज

रेखा नाले की मध्य रेखा के भाग के साथ जाती है (जो सुगिया और बाकीहुन्डी ग्रामों की भागत. सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज--क

रेखा, सुगिया ग्राम से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 13019/30/84 जो. ए.]

New Delhi, the 1st June, 1987

S.O. 1482--Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Steel, Mines and Coal (Ispat, Khan Aur Koyla Mantralaya) Department of Coal (Koyala Vibhag) No. S.O. 1411 dated the 18th March, 1985, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 6th April, 1985, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 1215.00 acres (approximately) or 491.68 hectares (approximately) in localities specified in the Schedule appended hereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 6th April, 1987, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

Sugia Block

(West Bokaro Coalfield)

(Lands notified for prospecting)

Serial Number	Village	Thana	Thana number	District	Area (in acres)	Remarks
1.	Sugia	Mandu	177	Hazaribagh	1215.00	Part

Total area :—1215.00 acres (approximately). or 491.68 hectares (approximately)

Boundary description :

- A-B** Line passes along the part central line of Nala (which forms part common boundary of villages Kanna and Sugia and common boundary of villages Burakhap and Supia) and meets at point 'B'.
- B-C** Line passes along the part central line of Damodar River (which forms common boundary of villages Sugia and Kaitha Sugia and Gobardaha, Sugia and Hahua and part common boundary of Villages Sugia and Lodhma) and meets at point 'C'.
- C-D-E-F** Lines pass through Damodar River, through village Sugia (which forms common boundary with the lease hold boundary of Sugia Colliery) and meets at point 'F'.
- F-G** Line passes along the part central line of Damodar River (which forms part common boundary of villages Lodhma and Sugia) and meets at point 'G'.
- G-H** Line passes along part central line of Nala (which forms part common boundary of villages Sugia and Barkidundi) and meets at point 'H'.
- G-A** Line passes through village Sugia and meets at starting point 'A'.

[No. 43019/30/84-CA]

का. भा. 1483 केन्द्रिय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 31 मई, 1986 में प्रकाशित भारत सरकार के उत्तरी मंत्रालय (कोयला विभाग) के परिशुद्धता में का. भा. 2127 तारीख 26 मई, 1986 द्वारा उक्त अधिसूचना में संशोधन अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 122.00 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और बिहार सरकार ने परामर्श कर लिया गया है।

और संशोधन अधिकारी ने, उक्त अधिनियम का धारा 8 के अनुसूचना में अपने रिपोर्ट केन्द्र सरकार को दे दी है;

और केन्द्रिय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संशोधन अनुसूची में वर्णित 122 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भाग की भूमि का अर्जन किया जाना चाहिए।

अब, केन्द्रिय सरकार, वित्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे उपरोक्त अनुसूची में वर्णित 122.00 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भाग की भूमि का अर्जन किया जाता है।

2. इस अधिसूचना के अर्जन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उपस्थित, हजारीबाग (बिहार) या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग) वरन्धा हाऊस, राँची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

मिरका विस्तार

रेखांक राज/41/86 तारीख 24-10-86

पश्चिम कर्णपुरा कोयला क्षेत्र

जिला हजारी बाग (बिहार)

(अर्जन की गई भूमि को दर्शाती वाली)

गभी अधिकांश

क्र. सं.	ग्राम	खाना	खाना सं.	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1	मिरका	माटु	136	हजारी बाग	122.00	भाग

कुल क्षेत्र : 122.00 एकड़ (लगभग) या
19.37 हैक्टर (लगभग)

ग्राम मिरका में अर्जित किए गए प्लॉट

501 (भाग), 505 (भाग), 506 (भाग), 507 (भाग), 511 (भाग), 512 (भाग), 513, 514, 515 (भाग), 517 से 520, 521 (भाग), 522 से 547, 518, 549 (भाग), 554 (भाग), 555, 556 (भाग), 557 से 565, 566 (भाग), 567 (भाग), 963 (भाग), 977 (भाग), 978 (भाग), 979 (भाग), 980 से 995, 996 (भाग), 997 (भाग), 998 (भाग), 999 (भाग), 1000 से 1009, 1023, 1029 और 1030.

सीमा वर्णन

क-द-ख रेखा प्लॉट संख्या 567 और 575 की भागित सीमा-विश सीमा के साथ साथ जाती है, तब प्लॉट सं. 567, 504, 505, 506, 507, 521, 512, 515, 511 और ग्राम मिरका में प्लॉट सं. 310 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

य-ग

रेखा मिरका ग्राम में दामोदर नदी की उत्तरी सीमा के साथ साथ चलती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-द

रेखा मिरका ग्राम में दामोदर नदी की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-क

रेखा मिरका ग्राम में प्लॉट सं. 977, 978, 979, 978, 996, 997, 999, 998, 963, 549, 556, 554, 556, 567 से होकर जाती है और मिरका कोलिअरी की पट्टा सीमा के साथ साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क" से मिलती है।

[सं. 43015/19/85-सो ए.]

मंगल सिंह, शायर मंचिव

S.O. 1483.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Emergency (Department of Coal) No. S.O. 2117 dated the 20th May, 1986, published in the Gazette of India, Part II, section 3, Sub-section (ii), dated the 31st May, 1986, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands measuring 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Government of Bihar has been consulted; And whereas that competent authority in pursuance of section 8 of the said Act, has made this report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid is satisfied that the lands measur-

ing 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto, should be acquired.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

SIRKA EXTN. V

South Karanpura Coalfield, Distr. Hazaribagh (Bihar)

All Rights

(Showing lands acquired)

Serial Number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Sirka	Mandu	136	Hazaribagh	122.00	Part
Total Area :				122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately)		

Plot numbers acquired in village Sirka : 504(Part), 505 (Part), 506(Part), 507(Part), 511(Part), 512(Part), 513, 514, 515(Part), 517 to 520, 521(Part), 522 to 547, 548, 549(Part), 554(Part), 555, 556(Part), 557 to 565, 566(Part), 567(Part), 963(Part), 977(Part), 978(Part), 979(Part), 980 to 995, 996 (Part), 997(Part), 998(Part), 999(Part), 1000 to 1009, 1028, 1029 and 1030.

Boundary description :

- A-B line passes along the part common boundary of plot numbers 567 & 575, then through plot numbers 567, 504, 505, 506, 507, 521, 512, 515, 511 and eastern boundary of plot number 510 in village Sirka and meets at point 'B'.
- B-C line passes along the Part northern boundary of River Damodar in village Sirka and meets at point 'C'.
- C-D line passes along the western boundary of the River Damodar in village Sirka and meets at point 'D'.
- D-A line passes through plot numbers 977, 978, 979, 978, 996, 997, 999, 998, 963, 549, 556, 554, 566, 567, in village Sirka (along lease boundary of Sirka colliery and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/19/85-CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

का.आ.1484.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का अधिनियम 9) की धारा 82-बी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 15-3-1987 को अरियालूर तथा सिल्लाकुडी स्टेशनों के बीच मरुदडयार पुल पर गाड़ी संख्या 177 मद्रास एग्मोर-त्रिचिरापल्ली राक फोर्ट एक्सप्रेस गाड़ी को दुर्घटना से उत्पन्न सभी दावों का निपटान करने के लिए एतद्वारा श्री के. सम्पत्कुमारन, प्रमुख जिला जज, सेलम को तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है। उनका मुख्यालय त्रिचिरापल्ली में होगा।

[सं. 87/ई (ओ.) II/1/2]

एस.एम. वैश, सचिव,
रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi, the 21st May, 1987

S.O. 1484.—In exercise of the powers conferred by section 82B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890) the Central Government hereby appoints Shri K. Sanapathakumaran, Principal District Judge, Salem as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of accident to train No. 177 Madras Egmore-Tiruchchirappalli Rock Fort Express between Ariyalur and Sillakudi stations over the Matrudaiyar Bridge on 15-3-1987. His Headquarters will be at Tiruchirappalli.

[No. 87/E(O)II/1/2]

S. M. VAISH, Secy., Railway Board

संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

(दूरसंचार बोर्ड)

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. प्रा. 1485 :—जैसा कि सूरत टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में सुधार करने के लिए एक सार्वजनिक नोटिस इंडियन टेलीग्राफ नियमावली, 1951 के नियम 434 (III) [(2 सी) के अनुसार सूरत में प्रचलित अखबारों में, उन सभी लोगों से जिन पर इसका प्रभाव पड़ेगा, उनसे समाचार पत्रों में इसके प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर आपत्तियाँ और सुझाव मांगने के लिए प्रकाशित किया गया।

यह नोटिस दिनांक 21-6-1986 को "गुजरात मित्र" में, दिनांक 22-6-1986 को गुजरात समाचार में और 23-6-1986 को इंडियन एक्सप्रेस में तथा 27-6-1986 को टाइम्स ऑफ इंडिया में जनता को उपलब्ध कराया गया।

इस नोटिस के उत्तर में जो आपत्तियाँ और सुझाव जनता से प्राप्त हुए, उन पर केन्द्रीय सरकार ने विचार किया है।

इसलिए अब महानिदेशक दूरसंचार उपर्युक्त नियमावली के नियम 434 (III) (2 सी) द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए घोषित करते हैं कि दिनांक 16-6-1987 से सूरत का संशोधित स्थानीय क्षेत्र निम्नानुसार होगा :—

सूरत टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली :—

सूरत (टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र का विस्तार सूरत म्युनिसिपल कारपोरेशन तक जो गुजरात सरकार के दिनांक 15-3-1986 की अधिसूचना सं. के. बी.-81-86 एम. एम. सी-6681-4224-पी के अनुसार अधिसूचित है, तक होगा। परन्तु जो टेलीफोन उपभोक्ता सूरत म्युनिसिपल कारपोरेशन क्षेत्र के बाहर रहते हैं और सूरत टेलीफोन प्रणाली के अंतर्गत हैं, वह स्थानीय किराया भुगत करना जब तक जारी रखेंगे जब तक वह इस प्रणाली के किसी एक्सचेंज के 5 किलोमीटर के अंदर हैं, और इस से ही सम्बद्ध रहेंगे।

[सं. 3-6/86-पी. एच. बी.]

प्रवीण कुमार, निदेशक फील्ड (ई)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

(Telecommunications Board)

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1485.—Whereas a public notice for revising the local area of Surat Telephone Exchange System was published as required by rule 434 (III) (2c) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Surat, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers:

And whereas, the said notice was made available to the public on 21-6-1986 in 'Gujarat Mitra', 22-6-1986 in 'Gujarat Samachar', 23-6-1986 in 'Indian Express' and 27-6-86 'Times of India', newspapers;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434 (III) (2c) of the said Rules, the Director General, Telecommunications hereby declares that with effect from 16-6-1987 the revised local area of Surat shall be as under ;

353 GI/87—6

Surat Telephone Exchange System.—The local area of Surat Telephone system shall cover the area falling under the jurisdiction of Surat Municipal Corporation as notified vide Government of Gujarat Notification No. KV-81-86-SMC-6681-4224-P dated 15-3-1986;

Provided that the telephone subscribers located outside Surat Municipal Corporation limits but who are served from Surat Telephone system shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-6/86-PHB]

PRADEEP KUMAR, Director Phones(E)

नई दिल्ली, 5 जून, 1987

का. प्रा. 1486 :—स्वायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने थिरुथुरापण्डी टेलीफोन केन्द्र, तमिलनाडू संकल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-1/87-पी एच बी]

New Delhi, the 5th June, 1987

S.O. 1486.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Thiruthuraippondi Telephone Exchange, Tamil Nadu.

[No. 5-1/87-PHB]

का. प्रा. 1487 :—स्वायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने वाडसेरिक्करा तथा राम्पीरेरिनाड टेलीफोन केन्द्रों, केरल संकल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-2/87-पी एच बी]

S.O. 1487.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-1987 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Vadasserikkara and Rampi Perinad Telephone Exchange in Kerala Telecom. Circle.

[No. 5-2/87-PHB]

का. प्रा. 1488 :—स्वायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने सुजानगर टेलीफोन केन्द्र राजस्थान संकल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/87-पी एच बी]

S.O. 1488.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Sujanganj Telephone Exchange, Rajasthan Circle.

[No. 5-6/87-PHB]

का. प्रा. 1489 :—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महाविदेशक, दूरसंचार विभाग ने येला टेलेफोन केन्द्र महाराष्ट्र संकित, में दिनांक 19-6-87 में प्रमाणित दूर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[संख्या 5-9/87-पी एच बी]

[पी.आर. काररा, सहायक महा निदेशक (पी.एच.बी.)]

S.O. 1489.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yeola Telephone Exchange, Maharashtra Telecom. Circle.

[No. 5-9/87-PHB]

P. R. KARRA, Asstt. Director General(PHB)

भूमि मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 मई, 1987

का.प्रा.1490 :—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय दूतावास, अम्बुघाबी में अताशे श्री विरेन्द्र सिंह को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों, जो उस देश में रोजगार के लिये किसी भारतीय नागरिक की प्रती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं हैं, को परमिट जारी करने के लिये प्राधिकृत करी है।

[संख्या ए-22020/1/86-उत्प्रवास-11]

अशोक गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th May, 1987

S.O. 1490.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri Virendra Singh, Attache in the Embassy of India, Abu Dhabi to exercise the powers of competent authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[File No. A-22020/1/86-Emig.II]

ASOK GUPTA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.प्रा.1491 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ट्रेड्युनिन प्रोडक्ट्स लि., त्रिवेन्द्रम के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1491.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FIZEE MAHMOOD, B.Sc., B.I.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
FAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Tuesday, the 5th day of May, 1987.

Industrial Dispute No. 28 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1987 between the workman and the Management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum.)

BETWEEN

Thiru T. Andrew Ferreira, Thyvilakam House, Vettucaud, Trivandrum.

AND

The Managing Director, Travancore Titanium Products Limited, Kochuveli, Post Box-1, Trivandrum-695021.

REFERENCE :

Order No. L. 29012(50)/84-D.III(B), dated 26-4-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute after restoration, coming on for final hearing on Thursday, the 16th day of April, 1987 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru B. S. Gnanadesikan, Advocate appearing for the workman and of Thiru B. S. Krishnan, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-29012(50)/84-D.III(B), dated 26-4-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum was justified in removing Shri T. Andrew Pereira, Security Guard from service with effect from 13-10-1980 ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

(2) In the claim statement, it is stated that the workman Thiru T. Andrew Pereira was a Security Guard in the services of the Travancore Titanium Products Limited. He was issued with a charge Memo dated 12-6-1980 for being absent from the post of duty during the 3rd shift on 29-5-1980. The Petitioner-workman had submitted a written explanation to the charge memo issued to him. Subsequently, an enquiry was conducted. The workman was not given adequate opportunity to defend himself in the enquiry. By an order dated 13-10-1980, the Petitioner was dismissed from service. In the appeal filed to the Managing Director, the order of dismissal was modified to one of removal. It is stated that the punishment imposed was without any proper enquiry and in violation of principles of natural justice and contrary to the provisions of industrial law. Hence the order of dismissal cannot be sustained. The Petitioner was not given an opportunity of making any representation against the penalty proposed which is in contravention of Clause 14(vi)(c) of the Standing Orders. Hence it is prayed that an award may be passed setting aside the order of dismissal/removal from service and directing reinstatement with back wages and other attendant benefits.

(3) In the counter statement filed by the Management, the allegations made in the claim statement are denied. It is submitted that explanation submitted by the Petitioner was not satisfactory and an enquiry was conducted on the

charges levelled against him. In the enquiry held, the workman had fully participated and pleaded guilty to the charge levelled and tried to explain the extenuating circumstances under which he had committed misconduct. His explanation that his wife had visited the factory in a car with his sick child on the date of the incident and he had accompanied them to the hospital had not been proved. The Enquiry Officer had acted on the admission of guilt made before him. Hence there was no necessity to examine any witnesses. The workman was given full opportunity to defend himself. The Standing Orders existing at that time did not require issue of a Second Show Cause Notice. On the findings of the Enquiry Officer, the workman was dismissed from service and in appeal, punishment was modified into one of removal from service. The gravity of misconduct and past service of record of the concerned workman justify the punishment imposed on him.

(4) In the additional counter filed by the Management, a plea had been taken that Section 11-A of the Industrial Disputes Act cannot be invoked as the Appellate Authority had modified the punishment of dismissal into one of removal. Hence the claim of the workman has to be rejected and award passed accordingly.

(5) No oral evidence was adduced on either side. Exs. W-1 and W-2 were marked on behalf of the workman and Exs. M-1 to M-11 relied upon by the Management.

(6) The point for consideration is as follows :

Whether the management of Travancore Titanium Products Ltd., Trivandrum was justified in removing Shri T. Andrew Pereira, Security Guard from service with effect from 13-10-80 ? If not, to what relief the workman is entitled ?

(7) At the outset, it may be pointed that the learned counsel for the Petitioner-workman did not challenge the validity of the enquiry on the ground of violation of principles of natural justice or contravention of the relevant Standing Orders or on any other ground. The learned counsel for the Petitioner had made an endorsement that he was restricting his argument to the scope of Section 11-A of the Industrial Disputes Act. It is now well settled that under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, the Tribunal is at liberty to consider not only whether the findings of the misconduct recorded by the employer is correct and justified but also to satisfy itself independently regarding the misconduct committed, the punishment imposed and the relief to be granted to the concerned workman on the basis of materials on record and reappraisal of the evidence. The plea taken on behalf of the Respondent-Management that under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, the Tribunal in the instant case is totally untenable. It is not disputed that the Petitioner was issued with a charge memo and on the basis of the above charge, an enquiry was conducted and later by way of penalty he was dismissed from service. The fact that this dismissal was modified into one of removal cannot exclude the jurisdiction of this Tribunal under Section 11-A of the Industrial Disputes Act to grant appropriate relief. In this context, it has to be pointed out that Section 11-A can be invoked wherever there is an order of discharge or dismissal passed by way of punitive action on a charge of misconduct. The mere fact that the Appellate Authority had thought fit to modify the order of dismissal and termed it as removal cannot exclude the court from exercising the powers under Section 11-A as it could still amount to discharge or dismissal of a workman as contemplated by Section 11-A of the Act.

(8) The learned counsel for the Petitioner confined his argument to the sole question of punishment imposed being disproportionate to the gravity of the misconduct committed by the employee. Ex. M-2 was the charge memo issued to the Petitioner dated 12-6-1980. According to Ex. M-2, it was alleged that while the Petitioner was on duty in the third shift (from 21.30 hours to 05.30 hours) on 29-5-1980 at the Veli Pump house about 00.45 hours Shri A. J. Fernandez, the Head Security Guard found him absent from post of duty without permission and that he thereby

committed misconduct under the Standing Orders as narrated in the charge memo Ex. M-2. Ex. M-3 was the explanation tendered by the Petitioner to the charge memo issued to him. The Petitioner had stated in his explanation that on the night of the incident, he was on duty from 21.30 hours. About 00.35 hours on 29-5-1980, his wife along with his 5 year old son who was seriously ill had come in a car to his duty spot. As there was no other person to help him he was constrained to go with them to admit his child in the Subrabha Hospital, Vettukad and then he returned to the Pump House in the same car and was back on duty at 01.10 hours. He further stated that when he gave charge to his reliever Thiru S. Henry about 05.30 A.M. he had reported to him the above facts. Ex. M-7 are the Enquiry Proceedings and Ex M-8 the Enquiry Report. Ex. M-7 would disclose that the Petitioner had accepted the charge before the Enquiry Officer and given a oral statement reiterating what he had mentioned in the explanation offered to the charge memo. The Enquiry Officer as disclosed by the Report Ex. M-8 had acted upon and accepted the plea of guilt made by the Petitioner. The relevant paragraph in the Report is hereby extracted :

"At the outset the chargesheet dated 12-6-1980 was read out and Shri Andrew Pereira was asked to state as to whether he admits the charges. He pleaded guilty of the charges and added that it is a fact that he was absent at the post of duty at the time when the Road Security Guard made a surprise inspection. He also stated that his wife and the sick child came to his duty spot and so he was forced to take them to the Hospital urgently. He pleaded that he may be excused considering the situation under which he was forced to leave the workspot. I do not find any reason to believe his excuses for his absence in the post of duty. Moreover he has not substantiated his version by any evidence. On the basis of the above I find him guilty of the misconduct under the following Standing Orders applicable to him.

1. 21(1)A(a)—Unauthorised absence from post of duty.
2. 21(1)C(d)—Violation of instructions or rules framed by the Management or Company for the conduct of work.
3. 21(1)F(1)—Acting against the interests of the Company.
4. 21(1)F(c)—Habitual offences of any kind in Clauses (A) to (E) above.
5. 21(1)F(s)—Any offence under clauses (A) to (E) which is of a gross nature"

Copy of the relevant Standing Orders had been marked as Ex. M-1. On the basis of the findings of the Enquiry Officer, the Punishing Authority as disclosed by Ex. M-9 imposed the punishment of dismissal from service. The learned counsel for the Petitioner has rightly urged that the Enquiry Officer had while accepting the plea of guilt made by the Petitioner without any justification eschewed the circumstances under which he had deserted the workspot on the date of the incident. The Petitioner had specifically stated before the Enquiry Officer and in his earlier explanation that on the night in question he had to admit his child in the hospital and was therefore absent from duty for about 45 minutes from 00.35 hours to 01.10 hours. According to the charge memo issued to him he was found absent from duty detected by the Road Security Guard about 00.45 hours at his duty spot. No oral or documentary evidence has been adduced in the enquiry on behalf of the Management and as such there is no evidence apart from what the Petitioner had admitted before the Enquiry Officer regarding his absence from duty for about 45 minutes and the circumstances which had compelled him to go away from his workspot. The Enquiry Officer had summarily brushed aside the version put forward by the Petitioner, but had thought fit to accept his plea of guilt devoid of the explanation given by him for his absence. In other words he had accepted the inculpatory portion and excluded the exculpatory part of the statement made by the Petitioner. The approach of the Enquiry Officer is manifestly perverse. If he was not satisfied with the explanation offered by the Petitioner while

pleading guilty to the charge issued he should have called upon the Management to adduce evidence to conclusively establish the charge levelled against the Petitioner. Without resorting to such a course it would not be open to the Enquiry Officer to discard the explanation rendered by the Petitioner but at the same time hold him guilty of the charge on the basis of his admission. In the circumstances, in the absence of any other evidence, I have no reason to disbelieve the explanation offered by the workman for his absence from duty for about 45 minutes on the date of the incident.

(9) The next question that has to be considered is whether this misconduct would justify the stringent punishment of dismissal or removal from service. In this context, the learned counsel for the Management has drawn attention to the fact that the Punishing Authority as disclosed by Ex. M-9 had taken his past record of service into account in imposing the present punishment of termination from service. It has to be noted that Ex. M-9 discloses that the Petitioner had been punished with stoppage of increments on two prior occasions. However, this by itself would not justify imposition of the punishment of dismissal especially when the misconduct committed by the Petitioner which has lead to the dismissal cannot be construed as sufficiently grave in the circumstances of the case. As already adverted to, the plea of guilt made by the Petitioner to the charge issued to him has to be read along with the explanation submitted by him and the circumstances which compelled him to go away from the workspot on the night of the incident complained of.

(10) Taking the totality of the circumstances, in my view, the punishment of dismissal/removal is too harsh and disproportionate to the gravity of the misconduct committed by the Petitioner. Accordingly, the order of dismissal Ex. M-9 dated 13-10-1980 as confirmed in Appeal set aside and the Petitioner is directed to be reinstated in service without back wages from 1-7-1987. The period of absence is to be treated as leave without pay and the Petitioner would be entitled to continuity of service. It is further made clear that in case the Petitioner is not reinstated as directed from 1-7-1987 he would be entitled to claim full wages from the said date till the date of reinstatement. The Petitioner would not be entitled to any other relief. Award passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, the 5th day of May, 1967.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman

Ex. W-1/5-1-81—True copy of the Order PL/A/Dis. 1/80, of the Personal Adviser issued to the Petitioner.

Ex. W-2/15-7-83—True copy of the Order LR(2)2169/83 of the District Labour Officer issued to the petitioner.

For Management

Ex. M-1—Copy of the Standing Orders of the Management.

Ex. M-2/12-6-80—Zerox copy of the Show Cause Notice issued to the Petitioner.

M-3/21-6-80—Reply given by the Petitioner to the Management. (Zerox copy)

Ex. M-4/15-10-80—Zerox copy of the appeal petition submitted by the Petitioner to the Managing Director

Ex. M-5/5-1-81—Order on the Appeal Petition modifying the punishment of the dismissal to that of discharge.

Ex. M-6/14-2-69—Zerox copy of the delegation of powers of the Company.

Ex. M-7—Copy of (translated copy) of the Enquiry Proceedings.

Ex. M-8—Zerox copy of the Enquiry Findings.

Ex. M-9/13-10-80—Dismissal order issued to the Petitioner. (Zerox copy).

Ex. M-10—Zerox copy of the record of previous punishment.

Ex. M-11/13-2-75—Zerox copy of the order of Managing Director regarding the powers of Head of Department.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L-29012/50/84-D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का.प्र. 1492.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पुलिकुन्दरम क्वारी ग्रॉफ मैसर्स तमिलनाडु मिनेरल्स लिमिटेड, मद्रास के प्रबन्धकों से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O 1492.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pulikundram Quarry of M/s. Tamilnadu Minerals Limited Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L.,
PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU,
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 11th day of March, 1987

Industrial Dispute No. 29 of 1984

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Tamilnadu Minerals Limited Madras-5).

BETWEEN

The workmen represented by

The Secretary,

Tamilnadu Minerals Quarry Workers Union (Pulikundram (Branch) Pulikundram Colony, Chengalpattu District, Tamilnadu, Pin : 603109.

AND

The Chairman and Managing Director,
M/s. Tamilnadu Minerals Limited,
Ground Floor, TWAD Board Building,
Chempauk, Madras-600005.

Reference : Order No. L-29011/30/82-D.III(B)/D.II(B), dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvellargal V. Santhanam and V. Seshaiyan, Advocates appearing for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the workmen being absent, the Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workmen and the Management of Tamil Nadu Minerals Limited, Madras-5 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-29011/30/82-D.III(B), dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, for adjudication of the following issue :

"Whether the demand for revision of wage rates of unskilled and semi-skilled workers employee in Pulikundram Quarry of M/s. Tamilnadu Minerals Ltd. to bring them at par with those employed in Perianagalur Mine of the same employers is justified ? If so, to what relief and from what date the workers are entitled."

(2) Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

(3) Petitioner-Union filed its claim statement on 7-6-1984 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof the Management filed their counter statement on 1-9-1984.

(4) After several adjournments, when the dispute was called today, Petitioner-Union was absent and not represented. The Management was represented by counsel and ready for enquiry. Hence Industrial Disputes is dismissed for default. Award passed accordingly. No costs.

Dated, this 11 day of March, 1987.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L-29011/30/82-D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.प्रा. 1493.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण तमिलनाडु के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1493.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L. PRESID-
IND OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU,
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Thursday, the 7th day of May, 1987

Industrial Dispute No. 23 of 1986

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras-6).

BETWEEN

The workmen represented by
The General Secretary,
Punjab National Bank Staff Association,
C/o Punjab National Bank, Mint Street,
Madras-600079.

AND

The Regional Manager,
Punjab National Bank, Regional Office,
160, Greaves Road, Madras-600006.

Reference : Order No. L-12011(17)/85-D.IV(A), dated 21-3-1986 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and both the parties being absent and a memo having been received from the Petitioner Union and recording the same, the Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workmen and the Management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras-6 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12011(17)/85-D.IV(A), dated 21-3-1986 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras in denying the promotion of 2 Special Assistant's Posts that have arisen in the year 1984 to the employees in the priority list prepared as on 1-1-1984 is justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

(2) Parties were served with summons.

(3) Petitioner-Union filed its claim statement on 2-6-1986 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof the Management filed their counter statement on 7-11-1986.

(4) On 30-4-1987, a memo was filed by the Secretary of the Petitioner Union stating that he is not pressing claim in the dispute.

(5) Today, when the dispute was called, both the Petitioner and Respondent were absent and not represented. In view of the memo filed by the Secretary of the Petitioner Union on 30-4-1987, this dispute stands dismissed as not pressed. Memo is recorded. Award passed accordingly. No costs.

Dated, this 7th day of May, 1987.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L 12011/17/85-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

आदेश

का.प्रा. 1494.—भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच औद्योगिक विवाद को राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण, जिसका मुख्यालय बम्बई में है, को न्याय निर्णय हेतु निविष्ट किया गया था और उसका पंचाट भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (2) में दिनांक 7 जून, 1986 को का.प्रा. 2225 के रूप में प्रकाशित किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार की गय में इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रण के बारे में उक्त पंचाट के निर्णय के बारे में कठिनाइयाँ उत्पन्न हुई हैं ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त प्रश्न का निर्णय राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण द्वारा किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार

(i) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और न्यायमूर्ति एम.एस. जमदार को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है; और

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 36-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रश्न को उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को निर्णय के लिए निर्दिष्ट करती है ;

उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप धारा (2क) के अनुसार उक्त प्रश्न में तीन महानों का अवधि के अन्दर अपना पंचाट देगा ।

अनुपूर्वा

"क्या दिनांक 17-4-1986 के पंचाट, पैराग्राफ 44, 45, 46, 48, 49, 51, 52, 54, 55, 56, 57, 60, 64 और 66 के विशेष संदर्भ में और दिनांक 14-3-1986 के अन्तर्निहित आदेश की इस अर्थ में व्याख्या का ता संकेत है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के केन्द्रीय कार्यालय को पंचाट के निर्देशों को लागू करने हेतु इस संबन्ध में जारी अपने परिसर में यथा निविष्ट भूतेशों विधाननिर्देशों को जारी करने का अधिकार है। यदि नहीं, तो इस मामले को परिस्थितियों में उक्त पैराग्राफ के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न निर्देशों को सही व्याख्या क्या हो सकती है? क्या पंचाट में विभिन्न स्थानों पर निविष्ट "समावेशन" का अर्थ "अर्पण" लिया जा सकता है।

[सं. एन-17011/2/83-डी 4 (ए)]

क. जे. देव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New, Delhi, the 1st June, 1987

ORDER

S.O. 1494.—Whereas an industrial dispute between the employers in relation to the management of the Life Insurance Corporation of India and their workmen was referred for adjudication to the National Industrial Tribunal with its Headquarters at Bombay and its award was published in Part II, section 3 sub-section (ii) of the Gazette of India dated 7th June, 1986 as S.O. 2225;

And whereas in the opinion of the Central Government difficulties have arisen as to the interpretation of the said award in respect of the question specified in the schedule hereto annexed;

that the said question be decided by a National Industrial Tribunal;

Now therefore, the Central Government

(i) in exercise of powers conferred by section 7-B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Justice M. S. Jamdar as its Presiding Officer; and

(ii) in exercise of the powers conferred by section 36-A of the said Act hereby refers the said question to the said National Industrial Tribunal for a decision;

The said National Industrial Tribunal shall submit its award in the said question within a period of three months in accordance with sub-section (2A) of section 10 of the said Act.

THE SCHEDULE

"Can the Award dated 17-4-1986 with special reference to paragraphs 44, 45, 46, 48, 49, 51, 52, 54, 55, 56, 57, 60, 64 and 66 and the interim order dated 14-3-1986 be interpreted to mean that the control office of the Life Insurance Corporation of India is empowered to issue instructions/guidelines as contained in their circulars issued in this behalf to implement the directions of the Award. If not, what could be the correct interpretation of various directions covered by the said paragraphs in the circumstances of the case? Whether the term 'absorption' referred to at various places in the award can be interpreted to mean 'recruitment'?"

[No. L-17011/2/83-D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.प्रा. 1495 —केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.प्रा. 3281 तारीख 25 जून, 1985 के क्रम में संसद में लैबी काफेडम एंड हेडलूम एक्सपोर्ट कारपोरेशन प्राक इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली के (1) शेड सं. 2 से 5 से. 11 तोंडा, उ.प्र. और (ii) सुदर्शन बिल्डिंग 14 व्हाइटम रोड, मद्रास-14, गिड इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स मद्रास, स्थित कारखाना सहित स्थित एककों के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 फरवरी, 1985 से 30 सितम्बर, 1987 तक को अवधि के जिनमें यह तारीख भी सम्मिलित है छूट देती है।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्:—

- (1) पूर्वाक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदविधान दर्जित किए जाएंगे ;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा की गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संवत्त अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही संदत्त किए जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे ;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारों राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (i) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 44 की उपधारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या

(ii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उस अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रत्युत्पादा की, जो ऐसी प्रत्युत्पादा (जिनके प्रतिकलम्बरूप इन अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सज्जन होगा—

(क) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक में यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक के अधिभोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उनके भारमाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखावहियाँ और अन्य वस्तुवैज्ञानिक, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने के या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक की, उनके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने स्थान, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखावहियाँ या अन्य दस्तावेज को नकल करना या उनसे उद्धरण लेना।

[मं एन-38014/84/86-एस.एन.-1]

स्पष्टीकरण आपन

इस मामले में छूट को भूतलक्षा प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन-पत्र देरों से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षा प्रभाव से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1495.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 3281 dated 25-6-1985, the Central Government hereby exempts the regular employees of the units of M/s. Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., New Delhi located at (i) Shed No. 2 to 5, sector II A Noida (UP) and (ii) Sudarshan Building 14, White Road, Madras (with factory at Guindy Industrial Complex, Madras) from the operation of the said Act for a period with effect from 1st October, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer in furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/84/86-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का.प्र. 1496.—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के माध्यम से धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मिससे भारत हेवी प्लेट गण्ड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापत्तनम के नियमित कर्मचारियों को, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1985 से 30 सितम्बर, 1987 तक को, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, कि अधीन अधिध के लिए छूट देनी है।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दर्ज किए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिधायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अधिध के लिए यदि कोई अभिधाय पहले ही संदत्त किए, जा चुके हैं, तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अधिध को बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिध कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) नियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अधिध की बाबत देनी थी;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अधिध की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए; या
 - (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अधिध के लिए रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अधिध के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए, सफल होगा,—

- (क) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक के अधिभोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियां और अन्य दस्तावेजों, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक को, उसके अधिकारों या सेवाओं का या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में रखे गये किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं एम-38014/27/86 एम.एस.-I]

संक्षेप

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1496.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby exempts the regular employees of the Bharat Heavy Plates and Vessels Limited, Visakhapatnam from the operation of the said Act for a period with effect from 1st July, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

- (5) निम्न द्वारा उक्त अधिनियम को धारा 45 को उपधारा (1) के अधीन निष्पन्न किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम या कोई अन्य पदधारी:-

(i) धारा 44 के उपधारा (i) के अर्थ में, उक्त अवधि की वाबत हो गई किसे बिचरणी के निगिष्टों की मर्यापित करने के प्रयोजनो के लिए या

- (ii) यह अधिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य सेवा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा संशोधित रजिस्टर और अधिलेख उच्च अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

- (iii) यह अभिविनिम्नित करने के प्रयोजनों के लिए कि कार्य-
कार्य, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रमुखिधायों को, जो
प्राप्त प्रमुखिधाय हैं उनके प्रतिफलस्वरूप इस अभिसूचना
के अधिन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में
पाने का हकदार बना होगा है या नहीं; या

- (iv) यह अधिनिष्पन्न करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान अथ उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबन्धों का प्रचालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए मणक्त होगा,--

(क) प्रमाण नियोजक को आवश्यकतानुसार नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उक्त ऐन. जानकारों से जो यह आवश्यक समझे, या

(ख) ऐसे प्रभान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक के अधिभाग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिवर में किस्म की उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भागसाधक व्यक्ति से यत् अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियों और अन्य दस्तावेजों, ऐसे निरंक या अन्य पद्धतियों के समक्ष प्रस्तुत करे और उनका परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या

(ग) प्रधान नियंत्रक या अध्यक्षित नियंत्रक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखानों, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निराधारक या अध्यक्ष पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(ग) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिचर में रखे गए फ़िल्म रजिस्टर, लेखाबद्ध या अन्य दस्तावेज को नष्ट करना या उससे उद्धरण लेना।

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छुट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दर्ज किए जाएंगे;
- (2) छुट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखताएं प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे छुट अधिसूचना द्वारा दी गई छुट के प्रवृत्त होने को तारीख से सर्व मंदन अधिदायों के आधार पर ठकड़ा हो जाते;
- (3) छुट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही मंदन-किए जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसमें हममें हमके परभाव उक्त अवधि कहा गया है), ऐसे विवरणियां ऐसे प्रपत्र में और ऐसी विधिद्वियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बोमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देना थी;

[सं एम-38014/23/86, एम. एम.-I]

स्पर्शकरण

इस भाष्य में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के भाष्येदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाना है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1497.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Central Electronics Limited, Sahibabad a public sector undertaking under the Department of Science and Technology, from the operation of the said Act for the period with effect from 1st July, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding his exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) requires the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintain in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/23/86-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

का. सा 1498—केंद्रीय मंत्रालय, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम.

1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, धर्म मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. सा. 2955 तारीख 31 जुलाई, 1986 के क्रम में भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारी विभाग) के अधीन एकीकृत मात्स्यकी परियोजना, एन.कुलम के बर्क एवं द्वीपकरण संयंत्र, कर्मचारी और शिपवेज इलेक्ट्रॉनिकी अनुभाग संस्करण अनुभाग और गियर अनुभाग के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, प्रथम अक्टूबर, 1986 से 30 सितम्बर, 1987 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की प्रौर अवधि के लिए छूट देना है।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात् :—

- (1) पूर्वांक कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान उचित किए जाएंगे ;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संवत् अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते ;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही संवत् किए जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे ;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की वास्तविक अवधि के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम वृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की वास्तविक देनी थी ;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की वास्तविक दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को संतुष्ट करने के प्रयोजनों के लिए, या
 - (ii) यह अभिविश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा प्रोक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या ;
 - (iii) यह अभिविश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं की, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
 - (iv) यह अभिविश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसी किसी उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिभाग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के संदाय से संबंधित ऐसा लेखावहियों और अन्य दस्तावेजों, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावहियों या अन्य दस्तावेजों की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं एस-38014/3/86-एस. एस. I]

संक्षेप

इस मामले में छूट को भूतलसी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट का आवेदन-पत्र देरी से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलसी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1498.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2955 dated 31st July, 1986, the Central Government hereby exempts the regular employees of the Ice-cum Freezing Plant workshop and Shipways, Electronics Section, Processing Section and Gear section of the Integrated Fisheries Project Ernakulam under the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) from the operation of the said Act for a period of one year with effect from 1st October, 1986 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/3/86-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. झा. 1499.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उद्वेग अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सम्बन्धित स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :—

1. मैसर्स ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन, 18 नेता जी सुभाष रोड, प्रथम मंजिल, कलकत्ता-1
2. मैसर्स विनानो ट्रेडिंग कारपोरेशन, 115 नेता जी सुभाष रोड, कलकत्ता-1
3. मैसर्स प्लाय वुड प्रोडक्ट्स, 1, प्रान्ति पथ, सन्तोषपुर कलकत्ता-75

4. मैसर्स पोवाल होमियो रिमर्च लेबोरेट्री (वर्क और कार्यालय), सुशील ज्योति एवेन्यू, राबिन्द्रा पाली, पावल हाऊस, पोस्ट आफिस प्रफुल्ला कानन, कलकत्ता-59
5. मैसर्स फिश फार्मिंग डेवलपमेंट एजेंसी बेस्ट दिनाजीमर, पोस्ट आफिस बलुरघाट-101 जिला बेस्ट दिनापुर, पं. बंगाल
6. मैसर्स कुंवर एण्ड कंपनी 82, कोल्लोला स्ट्रीट कलकत्ता 73 और इसकी 47/1-ए गोलम जिलानी, गोल रोड, कलकत्ता 39 स्थित फैक्ट्री।
7. मैसर्स फ्राईबर्स स्ट्रींग (आर. पी.) प्राईवेट लिमिटेड, 200 इन्डियन एम पी मुख्य रोड, कलकत्ता-28 और इसकी इमारत, कलकत्ता-55 स्थित फैक्ट्री।
8. मैसर्स डालफीन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन, 27 वेस्टर्न स्ट्रीट, (पांचवीं मंजिल) कलकत्ता-12 और इसकी केयर आफ एल पी जी वोरलिंग प्लांट, 10 सी दुर्गापुर जिला बरखवान स्थित शाखा।
9. मैसर्स हाइड्रोमेट मार्केटिंग (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड, कलकत्ता-17 और इसकी (1) बम्बई (2) दिल्ली (3) बंगलौर (4) मद्रास स्थित चार शाखाएँ।
10. मैसर्स कंप्यूटर्न इंटरनेशनल लिमिटेड, 77/2ए हजरा रोड, (चतुर्थ मंजिल) कलकत्ता-29 और इसका चतुर्थ इंटरनेशनल सेंटर, 33A, जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता-71 स्थित कार्यालय।
11. मैसर्स मोनालीसा पोस्ट आफिस, इथेलबारी बीरपारा, जिला जलपाईगुरी पं. बंगाल और इसका जलपाईगुरी स्थित मुख्य कार्यालय और दार्जिलिंग स्थित रजिस्टर्ड कार्यालय।
12. मैसर्स इन्ड्रोन (इंडिया) लिमिटेड, 14-15 ब्लॉक कोर्ट हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 और इसका इन्डस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर कल्याणी नविया पं. बंगाल स्थित प्रधान कार्यालय एवं फैक्ट्री।
13. मैसर्स स्वस्तीक लेमिनेटिंग इन्डस्ट्रीज 95/1/38 कोसीपुर रोड, कलकत्ता-2 और इसका 68 काटन स्ट्रीट कलकत्ता-7 स्थित कार्यालय।
14. मैसर्स एस. के. धनिहोत्री, 29 अशुतोष चौधरी एवेन्यू, कलकत्ता-19 और इसकी 27, प्रशन्ता कुमार डैगोर स्ट्रीट कलकत्ता-6 स्थित शाखा।
15. मैसर्स इन्जिनियरिंग प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेंटर जेन रघुनाथपुर, बी गार्ड पी रोड, पोस्ट आफिस जपनागरा, जिला 24 परगना और इसका पी-3 सुरवर्दी एवेन्यू कलकत्ता-17 स्थित मुख्य कार्यालय।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा नियम की धारा 1, की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापनों को लागू करती है।

[संख्या एस-35017(2)/87-एस. एस.-2]

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1499.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments, namely :—

1. M/s. Meera Transport Corporation, 18, Netaji Subhash Road, 1st Floor, Calcutta-1.
2. M/s. Binani Trading Corporation 115, Netaji Subhash Road, Calcutta-1.

3. M/s. Ply Board Products, 1, Santipath, Santoshpur, Calcutta-75.
4. M/s. Powell Homoes Research Laboratory (Works and Office) Calcutta-59, Sushil Jyoti Avenue, Rajindra Pally, Powell House Post Office Prafulla Kanan, Calcutta-59.
5. M/s. Fish Farmers' Development Agency, West Dinajpur Post Office Balurghat-101, District West Dinajpur.
6. M/s. Kunwar and Company, 82, Colloola Street Calcutta-73, including its factory at 47/1A, Gholam Jilani Khan Road, Calcutta-39.
7. M/s. Frieb's Streiss (R.P.) Private Limited, 200-W.S.P. Mukherjee Road, Calcutta-28, including its Factory at 107, Shyam Nagar Road, Dum Dum, Calcutta-55.
8. M/s. Dolphin Transport Corporation, 27, Western Street (5th Floor) Calcutta-12, including its branch at C/o L.P.G. Bottling Plant, 10-C, Durgapur, District Burdwan.
9. M/s. Hydromat Marketing (India) Private Limited, P. 3, Surawardy Avenue, Calcutta-17, including its four Branches at (1) Bombay (2) Delhi (3) Bangalore and (4) Madras.
10. M/s. Computech International Limited, 77/2A, Hazra Road, (4th Floor), Calcutta-29, including its office at Chatterjee International, Centre 33A, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71.
11. M/s. Monalisa P.O. Ethelbari, Birpara District Jalpaiguri West Bengal, including its Head Office at Jalpaiguri, registered Office at Darjeeling.
12. M/s. Dytron (India) Limited, 14-15, Old Court House Street Calcutta-1, including its Head Office and Factory at Industrial Growth Centre, Kalyani, Nadia, West Bengal.
13. M/s. Swastik Laminating Industries, 95/1/38, Coopers Road, Calcutta-2, including its Registered Office at 68, Cotton Street, Calcutta-7.
14. M/s. S. K. Agnihotri, 29, Ashutosh Choudhary Avenue, Calcutta-19, including its Registered Office at 68, Cotton Street, Calcutta-6.
15. M/s. Engineering Products Development Centre (Private) Limited Vill. Raghunathpur VIP Road, Post Office Jyangra, District 24 Parganas, including its registered Office at P-3 Surawardy Avenue, Calcutta-17.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[No. S. 35017(2)]/87-SS-II]

का. आ. 1500.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ह्रीदराबाद लैम्पस लिमिटेड, इसनापुर, मेडक कस्बा, आन्ध्रप्रदेश और इसकी बम्बई, बंगलौर, कोचीन, अहमदाबाद, जयपुर, इन्दौर, कटक और मद्रास स्थित घाट शाखाएँ नामक स्थापना से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी विशिष्ट निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(457)/85 एस. एस.-2]

ए. के. अह्मदाबादी, धरम सचिव

S.O. 1500.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Hyderabad Lamps Limited, Isnapur, Medak District, Andhra Pradesh, including its eight branches at Bombay, Bangalore, Cochin, Ahmedabad, Jaipur, Indore, Cuttack and Madras have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(457)/85-SS-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. आ. 1501.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के धर्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 4171 दिनांक 3 दिसम्बर, 1986 द्वारा कोयला उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 3 दिसम्बर, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 3 जून, 1987 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं. एस-11017/13/81-डो-I(ए)]

नन्द लाल, अवसर सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1501.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (VI) of clause (n) of section 2 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 4171 dated the 3rd December, 1986 the Coal Industry to public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 3rd December, 1986 :

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (VI) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 3rd June, 1987.

[No. S-11017/13/81-D.I. (A)]

NAND LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. आ. 1502 —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धन क्षेत्र से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों

के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-87 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1502.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER—CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—CUM-LABOUR COURT, KANPUR (UP)

Industrial Dispute No. 7 of 1986

In the matter of dispute between :

Shri Ram Chandra Yadav
S/o Shri Ram Nath Yadav
R/o 3-A/41, Azad Nagar,
Bai Ji Ka Quarter,
Kanpur.

AND

The Divisional Manager,
Central Bank of India,
Divisional Office,
Pandu Nagar,
Kanpur.

APPEARANCES :

Shri O. P. Mathur—representative for the workman.

Shri Rakesh Tondon—for the management.

AWARD

1. The Central Government vide its notification no L-12012/41/85-D.II(A) dated 20th December, 1985, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the management of Central Bank of India, in not absorbing and terminating the services of Shri Ram Chandra Yadav is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. The Case of the workman Ram Chandra Yadav is that he was a subordinate staff of the bank management in its Azad Nagar Branch Kanpur w.e.f. 3-5-79 and in all worked for 340 days from that date but the management has shown false and artificial breaks in the service of the applicant. The applicant learning that some regular appointment are likely to be made in class IV made an application for the same on 24-6-82 which was forwarded to the General Manager through R. M. office Kanpur. Workman also applied for his appointment in RBI for which the Branch Manager Azad Nagar wrote a recommendatory letter photo copy of which is annexure C alleging that the workman had worked about 340 days in his bank. The management bank appointed new hands and instead of giving him opportunity of reemployment or absorbing him terminated his services. Thus the management is also guilty of unfair labour practice. The termination of the workman being illegal he is entitled to be reinstated. Annexure I filed along with the claim statement shows that he during the period 1979 to 1981 worked for 340 days, Annexure B which is a forwarding note of the branch manager to the Chief Manager Pandu Nagar Kanpur in which the branch manager mentioned that the workman had in the capacity of casual daily worker during period 79-80-81 for about 340 days. The third annexure filed with the same is the certificate of Branch Manager Azad Nagar Kanpur addressed to manager Reserve Bank of India Kanpur stating that the workman had worked in his branch as casual daily worker during period 79, 80 and 1981 for about 340 days.

3. The case of the management as set out in the w.s. is that the workman was running a tea shop near Central Bank of India Azad Nagar Kanpur and use to visit branch often

for serving tea to the staff as and when there was need in the branch for casual work and the workman was engaged for specific period only. That was a casual appointment and the branch manager never utilise the services of Shri Yadav as class IV employee. Shri Yadav had availed a loan from this branch for tea shop. The management asserts that the workman was simply engaged as casual worker for a limited period on account of temporary increase in work. During period 79 to 81 the workman was engaged for 232 days and the claim that he worked for 340 days is wrong. The management has submitted details of days of working by workman which shows that he never completed 240 days in a span of 12 calendar months. It is further averred there in that the workman persuaded the branch manager Azad Nagar Kanpur to give him a certificate that he worked in all 240 days during the period mentioned in the claim on the pretext that he was getting job in Reserve Bank of India. In support of this he produce a certificate of previous branch manager of the said branch stating that he had worked for nearly 240 days during 79-80-81 and in this the certificate by the branch manager of the Azad Nagar Branch was obtained surreptitiously and the appointments in the management bank are made under certain recruitment policy after written test and interview and after complying with the norms.

4. In the rejoinder the workman has stated that he should have been given first preference over others had he fulfills all the requirements.

5. In support of his contention the workman has filed 7 documents First three of which are the same as filed along with claim statement and mentioned earlier, paper No. IV is the letter of the branch manager regarding stationery and paper no. 5 is earlier letter given to the workman to collect stationery which he collected. The two documents are ext. W-5 and W-6. Paper No. 6 are challan of stationery which was received by workman under his signature and this documents are from Ext. 3 and W-9 which shown that the workman was not engaged for the bank for some work unconnected with the banking industry but was engaged by the bank for work of the banking industry, for instance collecting stationery etc. as management class fourth employee.

6. The management examined Shri S. P. Kacker on affidavit reiterating the stand of the written statement. He has admitted Ext. W-1 and W-2 as letters issued by the branch manager. He could not testify the correctness of signatures of the document filed by the workman on 3rd September, 1986. It is signed by Shri J. Naroji ADM Divisional Office Kanpur. He has deposed that he cannot say if the workman was also working as messenger or office peon besides taking drinking waters to the officials and customers of the bank. Taking drinking waters to officials and customers is also a work connected with the banking industry, moreover it is shown that the workman had been working as peon also that he received stationery etc. under the authority from the manager. He has no knowledge if persons were engaged after the workman ceased to work. A comparison of working days during period 16th May, 1979 to 15th May, 1980 with the documents filed by the workman and bearing the seal and signature of the management the workman had worked upto 17th May, 1980 two days more.

7. On the other hand the workman has given his affidavit reiterating his claim statement and he was cross-examined. In cross-examination he has deposed that articles mentioned in document No. 1 dated 24th April, 1980 filed by him are the records of stationery which was taken by him to the branch and he was authorised to receive the same under the signature of the branch accountant, those documents are ext. W-3 and W-5. In his cross examination he has further admitted that he had taken a loan of Rs. 1200 from the management but had given the same to his mother. In loan application he admits to have mentioned the purpose of loan as tea catering and beetle shop and tea shop near Azad Nagar Branch. He admits that from 3rd May, 1979 to 20th June, 1983 he worked in Azad Nagar Branch and was paid by vouchers for work done and this payment was done either after a week or 15 days and was not paid per day. In the end he admitted that the certificate given by the branch manager is on record. From the above it is clear that the workman was engaged in the bank for work of the banking industry and nor for

work unconnected with the work of banking industry. Thus such casual labour if allowed to work piece meal would be nothing but temporary workman. The management has failed to show any appointment letter or that the termination was by efflux of time. But it is clear that he was given work for several days with breaks. It is further clear that in span of one year he never worked for 240 days and the workman too has failed to show that he worked for 240 days continuously in one calendar year. Workman wanted to summon the vouchers from 79 to 81, this was disallowed as amounting to grapping in the dark. The workman had admittedly worked for 59 days in a span between 15th May, 1979 to 15th May, 1980 and from 15th May, 1980 to 15th May, 1981 he worked for 55 days and in this way the workman had acquired temporary status and he should have been considered for class IV appointment. It is not denied specifically that the management employed other persons after workman ceased to work and in that case the workman had a prior claim per provision of section 25H of the Act and this having not been done the termination of the workman from June 1981 would be illegal and he will be entitled reinstated in service. The case might have been otherwise had the workman been succeeded in showing that Vinod Saxena appointed latter after the workman was ceased to work after test and interview in regular vacancy.

8. In these circumstances and for the reasons discussed above, I hold that the action of the management is not justified and the workman has to be reinstated in service.

9. The question of regular absorption may be considered and when fresh recruitment test is made by the bank for class IV employees.

10. I, therefore, give my award accordingly.

11. Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/41/85-D.II(A)]

का. अ. 1503.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसारण में केन्द्रीय सरकार, देना बैंक के प्रबंधन के संबंध में निवेदन और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद से केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-87 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1503.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Dena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, KANPUR.

Industrial Dispute No. 74 of 1986

Reference No. L-12012/61/85-D.II (A) dt. 18-4-86
Shri O. P. Mehrotra C/o The General Secretary,
U. P. Bank Employees Union,
165, Sobatibagh, Allahabad.

AND

The Assistant Regional Manager,
Dena Bank, Regional Office,
51/52 Gedera House, 4th Floor, Nehru Place,
New Delhi.

AWARD

1 The Central Government Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/61/85-D.II (A) dt. 18-4-86 has referred the following dispute for adjudication on this tribunal :

"Whether the action of the management of Dena Bank in not offering the post of Head Cashier Category at Hazratganj Branch and not granting special allowance of Head Cashier to Shri O. P. Mehrotra, Cashier Cum Clerk, with effect from 4-9-78 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

ORDER

As on 20-4-87 was fixed for orders. The parties despite notice did not appear, hence the case is decided in default of parties. Let no claim award be sent to the government for its publication.

Let the six copies of the award be sent to the Government for its publication

Dated : 14-5-1987.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/61/85-D.II(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का.ग्रा. 1504.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पी एण्ड टी डिपार्टमेंट के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1504.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of P & T Department, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B. L.,
PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS
(Constituted by the Central Government)

Thursday, the 7th day of May, 1987

Industrial Dispute No. 16 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of P & T Civil Division, Trivandrum-695001.

BETWEEN

Thiru K. Manikantan Nair,
T. C. No. 25/285-A, Vayelnikathiya Puthen Veedu,
Thampanoor Trivandrum,

AND

The Executive Engineer,
P & T Civil Division, Trivandrum-695001.

REFERENCE : Order No. L-40012(14)/84-D-II(B), dated 12-2-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 16th day of April, 1987 upon perusing the reference claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru N. G. R. Prasad for Thiruvallargal Row and Reddy and R. Rajaram, Advocates appearing for the workman and of Thiru G. Rajan Central Government Pleader for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Posts and Telegraphs Department, Trivandrum arises out

of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-40012(14)/84-D-II(B), dated 12-2-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue:

"Whether the Executive Engineer, P & T Civil Division, Trivandrum in terminating the services of Shri K. Manikantan Nair, Casual Mazdoor from service w.e.f. 7-12-83 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

(2) It is averred in the claim statement that the Petitioner-workman was working as a casual mazdoor in the P & T Civil Sub-Division No. 1, Pappanamcode, Trivandrum from 31-7-1979 and he was in continuous employment till 17-5-1983 for a period of 770 days. The Petitioner had studied upto Standard X and his name was registered with the Employment Exchange at Trivandrum. As the Petitioner was eligible for regularisation he submitted an application to the Respondent for this purpose. On 17-5-1983, the services of the Petitioner were terminated without assigning any reasons and in contravention of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. The impugned order of dismissal was challenged by way of writ petition in the Kerala High Court, where it was directed that the Petitioner should be reinstated in service and regularised if he is found eligible. Subsequently, the Petitioner was reinstated on 13-7-1983 but not regularised. His services were again terminated by the Executive Engineer, P & T Civil Division, Trivandrum from 7-12-1983. The termination order passed is illegal and contrary to the provisions of the Industrial Disputes Act. Hence the Petitioner prays that he may be reinstated in service and granted back wages and other attendant benefits.

(3) In the counter statement filed on behalf of the Respondent, the fact that the Petitioner was engaged as a casual employees is not disputed. It is however contended that as per the circular dated 10-10-1979 the Petitioner is not eligible to be considered for regularisation. As the work for which the Petitioner was engaged was completed, he was straight away terminated in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act. The Management had reinstated the Petitioner after the judgement of the Kerala High Court and he was subsequently terminated on valid and justified grounds. The Petitioner is not entitled to any other relief.

(4) No oral evidence was adduced on either side. Exs. W-1 to W-17 were marked on behalf of the Petitioner and Exs. M-1 and M-2 relied upon by the Management.

(5) The point for consideration is as follows :

Whether the Executive Engineer, P & T Civil Division, Trivandrum in terminating the services of Shri K. Manikantan Nair, Casual Mazdoor from service w.e.f. 7-12-83 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?

(6) The Petitioner was working as a Casual Mazdoor on the muster roll in the P & T Civil Division, Pappanamcode, Trivandrum from 31-7-1979. He had worked continuously without any break in service till 17-5-1983 and for a period of 770 days which is not controverted in the counter filed by the Respondent or otherwise disputed. The Petitioner had studied upto Standard X and his name was registered in the Divisional Employment Exchange, Trivandrum from 1979 and his registration number was 19083/79 as disclosed by his representation dated 24-1-1983 which had given to the Management for being regularised in service. On 17-5-1983, the services of the Petitioner were terminated by the Respondent without giving any notice or following the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act. The Petitioner had challenged the order of termination in a writ petition filed before the Kerala High Court in O.P. No. 4254/1983. It is not disputed that the Petitioner was not in service during the pendency of the writ petition Ex. W-7 is the judgement passed in the writ petition dated 22-6-1983 whereby it was held that the termination of the services of the Petitioner without following the procedure prescribed in Chapter V-A of the Industrial Disputes

Act was illegal and he was directed to be reinstated in service and also considered for regularisation if eligible. In pursuance of this, the Petitioner was reinstated in service on 13-7-1983 though his services were not regularised. By a notice dated 8-11-1983 marked as Ex. W-8, the Petitioner was informed that his services would be terminated with effect from 7-12-1983 as he would be no longer required for being engaged on any casual work. The Petitioner had challenged this termination on the ground that he had worked continuously from 31-7-1979 for more than 240 days in a year and the termination of his services without notice and retrenchment compensation as provided for under Section 25F of the Industrial Disputes Act is illegal and has to be set aside. These facts had not been challenged or disputed by the Respondent. In as much as the mandatory provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act had not been fully complied with, the order of terminating the services of the Petitioner with effect from 7-12-1983 as manifested by Ex. W-8 cannot be sustained and accordingly it is set aside. The Petitioner is directed to be reinstated in service with full back wages, continuity of service and other attendant benefits.

(7) The only other question to be considered is whether the Petitioner is entitled to the relief of regularisation of his services. In this context, the learned counsel for the Management had relied upon the Government Circular dated 10-10-1979 marked as Ex. M-2 for the purpose of contending that the Petitioner would not be entitled to regularisation of his service. According to the Circular, casual employees who were working till 20th March, 1979 otherwise than through the Employment Exchange would be eligible for regularisation. It further stipulated that no appointment should be made in future without making a reference to the Employment Exchange. The Petitioner had admittedly joined service on 31-7-1979 as casual mazdoor and he was also registered with Employment Exchange. There is nothing in the circular relied upon by the Management to disclose that the casual labourers who were registered with the Employment Exchange but were employed subsequent to 20th March, 1979 are not eligible for regularisation. It may be mentioned that no statutory rule or regulation pertaining to the Respondent has been produced to disclose that the Petitioner would be disentitled from claiming regularisation.

(8) In the circumstances, it is directed that the Management may after reinstatement as ordered consider regularisation of the services of the Petitioner if he is found eligible. Award passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, this 7th day of May, 1987.

Sd/-
Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides. None.

DOCUMENTS MARKED

For workman :

- Ex. W-1/24-1-83—Letter from the Petitioner to the Management. (True copy).
Ex. W-2/28-2-83—Certificate issued to the Petitioner by the Assistant Surveyor of Works No. 1 Civil Circle. (True copy).
Ex. W-3/11-3-83—Certificate issued to the Petitioner by E.A. to Superintendent, Egmore, Trivendrum Circle. (True copy).
Ex. W-4/4-4-83—Certificate issued to the Petitioner by Assistant Engineer, P&T, Trivandrum. (True copy).
Ex. W-5/16-5-83—Certificate issued to the Petitioner by Assistant Surveyor of Works III P&T. (True copy).
Ex. W-6/27-5-83—Order of High Court of Kerala in C.M.P. 12642/83 in O.P. 4254/83. (True copy).

Ex. W-7/22-6-83—Order of High Court of Kerala in O.P. 4254/83(J). (True copy).

Ex. W-8/8-11-83—Letter from Assistant Engineer, P & T Trivandrum to the Petitioner terminating the services of the Petitioner with effect from 7-12-1983. (True copy).

Ex. W-9/14-11-83—Reply from the Petitioner to Ex. W-8. (True copy).

Ex. W-10/5-12-83—Reply from the Management to the Petitioner with regard to Ex. W-9. (True copy).

Ex. W-11/6-12-83—Letter from the Petitioner to the Executive Engineer, P & T Civil, Trivandrum (True copy).

Ex. W-12/14-12-83—Notice of contempt of Court issued to the Executive Engineer, P&T Civil Division, Trivandrum by Thiru K. S. Rajamony, Advocate for Petitioner. (True Copy).

Ex. W-13/17-12-83—Letter from the Petitioner to the Assistant Labour Commissioner (South) Trivandrum regarding his non-employment. (True copy).

Ex. W-14/24-12-83—Letter from the Executive Engineer, Trivandrum to Thiru K. S. Rajamony, Advocate. (True copy).

Ex. W-15/17-5-84—Conciliation Failure Report sent by the Assistant Labour Commissioner, Trivandrum. (True copy).

Ex. W-16/10-12-84—Certificate issued by the Assistant Executive Engineer, Trivandrum. (True copy).

Ex. W-17/13-12-85—Office memorandum issued by the P&T (Civil Wing), Trivandrum. (Xerox copy).

For Management :

Ex. M-1/8-12-83—Xerox copy of receipt for payment of one day wages to the Petitioner.

Ex. M-2/10-10-79—Office memorandum issued by the Ministry of Home Affairs. (Xerox copy).

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal
[No. L-40012/14/84-D. II(B)]

का.आ. 1505.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, नारदन रेलवे, लखनऊ के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19 मई 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1505.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No.

Reference No.

In the matter of dispute between

Shri Nasiruddin

C/o Zonal Working President.

Uttar Railway Karamchhari Union,

96/196 Roshan Bajaj Lal Ganesh Ganj,

Lucknow.

AND

Senior Engineer,
Northern Railway,
Lucknow.

APPEARANCES :

Shri B. D. Tewari representative—for the workman,
Shri B. P. S. Chauhan representative—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, vide its order dated 25-1-86 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

Whether the retrenchment of Shri Nasiruddin Khalasi with effect from 28-2-78 by Senior Engineer, Northern Railway, Lucknow is justified? If not to what relief the workman is entitled?

2. The case of the workman is that he was recruited as khalasi under Inspector of Works Grade II Braha Railway Colony on 7-12-75 and he worked up to 28-2-78 with short breaks and during this span he completed 244 days, that he was retrenched with effect from 29-2-78 without notice, notice pay and retrenchment compensation and thereafter was never called to appear for re-engagement when 45 persons were freshly recruited in 1980-81 by the Inspector of Works Charbagh. Thus section 25 of the Act as well as section 25H of the act are violated. Further after termination his services another junior person was taken on roll on 29-2-78 disregarding the provisions of section 25F also. The termination in view of the above violation are illegal, hence the workman is entitled to be reinstated with full back wages.

In the written statement the management admitted that the workman was engaged as casual labour under IOW Barha Colony against specific sanction from time to time on 7-12-75 and worked upto 27-2-78. It is averred that the workman himself did not turn up for duties after that and the question of terminating his services without compliance of section 251 does not arise. Further he never completed 240 days in one completed year. That casual labour engaged day to day casualities was against specific sanction for fixed period and after completion of the specific sanction their services automatically stands terminated and the casual labour who were engaged against specific sanction had no legal right for their continuity in service beyond that sanction. In the instant case the applicant absconded from duties he has no legal right to claim reinstatement.

4. In the rejoinder the workman has averred that he was asked not to turn up for work from 28-2-78.

5. On 31-7-86 the management required at the instance of workman to bring muster roll and casual labour register for the relevant period but the management never filed the same and stated on 16-10-86 that the document summoned by the workman had been weeded out.

6. The management has filed affidavit evidence of one Shri S. S. Tewari IOW Grade III. He has reiterated the stand taken by the management in the written statement.

7. In the cross examination he has deposed that the muster roll has been destroyed and he can not give the dates of its destruction. He has further stated that the name of the workman must have been struck off after waiting 3 days after 27-2-78 as per rule. He admits that no notice or retrenchment compensation was given to him. He has further stated that the pay of the workman for the month of January and February was not paid to him as he did not turn to receive it. The management had address of the workman but they did not inform him by post. He is not able to tell how many sanctioned work was going on 27-2-78, without looking to the records, and on the date the name of the workman was struck off from the muster roll. No seniority list was prepared to see how many juniors were working. He further stated that he had verified that the workman had not completed 240 days of work in one span of a year. He has filed list of working days of workman and has stated that he was not given temporary status as he has not completed 120 days at a stretch.

353 GI/87—8

8. The list submitted by management witness dated 15-3-84 is on the record. Taking the span of 22-12-75 to 21-12-76 according to the list supplied the workman worked for 240 days. Thus he had acquired a status and should not have been terminated without giving retrenchment compensation as required under section 25F of the Industrial Dispute Act. Even striking out the name from the muster roll will amount to retrenchment and for any termination for any reason what so ever the retrenchment compensation should have been paid. In the event of not having done so the termination would be illegal.

9. On the other hand the workman gave his affidavit evidence or affidavit asserting his claim of the written statement. He has deposed that he had been visiting the place of engagement daily but the persons who are working with him were still working and in 1980 some persons were engaged for work. He has denied the management's suggestion that as he did not go to work his name was struck off.

10. As all the relevant document are in possession with the management, the management should have filed the same. Merely saying that they have been weeded out, in the absence of proof can not be accepted. As observed earlier from the own statement of management witness regarding number of working days of the workman, the workman had completed 240 days from 22-12-75 to 21-12-76 and had acquired a temporary status and he should not have been ceased to work on 28-2-78 and his name struck off the rolls as the same amounts to retrenchment, the same having been brought about without being paid retrenchment compensation, the same is illegal and the applicant is entitled to be reinstated in service with full back wages. Further fresh hands were appointed by the management in 1980 and the workman was not given opportunity of reemployment on this count also the termination is illegal as it is in contravention of section 25H of the Act.

11. In these circumstances and discussions made above, I hold that the termination of the workman have been illegal and workman is entitled to be reinstated with full back wages.

12. I, therefore, give my award accordingly.

13. Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dated 5-5-1987.

[No. I-41012/1/85-D-II(B)]

का.प्र. 1506.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, सिविल इंजीनियर नारदन जेठवे चारबाग के प्रबन्धकत्व में सम्पन्न नियोजन और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्बन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पत्रों को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 19-5-1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1506.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial disputes between the employers in relation to the management of Civil Engineer, Northern Railway, Charbagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 53/1986

In the matter of dispute between :

The Senior Civil Engineer
Northern Railway
Charbagh Lucknow.

AND

The Zonal Working President
Uttar Railway Karamchari Union
96/196 Roshan Bajaj Lane
Ganesh Ganj
Lucknow.

APPEARANCE :

Shri B. D. Tewari representative—for the workmen.

Shri Ravi Jauhari—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-41012/36/85-D.II(B) dated 3rd March, 1986, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the Sr. Civil Engineer, Northern Railway Lucknow Division, Charbagh Lucknow in continuing the services of Shri Ram Asrey and 36 others detailed as annexure I as casual labour is proper and justified? If not, to what relief these 37 workmen are entitled?

2. The case of the applicant is that all the workmen are working as substitute casual labour under Chief Inspector of Works Charbagh and Sr. Engineer Northern Railway Lucknow from the dates noted against each of them, enclosed in the reference order. It may be mentioned that in that the date of initial appointment is not mentioned. The missing dates have been supplied by filing a second list annexure II to this claim statement showing that all the workmen have completed more than 10 years and in the case of Shri Vishnudeo and Rafiujama whose names appears at serial No. 36 and 9 respectively ranging to 21 years of continuous service under the northern railway administration represented by Sr. Engineer Charbagh. All these workmen are still treated as substitute casual labours and have not so far been regular. They were not treated even as temporary employees from 1965 to 15-5-77 and they are being still treated junior to staff recruited after them vide list annexure III and claim statement and are being deprived off benefit of upgrading to other temporary staff. One workman Ramdhari is ITI qualified personal and has not been given permanent status and promotion in 25 per cent quota allotted to ITI qualified candidates.

3. The case of the management in the written statement is that penal of class IV staff was formed in the year 1973 containing 369 candidates. All the casual substitutes who were working under IOW/CB/Alambagh and who have completed 180 days of work at that time were called to appear in the aforesaid selection and out of those only 206 could be absorbed so far and fresh penal would be formed only after the present penal has been exhausted as such none can be made permanent out of the list given in the department and as per practise casual labour outside the scope of the said penal will always remain junior to the persons absorbed against permanent vacancy from the aforesaid penal. As regards 25 per cent quota from amongst casual labours for ITI qualified the same will be considered when vacancies arises.

4. On behalf of the management Shri R. K. Tewari IOW(III) gave his affidavit evidence asserting the stand taken in the written statement and stated in cross examination that all of the workmen are working with the management for the last 10 years, as regards the candidates of appointment mentioned in the schedule with the reference order, he has deposed that the dates mentioned in that list is correct, date of appointment of some of the workmen is missing which has been supplied by the workmen in other annexure with the claim statement. The witness has not tallied their dates of appointment but generally he admits that all of them are working for about 10 years. He further admits that the persons whose jobs are mentioned in Annexure II to the claim statement are still working on those jobs and they are not officiating on post of any one having a lein on that post. He admits that these workmen are allowed facilities of PTOs and Passes, leave, provident fund after their screening and medical test. He admits that their group insurance is not deducted but they are getting increments. He further states that all these workmen are not in penal. He has never brought nor filed the penal of 369 persons. He is further not able to say how many vacancies are there when the penal was formed in 1973. He also says that he can not say how many have been absorbed in regular vacancies, but some persons of that list are still awaiting regular appointment. He admits that

the penal is prepared on the basis of seniority and date of appointment but soon after resiled and stated that the criteria of impenalment is the number of working days. He is not able to say for how many number of days the workmen concerned here have worked or those who were empenalled have worked. He has no knowledge if Shri Rafi-ujjama whose name appeared at serial No. 9 in the list appended to the claim statement and whose date of appointment given as 1-1-65 was called for impenalment or not but status that they all have given c.p.c. scale rate prior to 1973, i.e. prior to formation of penal were not called for empenalment.

On behalf of the management one Shri Rafiujama has appeared in the witness box and filed his affidavit. He has averred that all the 37 workmen are substitute casual labour working under IOW and Sr. Engineer Northern Railway Lucknow and they have completed more than 10 years. They are still treated as substitute casual labours and have not been made regular as yet and they are treated junior to the staff recruited later to their recruitment.

6. Regarding Dhani Ram he states that he being ITI has not been given promotion in 25 per cent quota allotted to ITI qualified persons.

7. In cross examination he has deposed that out of the persons whose name has been included in the list of the reference order Ram Dhani was screened for the post of Khalasi but his name is not correctly mentioned in the empenalled list. He has further states that one Shri Ram appointed after 1973 has been made permanent. Besides him Ram Awadh and Satpal Yadav employed after 1973 have been made permanent. As observed earlier a list of penal prepared in 1973 has not been filed. There is nothing on record to show as under whose orders the panel was prepared and till when the same was to lost. There is no affidavit on behalf of the management that there is any break in the service of all the workmen whose case is before this tribunal. Further it is not the case of management that they are working in any leave vacancy rather it is admitted that they are working on specified job and on post on which no other persons has a lein. Management has further not filed any document to show as to how many permanent sanctioned posts are there.

8. The only argument on behalf of the management is that workmen in the instant case have all acquired temporary status and will become permanent only when permanent vacancy occurs.

9. Under section 2(r)(a) of the act added by act No. 46 of 82 which came into effect from 21-8-84 unfair labour practise has been added which means any of the practises specified in the 5th schedule turning to 5th schedule at serial 10 it is laid down that to employ a workman as badli casual or temporary and to continue them as such for years with the object of depriving them of the status and privileges of permanent workman is an unfair labour practice.

10. In railway boards Circular No. E (NG-II)77/CL/46 dated 8-6-81 on the subject of casual labour in paragraph E it is laid down that casual labour will be given temporary status will not however be brought to permanent establishment unless they are selected through regular selection board for class IV they will have prior claim over others to permanent recruitment and they will be considered for regular appointment without having go through employment exchange and such of them who joined as casual labour before attaining the age of 28 years should be allowed relaxation of minimum of age limit prescribed for class IV post to the extent of their total service which may be either in continuance or in broken periods. In paragraph F of the same it is laid down that no outsider should be appointed to class IV post which became available upto 31-12-82 and all such post should be filled only amongst the casual labour and substituted it is further laid down that for purposes of screening and empenalment a Division shall be treated as unit for all department.

11. It has been observed that a division should be the unit the purpose of empenalment and persons required to work in temporary or permanent capacity in cases when good number of temporary persons are required to work for long duration so for 3 years or 5 years the management should carbed out the post which are likely to continue and in other words increase the number of sanctioned post.

Had this been done persons would not have been allowed to continue as temporary or casual for 10 to 20 years. The very fact that they are working continuously for the last 10 or more shows that the management requires staff on job which are almost of permanent nature but as the strength has not been revised they are still being retained as temporary or casual though they are working as mason carpenter or blacksmith and so on designation given in the list for over 10 years on the post on which no other persons has a lein. In the circumstances management is to be blamed and it is nothing but unfair labour practice and can not be allowed to prevail indefinitely. If a penal of 369 persons was prepared in 1963 it is stranged that only 206 persons have been absorbed so far when atleast 37 persons in the instant case are allowed to linger as temporary as casual for about 10 to 21 years. In Narendra Chadha. Vs. Union of India 1986 SC (Labour & Services) page 226 it was held if adhoc promotees or appointees are allowed to continue as such for long year without being reverted or challenged they would be deemed to have been regular.

12. In these circumstances and for reasons discussed above as all the 37 workmen have worked continuously for more than 10 years on specific post on which no one has lein it will be deemed that they have acquired permanent status. It is for the management to reassessed the strength of sanctioned post and make fitment taking into consideration the present position and number of working years.

13. I consequently hold that the action of the Senior Civil Engineer Northern Railway Lucknow Division Charbagh Lucknow in continuing the services of Shri Ram Asrey and 36 others as casual labour is not proper and justified. The result is that they are entitled to regularisation.

14. I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

Dt. 5-5-87.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. I-41012/36/85-D.II(B)]

ANNEXURE I

List of workmen

Sl.No	Name	Designation	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Ram Asrey	Mason	29-9-71 Casual
2.	Kalicharan	Do	1-8-74
3.	Maikop	Khalasi	
4.	Sriram	Do.	
5.	Mangal	Mason	25-8-71
6.	Lalsingh	Carpenter	8-7-74
7.	Ram Deen	Blacksmith	21-3-73
8.	Ram Chander	Khalasi	
9.	Reffitzzama	Mate	1-1-65
10.	Chandra Sekhar	Khalasi	21-4-72
11.	Ram Kumar	Do.	
12.	Chhotey Lal	Do.	10-5-73
13.	Santoo	Do.	2-7-68
14.	Morish Davit	Do.	
15.	Mohan Lal	Mason	
16.	Jagannath	Khalasi	10-5-75
17.	Ramesh Chandra	Do.	
18.	Ram Yadi	Carpenter	4-4-74
19.	Ram Kishore	Fitter	10-5-72
20.	Chhotey Lal	Khalasi	20-5-72
21.	Kishori	Do.	
22.	Ram Kumar	Do.	22-10-75
23.	Kanhiyalal	Do.	6-1-73
24.	Bajrang	Do.	
25.	Bipat	Do.	2-2-72
26.	Kallo	Do.	2-5-75
27.	Chandrapal	Do.	10-3-72
28.	Chandrika	Do.	

1	2	3	4
29.	Mihir Kumar	Cholnator operator	5-6-75
30.	Mangal Prasad	Valveman	5-12-70
31.	Ram Adhar	Do.	
32.	Jeet Ram	Do.	
33.	Ram Khilawan	Chainman	
34.	Mathura	Do.	
35.	Khem Bahadure	Khalasi	8-7-75
36.	Vishnu Dev	Do.	4-10-76
37.	Ram Dhani	Fitter	

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dt. 5-5-87

का.आ. 1507.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, कीफ इंजीनियर, आल इंडिया रेडियो, नई दिल्ली के प्रबन्धन में सम्बन्ध नियोजकों और उनके कामकाजों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1507.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chief Engineer, All India Radio, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER;
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL;
NEW DELHI

I. D. No. 13/86

In the matter of dispute between :

Shri Chander Bhushan Pandey,
son of Shri Amla Pandey,
r/o H-4/6, Ring Road Colony,
Delhi Cantt-10.

Versus

1. The Director General, All India Radio,
Akashwari Bhawan, New Delhi.
2. The Chief Engineer, AIR,
Jam Nagar House, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri Multan Singh—for the workman.
Shri N. Chaudhary—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(7)/84-D.II(B) dated 11-12-85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the termination of Shri Chander Bhushan Pandey w.e.f. 8-7-1983 by the Chief Engineer, All India Radio, is legal and justified ? If not, to what relief he is entitled to ?"

2. It is stated by the workman that he served the Management from 1-2-82 to 8-7-83 whereafter his services were terminated without any notice, charge sheet or enquiry and without payment of any notice pay or retrenchment compensation and persons junior to him namely Mr. Saddiqui, Greesh Pal and Babu Lal were retained in service and thus there has been violation of Sections 25-F and 25-G of the I.D. Act (hereinafter referred to as the Act). Hence the order of his termination is illegal and void and he has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The Management in its written statement disputed the period of employment of the workman and submitted that the workman was employed only as a casual worker and, therefore, he could not be given any retrenchment compensation. It was denied that the persons junior to him were retained in service.

4. The extension of the Management that the workman was employed only as a casual worker and he is not entitled to any retrenchment compensation and that the protection of section 25-F and 25-G of the Act is not applicable to him is devoid of any force. This controversy has been set at rest by the Authority Workman of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987(I)-LLJ 85 Delhi High Court wherein it was held as under;—

“Industrial Disputes Act, 1947 —Section 2(S) 25-F Daily rated workman-retrenchment of daily rated worker-Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite Service during the relevant period. Lumpsum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked.

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter. Slum Department of the Municipal Corporation Delhi. Based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and therefore, the workman cannot claim any Relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD: When the petition was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25(F) of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenched workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 5(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid.”

5. On facts there is hardly any dispute. Although the period of employment of the workman was disputed in the written statement yet during the proceedings the Management itself placed on record a statement Ex. M-1 showing the attendance of the workman for the period from 1-2-1982 to 8-7-1983 which goes to show that he had put in a total number of 411 days of service with the Management out of which during the 12 calendar months preceding the date of his termination he had put in 285 days. Therefore, it stands proved that the workman had put in continuous service of one year in terms of Section 25-B of the I.D. Act and the provision of section 25-F are fully applicable to him. It is not denied by the Management that no notice was served upon the workman nor any wages in lieu of notice nor any retrenchment compensation

were paid to him. Therefore, there has been a clear violation of the mandatory provisions of section 25-F of the I.D. Act and the order of termination of his service is clearly illegal and void and the workman is entitled to reinstatement with continuity of service and full back wages. However there is no cogent evidence to show that persons junior to workman were retained in service. Hence there is no violation of Section 25-G of the I.D. Act. his reference stand disposed of accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

28th April, 1987.

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. L-42012/7/84-D.II(B)]

का. अ. 1508.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम लखनऊ के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1508.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure. in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Lucknow, and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 23 of 1986

Shri Ganga Prasad Kureel
C/o M. Shakeel,
1 Abdul Aziz Lane,
Lucknow

AND

The Regional Manager,
Food Corporation of India,
Regional Office,
5/6 Habibulla Lane,
Lucknow.

APPEARANCES:

Shri M. Shakeel—for the workman.

Shri G. P. Pandey—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-42012/7/85-D.V dated 21st January, 1986, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal:

Whether the termination of Shri Ganga Prasad Kureel son of Shri Budhoo Lal by the management Food Corporation of India, Lucknow, with effect from 1st July, 1974, is justified? If not, to what relief is the workmen concerned entitled and from what date?

2. The case of the workman is that he was appointed as loader in the management but due to his trade union activities his services were terminated and he was not allowed to work in July 1974. The workman was not given any notice, notice pay or retrenchment compensation at the time of his termination, nor the provisions of rule 25G and H were followed. In 1976, the management appointed new hands and the workman was not offered appointment. It is prayed that the workman be reinstated in service with full back wages.

3. Management in their written statement averred that the workman started working as temporarily labour from 1-7-73, his pay alongwith other labours was fixed on consolidated amount and later given prescribed scale but as per records the workman did not attend duties after 15-6-74 and wilfully himself abandoned the job since then without any notice or intimation. Later the vacant post of the workman alongwith 16 other posts were filled on the request of the General Secretary of the union vide his letter dt. 13-2-75. The Unit Secretary has confirmed vide his letter dt. nil that Ganga Prasad was not the member of his union though he was member in the year 1973 and 1974, the fact that the workman abandoned the job wilfully in 1974 and did not approach the management for the last 12 years. It is denied that the management received any representation by the workman during this period.

4. In the rejoinder the workman has filed the number of working days and also taken the plea that he had fallen ill in 1974 and had applied for medical leave as he was not physically fit to perform duties. He submitted his fitness certificate in the year 1976 but was not allowed to join duties but he was verbally informed that his case was referred for orders.

5. In support of its contention the management filed affidavit evidence of the District Manager Food Corporation of India reiterate the case of the management as set out in the claim statement in support of his case he has filed photocopy of the letter dt. 13-2-75 of the Depot Superintendent FCI Talkatora, Lucknow that the under mentioned workmen were absent without information from the date mentioned against them. In this the name of workman Ganga Prasad appears at serial no. 4 mentioning that he is absent from duty without any information since June 74. He has further filed letter of union secretary, Shri O. P. Srivastava intimating that Ganga Prasad workman was a member in 1973-74 but is not a member in 1975 and that he never appeared for duty after 74. He has further filed a letter from the Secretary of the Union dated 19-4-76 namely Shri S. N. Singh that the Strength of the labour as it on 15-6-73 to be completed and in place of absentee workmen the names provided by him in the accompanying list of all whom are members of the union may be added.

6. In cross examination management witness stated that as per records there was no application for leave from 16-6-74 and the name of the workman was continued till December 1976 with nil attendance as per monthly absentee statement sent by the mate in which he was working. He has deposed further that on 13-2-75 Depot Superintendent informed the District Manager that post of Shri Ganga Prasad alongwith other lying vacant since June 1974 and ask for further action. Union gave a letter dt. 19-4-76 alongwith list of proposed persons to be appointed and consequently they were appointed. He has however admitted that the workman had completed 240 days preceding one year from 15-6-74.

7. On behalf of the workman himself given his affidavit as well as Shri M. Shakeel president of the BKMS. He later gave his affidavit on the point that there was no provision for the post of unit secretary in Mazdoor Sangh as per provision of the Sangh. One Chandika Prasad also filed his affidavit stating that on 28th June 1974 the workman gave him an application to be submitted in the Office of the Corporation at Talkatora, Lucknow.

8. In cross examination he has deposed that in casual leave application for 28th to 30th June he has given his address in Mohalla Martiya P. S. Sadatganj and that from 1974 to 1984 he had been making application to FCI and had been meeting to the officers but he does not have any document to show that he entered in correspondence with the management during the period 1974-84.

9. Shri M. Shakeel stated that there was no post of unit secretary as per by laws of the union and that Shri O. P. Srivastava was not the union secretary in 1975. Even if there was no post of unit secretary and Om Prasad was not unit Sectt. Shri S. N. Singh Sectt had intimated the management that post is lying vacant since long and that the strength should be completed as it was on 15-6-73. He has also stated that he recognises the signature of Shri

S. N. Singh Sectt and that original of paper no. 2 does not bear the signature of 19-4-76. The letter of S. N. Singh filed by S. N. Singh on letter head of the union which contains marginal notings by the department officers. The witness should have shown the original signatures of Shri S. N. Singh to substantiate his stated that the letter was not signed by S. N. Singh and was forged. On the absence of any cogent evidence, I am not inclined to believe his statement on the point.

10. Third witness is Shri Chandika Pleasac who testified that he had taken the application of the workman to the depot and gave it in the office but had not obtained any receipt of the same. This application he had taken there in the year 1974. When enquired about the month he had taken the application, he stated that it was neither very hot nor very cold but later realising that the matter related to June 74 he stated that it was taken in June. June is the hottest month in the northern India. In the absence of any corroborative evidence, I am not inclined to believe his statement.

11. It does not appeal to reason that the workman agitated his right or reemployment from 74 to 84 and there is not a single document to substantiate the same. The witnesses produced by him that he sent application or that the letter paper no. 3 dt. 19-4-76 filed by the workman is not signed by S. N. Singh, secretary is not worthy of reliance. The only necessary corollary is that the workman did not appear for duty after 1st July, 1974, and after carrying over his name for a pretty good time in the muster roll his name was struck off after December, 1974.

12. I am inclined to believe the statement of the management witness and hold that the termination of Shri Ganga Prasad Kureel w.e.f. 1st July, 1974 is justified, the result is that the workman would be entitled to no relief.

13. I, therefore, give my award accordingly.

Let 6 copies of this award be sent to the government for its publication.

Dated : 5-5-1987.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-42012/7/85-D.V.II(B)]

का.प्रा. 1509.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ग्राम रूडिया रेडियो के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1509.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of All India Radio in relation to their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

I.D. No. 6/86

In the matter of dispute between :

Shri Bhushan Lal 477 Chirag Delhi, New Delhi-17.

Versus

The Chief Engineer (North Zone) All India Radio,
Jamnagar House Hutments, Shahjahan Road, New
Delhi.

APPEARANCES :

Shri G. C. Tulsiani—for the workman.

Shri Narinder Chaudhary—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(1/7)84-D.II(B) dated 19th November 85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the Management of All India Radio in relation to its Chief Engineer North Zone, in terminating the services of Shri Bhushan Lal Carpenter w.e.f. 30-7-83 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

2. The workman has alleged in his statement of claim that he was appointed by the Management as a Carpenter in Grade 320-400 plus usual allowances vide appointment order dated 17-12-81 on probation of two years. However, when he reported for joining the duty he was not allowed to join and was informed the appointment order stand cancelled and new appointment letter will be issued in due course. Therefore on 7-1-82 the workman was given another appointment order whereby he was appointed for three months initially w.e.f. 18-1-82. However, the workman continued to work till 17-7-82 without any break. His services were regularised w.e.f. 17-4-82 vide office order of even date. On 6-5-82 he was given another appointment letter whereby he was given regular post as a Carpenter. Against vide another office order dated 3-4-82 he was appointed on probation for a period of two years but suddenly vide orders dated 3-6-82 and 19-6-82 management informed the workman that his services were upto November, 1982. By another order dated 13-6-82 the workman was directed to proceed to Surat Garh Rajasthan for installation of a play back studio but these orders were subsequently cancelled and he was not allowed to proceed to Suratgarh and his place one Mahesh Thakur and Ved Prakash were sent. On 18-7-83 the workman was directed to report to Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi and he was relieved from Jamnagar House where he had been initially appointed in terms of the said order the workman reported for duty to the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi but was not allowed to resume duty and then he reported back to his parent office on the same day. However, the management vide order dated 9-7-83 terminated the services of the workman. This order was subsequently cancelled and he was allowed to continue. Finally vide order dated 22-7-83 the services of the workman were terminated and he was paid wages for the unexpired notice period upto 30-7-83. It is alleged that the management had not followed the procedure of Section 25-F of the I.D. Act and Shri Mahesh Thakur who was junior to the workman was retained in service. Hence the action of the Management is illegal, arbitrary and unjustified and mala fide. The workman has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The management in its written statement controverted the claim and allegations of the workman and denied the various orders of appointment, regularisation and transfer and termination referred to by the workman. It was also denied that the workman was directed to report to Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan. It was further contended that the workman was terminated from service because the casual work for which he was employed no more existed. It was also denied that any persons junior to the petitioner had been retained in service.

4. The workman has placed on record photo copies of the letters dated 23-11-81, 17-12-81, 24-12-81, 11-1-82, 3/4-2-82, 17-4-82, 6-5-82, 3-6-82, 14-6-82, 13-6-83, 22/24-6-83, 8-7-83 (three letters of this date) and 22-7-83. MW1 Shri J. K. Gupta who appeared on behalf of the management has admitted that these letters were issued by the management. Therefore, the pleadings of the management in the written statement denying the issue of these letters is proved to be false. It is indeed regrettable that a public undertaking like the AIR should have indulged in falsehood of this type. However this need not detain us long and detract from the real controversy. These letters demonstrate the way word manner in which the management had been acting in respect of the workman and also betrays lack of conviction on the part of the management as to how the appointment of this workman was to be

treated. Vide letter dated 23-11-81 the workman was asked to appear for interview for the post of Carpenter as his name had been forwarded by the Employment Exchange and on the basis of the interview appointment order dated 17-12-81 was issued and it was indicated the appointment is temporary and until further orders and the workman will be on probation for two years. It was followed by letter dated 24-12-81 intimating that the appointed conveyed in letter dated 23-11-81 stood withdrawn and a further communication will follow (SIC the appointment offer was actually conveyed vide letter dated 17-12-81 and not vide letter dated 23-11-81). Thereafter letter dated 11-1-82 was issued offering post of Carpenter to the workman on work charged establishment in the Jamnagar House for three months and till such time the installation of Radio Coverage of 9th Asian Games was completed vide order dated 3/4-2-82 the workman was further appointed for three months from 18-1-82 to 17-4-82. Vide letter dated 17-4-82 the appointment was further extended from 18-4-82 to 17-7-82. Then followed letter dated 6-5-82 whereby the post of carpenter was offered on the recommendation of the Selection Board and it was further intimated that the appointment is temporary against post sanctioned on three months basis and that service will be terminated on one month notice from either side in accordance with the Central Civil Service (Temporary Service) Rules 1965. Then followed order dated 3-6-82 whereby the workman was appointed Carpenter w.e.f. 15-5-82 till further orders. Then memorandum dated 14-6-82 was issued to the effect that the appointment order dated 3-6-82 had been changed and the workman was appointed in a purely temporary capacity against a temporary post till 11/81 and the appointment against regular post is not sure. Thereafter an order dated 13-6-83 was issued directing the claimant to proceed on tour to Suratgarh for installation of play back studio. This letter clearly indicates the stand of the workman that his appointment was not for to project at the Asian Games only, otherwise he could not have been transferred to Suratgarh. (Although it has been mentioned in this order that he should proceed to Suratgarh on tour, but no period of the tour had been specified and, therefore, this order amounts to transfer). This was followed by order dated 22/24-6-83 to the effect that consequent on the reduction in the post of carpenter the services of the workman will be terminated with effect from 9-7-83 and he will be paid his pay and allowances in lieu of unexpired portion of the notice period from 10-7-83 to 21-7-83. Then another order dated 8-7-83 was passed transferring the workman to the office of the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi. Vide memorandum of the same date he was relieved from duties and asked to report to the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi. There is another order of the same date to the effect that consequent upon the transfer of the workman to the Executive Engineer Civil Construction Wing, New Delhi the order dated 24-6-83 of termination of services was cancelled. Lastly, followed the letter dated 22-7-83 stating that in supersession of the order dated 8-7-83 the services of the workman will stand terminated w.e.f. 30-7-83 and he will be paid pay and allowances of the unexpired period of termination from 31-7-83 to 20-8-83. Although in the written statement it has been pleaded that the workman was removed from service because the casual work for which he was employed no more existed, no such reason was given in the order of termination dated 22-7-83 whereas in the earlier order of termination dated 22/24/6/83 it had been mentioned that the termination was as a consequence of the reduction in the post of Carpenter. However, this order dated 20/24-6-83 was cancelled and the workman was transferred to the Office of Executive Engineer (Civil Construction Wing), Pushpa Bhawan, New Delhi indicating thereby that the work for him existed. Under the circumstances, the plea of the management in the written statement that the services of the workman were terminated because the casual work for which he was employed no more existed is not substantiated. Be that as it may even if it is presumed that there was no work, the termination of the services of the workman amounted to retrenchment. MW1 Shri J. K. Gupta has admitted that the workman had put in more than 240 days of service as the time of his termination and that he was subscriber to the Provident Fund and this benefit is given to persons appointed against regular post. Therefore, the workman clearly comes within protection of section 25-F

of the I.D. Act according to which before a workman could be retrenched the management was required to comply with the provisions. (a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of action has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice; (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days' average pay (for every completed year of continuous service) or any part thereof in excess of six months. While the Management has paid him wages in lieu of notice. It has not complied with the mandatory provision of section 25-F (b) for payment of retrenchment compensation. The Id. representative of the Management submitted that the workman was governed by the TS (Temporary Service) Rules 1965 and no retrenchment compensation is payable under these rules. This argument is without any substance because the provisions of the I.D. Act superimpose or super add certain obligations upon the Management in respect of its contract of employment, as held in the Authority Ramachandra Vithuji Kothare Vs. Industrial Court, Nagpur & Ors. 1986(1) LLJ 366 Bombay High Court as under :

"The provisions of S. 25-F are the provisions of statute which superimpose or superadd certain obligations upon the employer in respect of his contract of employment statutory or otherwise with the workman to whom the Industrial Disputes Act applies. The effect of the provisions of S. 25-F would be that irrespective of the contract of employment the mandatory requirements of S. 25-F will have to be complied with by the employer in the case of a workman to whom the Industrial Disputes Act applies."

5. There cannot be any dispute that All India Radio is "an Industry" and the Industrial Disputes Act is applicable to its workmen. If any authority is needed one may refer to Management of AIR Chattarpur Vs. P.O. C.G.I.-cum-Labour Court and another 1987(54) FLR 58 Madhya Pradesh High Court wherein it was held as under :

"Industrial Disputes Act, 1947—Secs. 2(j), 2(s), 25-F, 10—Constitution of India, Arts. 226, 227, 309, 311—"Industry"—Concept of All India Radio is "Industry"—Termination of Service of clerk appointed temporarily on ad-hoc basis—Who had put in continuous service for more than 240 days—Without employing with Sec. 25-F provisions—Termination is retrenchment—Termination void for non-compliance of Sec. 25-F provisions—Order for re-instatement with back wages etc. passed by I.T. does not call for interference—Mere framing of Service Rules under Art. 309 does not change status of employee as "workman" under Sec. 2(s)."

Although various orders of the Management referred to above go to show that the workman was appointed against regular vacancy, yet even if he was to be taken as a daily rated workman, still the provisions of Section 25-F would be applicable to him. In the authority workmen of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987(1) LLJ 85 Delhi High Court it was held as under :

"Industrial Disputes Act 1947—Section 2(S) and 25-F—Daily rated workman—Retrenchment of daily rated worker—Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite service during the relevant period—Lumpsum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked."

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter, Slum Department of the Municipal Corporation Delhi, based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and

therefore the workman cannot claim any relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD : When the petitioner was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25(F) of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenchment workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 25(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good as a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for a period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid."

6. Under the circumstances it is held that the order of termination of the service of the workman is bad for the non-compliance of the provisions of Section 25-F(b) of the I.D. Act and is void ab-initio.

7. The allegation of the workman that there was violation of section 25-G of the Act as one Shri Mahesh Thakur junior to him was retained in service is not substantiated. The Management has placed on record a copy of the minutes of the Departmental Promotion Committee Ex. MW 1/1 which go to show that Shri Mahesh Thakur was senior to the workman in the gradation. The date of actual joining of service is immaterial and the seniority is reckoned as per the gradation in the selection in the D.P.C. Hence this part of the claim of the workman is rejected.

8. In view of the discussion made above the termination of the workman is held to be not justified and it is directed that he shall be reinstated with continuity of service and full back wages.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

28th April, 1987

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. I-42012/17/84-D.II(B)]

का.आ. 1510.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इंडस्ट्रियल आफिसर, आल इंडिया रेडियो के प्रबन्धन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1510.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi, as shown in the the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of installation Officer, All India Radio and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA; PRESIDING OFFICER;
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL; DELHI
I.D. No. 30/85

In the matter of dispute between :

Shri Rohtas r/o House No. 68, Village Pitampura,
P. O. Khas Pitampura, Delhi-110034.

Versus

The Director, All India Radio,
Jammagar House, New Delhi.

APPEARANCES : Shri S. N. Gupta Advocate for the
workman.

Shri Narinder Chaudhary for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(49)/84-D.II(B) dated 11-12-85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Installation Officer, All India Radio, Mali Road, New Delhi, in terminating the services of Shri Rohtas, a Watchman, w.e.f. 19-4-1984 is justified and legal ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?"

2. The workman has stated that he remained employed with All India Radio New Delhi for the period from 20-4-83 to 19-4-84 whereafter his services were terminated without any notice or charge sheet or enquiry and no wages in lieu of notice or retrenchment compensation were paid to him. Hence the termination of his service was illegal and void and he has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The case of the Management as put forth in the written statement is that the workman was employed on a casual basis and as the work on which he was engaged had been completed his services were dispensed with. It was denied that he had completed 240 days work. It was further contended that the respondent is not an 'industry' and is performing the government function and is covered under Article 310 and 311 of the Constitution.

4. The objection of the Management that All India Radio is not an 'Industry' and is performing Government function and is covered by article 310 and 311 of the Constitution is without any substance because it has been held that All India Radio is an 'Industry' in the authority Management of All India Radio Chatterpur Vs. Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court and another 1987 (54) FLR 58 Madhya Pradesh High Court. The Head Note in this authority reads as under :

"Industrial Disputes Act, 1947, Secs. 2(j), 2(s), 25F, 10-Constitution of India Arts. 226, 227, 309, 311-
"Industry"—Concept of—All India Radio is Industry—Termination of service of clerk appointed temporarily on ad-hoc basis who had put in continuous service for more than 240 days without complying with Sec. 25-F provisions—Termination is retrenchment—Termination void for non-compliance of Sec. 25-F provisions—Order for reinstatement with back-wages etc. passed by I.T. does not call for interference—Mere framing of Service Rules under Art. 309 does not change status of employee as "workman under Sec. 2(s)".

5. The second contention of the Management that the claimant was employed as a usual worker on daily wages and is not covered by the provisions of the I. D. Act as also been set at rest by the Authority Workmen of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987 Labour Law Journal 85 Delhi High Court wherein it was held as under :

"Industrial Disputes Act 1947-Section 2(s) and 25-F. Daily rated workman-Retrenchment of daily rated worker—Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite service during the relevant period. Lump-sum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked.

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter. Slum Department of the Municipal Corporation Delhi. Based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and therefore, the workman cannot claim any relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD : When the petitioner was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25-F of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenched workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 25(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good as a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for a period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid."

6. On facts there is hardly any dispute. Although in the written statement the Management denied that the workman had put in more than 240 days in the 12 calendar months prior to the termination of his services, yet during the course of proceeding the Management itself place on record a statement showing the attendance of the workman for the period, from 20-4-83 to 19-4-84. Ex. W-1 according to which the workman had put in 268 days of work during this period. Therefore it stands proved that the workman had put in continuous service of one year in terms of Section 25-B of the I. D. Act and the provisions of Section 25-F are fully applicable to him. It is not denied by the Management that no notice was served upon the workman nor any wages in lieu of notice nor any retrenchment compensation were paid to him. Therefore, there has been a clear violation of the mandatory provisions of section 25-F of the I. D. Act and the order of termination of his service is clearly illegal and void and the workman is entitled to reinstatement with continuity of service and with full back wages. This reference stands disposed of accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

G. S. KALRA, Presiding Officer

April 8, 1987

[No. L-42012/49/84-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का धारा 1511.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 के 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के बिना जो पहले प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के बिना जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पंजाब राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

राज्य ग्राम	हद बस्त नम्बर	जिला
1. नागला	51	पटियाला
2. सिंगपुर भूदे	43	पटियाला
3. रामगढ़ भूदे	42	पटियाला
4. मुबारिकपुर	357	पटियाला
5. सादोमाजरा	12	पटियाला
6. हैबतपुर	358	पटियाला
7. हैबतपुर रोड	12	पटियाला
8. सादपुर	10	पटियाला
9. माधीपुर	11	पटियाला
10. डेरा बानी शहर में सभी क्षेत्र सम्मिलित।	1511	पटियाला
11. हरीपुर खुरी	17	पटियाला
12. बीर डण्डरालो	811	पटियाला
13. देवी नगर	1811	पटियाला
14. जवाहरपुर	202	पटियाला
15. जैतपुर	19	पटियाला
16. भोला माजरा	209	पटियाला
1. भोलापुर	238	लुधियाना
2. मुण्डिया खुर्द	240	लुधियाना
3. मुण्डिया कलान	179	लुधियाना
4. नीची माहगेली	239	लुधियाना
5. शेखवाल	78	लुधियाना
6. भटियान	89	लुधियाना
7. डाबा	262	लुधियाना
8. जामोयान	101	लुधियाना
9. महेरबान	71	लुधियाना
10. बाजरा	76	लुधियाना
11. सिराह	72	लुधियाना

[संख्या एम-38013/15/87-एम.एस.-I]

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1511.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall

come into force in the following areas in the State of Punjab, namely:—

Revenue Village	Had Bast No.	District
1. Nagla	51	Patiala
2. Singh Pur Bhude	43	Patiala
3. Ramgarh Bhude	42	Patiala
4. Mubarik Pur	357	Patiala
5. Sadomajra	12	Patiala
6. Haibatpur	358	Patiala
7. Haibatpur Road	12	Patiala
8. Sajdpur	10	Patiala
9. Madhopur	11	Patiala
10. Areas comprising Derabasi Town	1511	Patiala
11. Haripur Khuro	17	Patiala
12. Vir Dandralo	811	Patiala
13. Devi Nagar	1811	Patiala
14. Jawaharpur	202	Patiala
15. Janatpur	19	Patiala
16. Bholi Majra	209	Patiala
1. Bholapur	238	Ludhiana
2. Mundia Khurd	240	Ludhiana
3. Nichi Mahgeli	239	Ludhiana
4. Mundia Kalan	179	Ludhiana
5. Shekhwai	78	Ludhiana
6. Bhatian	89	Ludhiana
7. Daba	262	Ludhiana
8. Jassian	101	Ludhiana
9. Maherban	71	Ludhiana
10. Bajra	76	Ludhiana
11. Sirah	72	Ludhiana

[No. S-38013/15/87-SS.I]

का धारा 1512.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के बिना जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के बिना जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध उड़ीसा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“मुन्दरगढ़ जिले में रूक्मीन पम्पोश कुआरमुण्डा का रुक्मिला शहर, यूनिट संख्या 29 (ग्राम जगदा)।”

[संख्या एम-38013/16/87-एस.-I]

S.O. 1512.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of ORISSA, namely:—

“Rourkela Town, Unit No. 29 (Village Jagada) of Tehsil Panposh Kuarmunda in the District of Sundergarh.”

[No. S-38013/16/87-SS.I]

को. भा. 1513.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के विषय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के विषय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) उपवन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्—

“जिला त्रिवेन्द्रम के नेयथिन्कारा ताल्लुक में विल्नापिल्ल के राजस्व ग्राम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

[संख्या एम-38013/17/87-एस. एम.-1]

मीना गुप्ता, निदेशक

S.O. 1513.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala, namely :—

“The areas within the revenue village of Vilappil in Neyyathinkara Taluk of Trivandrum District.”

[No. S-38013/17/87-SS.I]
MEENA GUPTA, Director